प्रेरणास्रोतः स्व. डॉ. एलसी वालिया

लोक प्रेरणा

राष्ट्रीय हिंदी दैनिक

लोहारू से प्रकाशित

RNI No.HARHIN/2022/90426 वर्ष : 03, अंक: 339 पृष्ठ: 08, मूल्य: रू. 2.00 गुरूवार, 15 मई 2025 lokparerna@gmail.com +91-9255149495

भारत का लक्ष्य 6-जी नेतृत्व को हासिल करना: चंद्रशेखर

नई दिल्ली/लोक प्रेरणा

केंद्रीय दूरसंचार राज्यमंत्री चंद्रशेखर पेम्मासानी ने बुधवार को कहा कि भारत 6-जी पेटेंट दाखिल करने वाले विश्व के शीर्ष छह देशों में शामिल है। हमारा लक्ष्य 6-जी नेतृत्व को हासिल करना है। 111 से अधिक अनुसंधान परियोजनाओं को 300 करोड़ रुपये की मंजूरी राशि के साथ वित्तपोषित किया गया है। केंद्रीय दूरसंचार राज्यमंत्री ने नई दिल्ली में 'भारत 6-जी 2025' के तीसरे अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन और प्रदर्शनी को संबोधित करते हुए यह बात कही। उन्होंने भारत को प्रौद्योगिकी अपनाने वाले से मानक-निर्धारक बनने वाले देश के रूप में बदलाव पर प्रकाश डाला।

वैष्णव ने की ऑपरेशन सिंदूर की सराहना

नई दिल्ली

केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने एक बार फिर ऑपरेशन सिंदूर की सराहना की है। उन्होंने कहा कि यह भारत की अस्मिता का महत्वपूर्ण उदाहरण है। साथ ही ऑपरेशन सिंदूर में सशस्त्र बलों ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के निर्णायक नेतृत्व में शानदार भूमिका निभाकर मिसाल कायम की है। उन्होंने कहा कि पहलगाम आतंकी हमले का सैन्य जवाब न केवल देश की सामरिक क्षमता का प्रमाण है। यह केंद्र की ओर से लागू किए गए नए रक्षा सिद्धांत को दर्शाता है। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि ऑपरेशन सिंदूर भारत की अस्मिता, हमारे सशस्त्र बलों की भूमिका और निर्णायक नेतृत्व का एक बहुत ही महत्वपूर्ण उदाहरण है।

थोक महंगाई दर अप्रैल में घटी

नई दिल्ली/लोक प्रेरणा

महंगाई के मोर्चे पर जनता को राहत देने वाली खबर है। खुदरा के बाद थोक महंगाई दर में गिरावट दर्ज हुई है। अप्रैल में थोक महंगाई दर 2.05 फीसदी से घटकर 0.85 फीसदी पर आ गई है। यह 13 महीनों का निचला स्तर है। थोक मूल्य सूचकांक (डब्ल्यूपीआई) पर आधारित थोक महंगाई दर अप्रैल माह में खाद्य वस्तुओं, विनिर्मित उत्पादों और ईंधन की कीमतों में कमी आने की वजह से घटकर 0.85 फीसदी रह गई। रोजाना की जरूरत के सामानों और खाने-पीने की चीजों की कीमतें घटने की वजह से थोक महंगाई दर घटी है।

सेमीकंडक्टर यूनिट को कैबिनेट की मिली मंजूरी

यह यूनिट 3706 करोड़ रुपए में यूपी के जेवर में लगाई जाएगी

नई दिल्ली/लोक प्रेरणा

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में प्रधानमंत्री आवास में हुई कैबिनेट बैठक में देश की छठी सेमीकंडक्टर यूनिट को मंजूरी दे दी गई है। यह यूनिट 3706 करोड़ रुपए में उत्तर प्रदेश के जेवर में लगाई जाएगी। एचसीएल और फॉक्सकॉन मिलकर इस यूनिट को बनाएंगे। प्लांट में मोबाइल फोन, लैपटॉप, ऑटोमाबाइल्स, पर्सनल कम्प्यूटर, और दूसरे डिस्प्ले डिवाइसेज के लिए डिस्प्ले ड्राइवर चिप्स बनेंगे। हर महीने 3.6 करोड़ चिप बनेंगी। इंडिया सेमीकंडक्टर मिशन 2022 में लॉन्च किया गया था। इसके तहत अब तक 6 प्रोजेक्ट्स अप्रूव किए गए हैं। निर्माण कार्य तेजी से चल रहा है। 270 शैक्षणिक संस्थानों और 70 स्टार्टअप्स के छात्र लेटेस्ट टूल्स के जरिए सेमीकंडक्टर टेक्नोलॉजी सीख रहे हैं। 30 अप्रैल को हुई थी पिछली कैबिनेट बैठक इससे पहले 30 अप्रैल को हुई कैबिनेट मीटिंग में जातीय जनगणना का फैसला हुआ था। इसे मूल जनगणना के साथ ही कराया जाएगा। जाति जनगणना के ऐलान के बाद राहुल गांधी ने कहा था- आखिरकार सरकार ने जाति जनगणना की बात कह दी है। हम इसे सपोर्ट करते हैं, लेकिन सरकार को इसकी समय सीमा बतानी होगी। हमने तेलंगाना में कास्ट सेंसस कराया, इसे मॉडल बनाया जा सकता है। हमें कास्ट सेंसस से आगे जाना है। किस जाति की ऊंचे पदों में कितनी हिस्सेदारी है, ये पता करनी है। मनमोहन सिंह सरकार के दौरान 2011 में सामाजिक-आर्थिक और जातिगत जनगणना करवाई गई थी। इसे ग्रामीण विकास मंत्रालय, शहरी विकास मंत्रालय और गृह मंत्रालय ने करवाया था। हालांकि इस सर्वेक्षण के आंकड़े कभी भी सार्वजनिक नहीं किए गए। ग्रामीण विकास मंत्रालय की वेबसाइट पर इसके एससी-एसटी हाउसहोल्ड के आंकड़े ही जारी किए गए हैं।

शाह ने कहा था- जनगणना 2025 में हो सकती है

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने अगस्त 2024 में कहा था कि जनगणना "उचित समय" पर होगी, और यह 2025 में शुरू हो सकती है, जिसमें डेटा 2026 तक प्रकाशित हो सकता है।

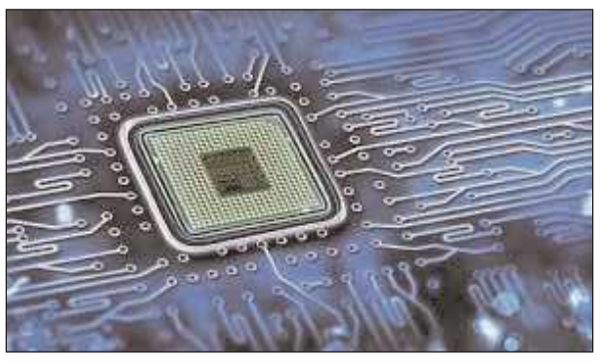

सेमीकंडक्टर का सुपर हब बन रहा यूपी

लखनऊ/लोक प्रेरणा

उत्तर प्रदेश को उन्नत प्रदेश के रूप में ट्रांसफॉर्म कर रही डबल इंजन सरकार ने ऐतिहासिक कदम उठाते हुए राज्य के एक ट्रिलियन डॉलर की इकॉनमी बनाने की दिशा में मील का पत्थर रखा है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता में आयोजित कैबिनेट बैठक में उत्तर प्रदेश के ग्रेटर नोएडा में सेमीकंडक्टर यूनिट की स्थापना को स्वीकृति दी गई। डबल इंजन की सरकार द्वारा देश में सेमीकंडक्टर मिशन के अंतर्गत छठी इकाई के तौर पर इस प्रोजेक्ट को स्वीकृत किया गया है। परियोजना के अंतर्गत ग्रेटर नोएडा में जेवर एयरपोर्ट के समीप दो दिग्गज प्रौद्योगिकी कंपनियों के संयुक्त उपक्रम के तौर पर 3700 करोड़ रुपए के निवेश से यूनिट को स्थापित किया जाएगा। यह सेमीकंडक्टर सेक्टर में उत्तर प्रदेश को सुपर हब के तौर पर स्थापित करने की दिशा में बड़ा कदम सिद्ध होगा।

सीएम योगी ने जताया प्रधानमंत्री का आभार

लखनऊ/लोक प्रेरणा

उत्तर प्रदेश को उन्नत प्रदेश के रूप में ट्रांसफॉर्म कर रही डबल इंजन सरकार ने ऐतिहासिक कदम उठाते हुए राज्य के एक ट्रिलियन डॉलर की इकॉनमी बनाने की दिशा में मील का पत्थर रखा है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता में आयोजित कैबिनेट बैठक में उत्तर प्रदेश के ग्रेटर नोएडा में सेमीकंडक्टर यूनिट की स्थापना को स्वीकृति दी गई। डबल इंजन की सरकार द्वारा देश में सेमीकंडक्टर मिशन के अंतर्गत छठी इकाई के तौर पर इस प्रोजेक्ट को स्वीकृत किया गया है। परियोजना के अंतर्गत ग्रेटर नोएडा में जेवर एयरपोर्ट के समीप दो दिग्गज प्रौद्योगिकी कंपनियों के संयुक्त उपक्रम के तौर पर 3700 करोड़ रुपए के निवेश से यूनिट को स्थापित किया जाएगा। यह सेमीकंडक्टर सेक्टर में उत्तर प्रदेश को सुपर हब के तौर पर स्थापित करने की दिशा में बड़ा कदम सिद्ध होगा। मोदी कैबिनेट के इस फैसले पर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने प्रसन्नता व्यक्त करते हुए आभार जताया। सोशल मीडिया प्लैटफॉर्म ऐक्स पर उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का धन्यवाद किया तथा इस निर्णय को आत्मनिर्भर भारत की दिशा में ऐतिहासिक कदम करार दिया।

ऑपरेशन सिंदूर में दिखा स्वदेशी हथियारों का दम

नई दिल्ली/लोक प्रेरणा

पहलगाम हमले के बाद पाकिस्तान प्रायोजित आतंकवाद को खत्म करने के लिए चलाये गए ऑपरेशन सिंदूर में भारत ने स्वदेशी हथियारों का दम दिखाया है। भारतीय वायुसेना ने पाकिस्तान को चीन से आपूर्ति की गई वायु रक्षा प्रणालियों को जाम करके महज 23 मिनट में मिशन पूरा किया, जिससे भारत की बढ़ती स्वदेशी तकनीक का प्रदर्शन हुआ। नियंत्रण रेखा या अंतरराष्ट्रीय सीमा को पार किए बिना भारतीय सेना ने सटीक और रणनीतिक तौर पर आतंकवादी ढांचे पर हमला करके कई खतरों को खत्म कर दिया। इस दौरान ड्रोन युद्ध, लेयर्ड एयर डिफेंस या इलेक्ट्रॉनिक युद्ध में तकनीकी आत्मनिर्भरता भारत के लिए मील का पत्थर साबित हुई है। पाकिस्तान ने 07-08 मई की रात को ड्रोन और मिसाइलों का उपयोग करके अवंतीपुरा, श्रीनगर, जम्मू, पठानकोट, अमृतसर, कपूरथला, जालंधर, लुधियाना, आदमपुर, बठिंडा, चंडीगढ़, नल, फलोदी, उत्तरलाई और भुज सहित उत्तरी और पश्चिमी भारत में कई सैन्य ठिकानों पर हमला करने का प्रयास किया। जवाब में भारत के एकीकृत काउंटर यूएएस (मानव रहित हवाई प्रणाली) ग्रिड और वायु रक्षा प्रणालियों ने निष्प्रभावी कर दिया।भारतीय सशस्त्र बलों ने 8 मई की सुबह पाकिस्तान के कई स्थानों पर वायु रक्षा रडार और प्रणालियों को निशाना बनाया। लाहौर में एक वायु रक्षा प्रणाली को निष्क्रिय कर दिया गया। ऑपरेशन सिंदूर के दौरान आकाश जैसी स्वदेशी प्रणाली ने शानदार प्रदर्शन किया।

जय हिन्द सभाओं के जरिए कांग्रेस पीएम से पूछेगी सवाल

नई दिल्ली

कांग्रेस पार्टी ने लोकतांत्रिक जवाबदेही को लेकर देश के 10 से 15 शहरों में जय हिन्द सभायें और रैलियां निकालने की घोषणा की है। इन सभाओं और रैलियों में वरिष्ठ कांग्रेस नेता भाग लेंगे और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से पाकिस्तान के साथ सीजफायर और अन्य मुद्दों पर सीधे सवाल पूछेंगे। इसी संबंध में 16 मई को राहुल गांधी दिल्ली में प्रेस कॉन्फ्रेंस के माध्यम से भी सवाल उठाएंगे।

पाकिस्तान ने बीएसएफ के अगवा जवान को छोड़ा

नई दिल्ली/लोक प्रेरणा

पाकिस्तान की कैद से 20 दिन बाद कांस्टेबल पूर्णम कुमार शॉ की रिहाई का राजनीतिक दलों ने स्वागत किया है। भारतीय जनता पार्टी ने विशेष रूप से इसके लिए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का आभार जताया है। पाकिस्तान सरकार ने बुधवार को भारत के सीमा सुरक्षा बल के कांस्टेबल पूर्णम कुमार शॉ को वापस भारत भेज दिया। बीएसएफ कांस्टेबल 23 अप्रैल को अपनी ड्यूटी के दौरान गलती से सीमा पार कर गये थे और अबतक पाकिस्तानी रेंजर्स की हिरासत में थे।

यूपी के चिड़ियाघरों में बर्ड फ्लू को लेकर हाई अलर्ट

लखनऊ/लोक प्रेरणा

उत्तर प्रदेश के सभी प्राणी उद्यानों (चिड़ियाघर) और सफारी पार्कों में बर्ड फ्लू (एवियन इन्फ्लूएंजा) के बढ़ते खतरे को देखते हुए हाई अलर्ट जारी किया गया है। वन्य जीव विभाग ने स्वास्थय सुरक्षा मानकों का कड़ाई से पालन करते हुए प्रदेश के सभी प्राणी उद्यानों को एक सप्ताह के लिए बंद कर दिया है। इस संबंध में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने स्पष्ट निर्देश दिए हैं कि चिड़ियाघरों और सफारी पार्कों में संरक्षित सभी जीव-जंतुओं की सुरक्षा सुनिश्चित की जाए। केंद्रीय चिड़ियाघर प्राधिकरण की ओर से देश के प्रमुख वन्य जीव संस्थानों के वेटनरी डॉक्टरों और पैथोलॉजिस्ट की 5 सदस्यी टीम जल्द ही गोरखपुर के शहीद अशफाक उल्लाह खां प्राणी उद्यान में भेजी जा रही है। जो प्राणी उद्यान के जानवरों में महामारी बर्ड फ्लू की चिकत्सकीय जांच कर 15 दिन के भीतर रिपोर्ट पेश करेगी। जिसके दिशा-निर्देशों के मुताबिक ही आने वाले दिनों में प्राणी उद्यानों में जानवरों का रख रखाव तय किया जाएगा। शहीद अशफाक उल्लाह खां प्राणी उद्यान, गोरखपुर में महामारी बर्ड फ्लू की पुष्टि होने के बाद त्वरित कार्यवाई करते हुए, वन्य जीव विभाग ने प्रदेश के सभी चिड़ियाघरों और इटावा की लॉयन सफारी को पर्यटकों के लिये बन्द कर दिया है। साथ ही वन्य जीवों की स्वास्थ्य सुरक्षा के सभी मानकों का कड़ाई से पालन किया जा रहा है।

हेयर ट्रांसप्लांट के बाद एक और इंजीनियर की मौत

कानपुर/लोक प्रेरणा

उत्तर प्रदेश के कानपुर में हेयर ट्रांसप्लांट कराने पर एक इंजीनियर की मौत हो गई। इंजीनियर के परिजनों ने बुधवार को डाक्टर के खिलाफ मुकदमा कायम कराने के लिए डीसीपी पश्चिम दिनेश त्रिपाठी से मुलाकात की। उन्होंने महिला डाक्टर पर गलत इलाज करने का आरोप लगाया। साथ ही साक्ष्य भी डीसीपी को सौंपे, जिस पर उन्होंने मुख्य चिकित्साधिकारी को जांचके आदेश दिए हैं। फरुर्खाबाद निवासी इंजीनियर मयंक कटियार की मां प्रमोदिनी ने उपायुक्त (डीसीपी) को बताया कि बेटे ने बीते साल 18 नवंबर को कानपुर के कल्याणपुर निवासी एक महिला डाक्टर से हेयर प्लांट कराए। आरोप है कि हेयर प्लांट कराने के बाद से ही इंजीनियर के सिर में दर्द शुरू हो गया और चेहरे पर सूजन बढ़ने लगी। जब डॉक्टर से संपर्क किया तो कहा कि सब ठीक है, चिंता की कोई बात नहीं है। लेकिन जब हालत ज्यादा बिगड़ी तो डॉक्टर ने कार्डियोलॉजिस्ट को दिखाने की सलाह दी। 19 नवम्बर-24 की सुबह मयंक की मौत हो गई। परिजनों का आरोप है कि डॉक्टर ने न केवल गलत इलाज किया था, बल्कि मौत के बाद उनका नंबर भी ब्लॉक कर दिया।

52वें चीफ जस्टिस बने बीआर गवई, राष्ट्रपति ने दिलाई शपथ

नई दिल्ली/लोक प्रेरणा

सुप्रीम कोर्ट के 52वें चीफ जस्टिस (सीजेआई) के रूप में जस्टिस भूषण रामकृष्ण गवई (बीआर गवई) ने आज सुबह शपथ ले ली। राष्ट्रपति भवन में आयोजित भव्य समारोह में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने उन्हें शपथ दिलाई। जस्टिस गवई देश के पहले बौद्ध सीजेआई और आजादी के बाद इस पद पर पहुंचने वाले दलित समुदाय से दूसरे सीजीआई हैं। सुप्रीम कोर्ट के चीफ जस्टिस के रूप में उनका कार्यकाल छह महीने होगा। राष्ट्रपति भवन में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, उप राष्ट्रपति जगदीप धनखड़, पूर्व राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद और अन्य गणमान्य व्यक्तियों का अभिवादन किया।

सेना प्रमुखों ने राष्ट्रपति से मुलाकात कर ऑपरेशन सिंदूर की दी जानकारी।

नक्सल विरोधी अभियान में 31 माओवादी मारे गए

नई दिल्ली/लोक प्रेरणा

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने बुधवार को कहा कि सुरक्षा बलों ने छत्तीसगढ़-तेलंगाना सीमा पर 21 दिनों के अभियान के दौरान 31 माओवादियों को मार गिराया है। उन्होंने इसे नक्सल मुक्त भारत के मिशन में एक ऐतिहासिक सफलता बताते हुए कहा कि अब तक का सबसे बड़ा नक्सल विरोधी अभियान कुरार्गुट्टालू पहाड़ी पर चलाया गया। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने एक्स पर पोस्ट किया, नक्सल मुक्त भारत के संकल्प में एक ऐतिहासिक सफलता प्राप्त करते हुए सुरक्षा बलों ने नक्सलवाद के विरुद्ध अब तक के सबसे बड़े ऑपरेशन में छत्तीसगढ़-तेलंगाना सीमा के कुर्रगुट्टालू पहाड़ (केजीएच) पर 31 कुख्यात नक्सलियों को मार गिराया। उन्होंने कहा, जिस पहाड़ पर कभी लाल आतंक का राज था, वहां आज शान से तिरंगा लहरा रहा है। कुर्रगुट्टालू पहाड़ पीएलजीए बटालियन 1, डीकेएसजेडसी, टीएससी और सीआरसी जैसी बड़ी नक्सल संस्थाओं का एकीकृत मुख्यालय था, जहां नक्सल ट्रेनिंग के साथ-साथ रणनीति और हथियार भी बनाए जाते थे। शाह ने कहा, इस सबसे बड़े नक्सल विरोधी अभियान को हमारे सुरक्षा बलों ने मात्र 21 दिनों में पूरा किया और मुझे अत्यंत हर्ष है कि इस ऑपरेशन में सुरक्षा बलों में एक भी कैजुअल्टी नहीं हुई। खराब मौसम और दुर्गम पहाड़ी क्षेत्र में अपनी बहादुरी और शौर्य से नक्सलियों का सामना करने वाले हमारे सीआरपीएफ, एसटीएफ और डीआरजी के जवानों को बधाई देता हूं। पूरे देश को आप पर गर्व है। उन्होंने कहा, ह्णप्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में हम नक्सलवाद को जड़ से मिटाने के लिए संकल्पित हैं। मैं देशवासियों को पुनः विश्वास दिलाता हूं कि 31 मार्च 2026 तक भारत का नक्सलमुक्त होना तय है।

2026 तक कर देंगे नक्सलवाद का सफाया

नई दिल्ली/लोक प्रेरणा

केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) के महानिदेशक जीपी सिंह ने नक्सलवाद के पूरी तरह से खात्मे की बात पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि नक्सलवाद को जड़ से खत्म करने के लिए सुरक्षा बल लगातार अभियान चला रहे हैं। साख बी उन्होंने 2026 तक नक्सलवाद के खात्मे की बात पर जोर देते हुए एलान किया है कि 31 मार्च 2026 तक देश से नक्सलवाद को पूरी तरह खत्म कर देने का लक्ष्य तय किया गया है।

तुर्किये और अजरबैजान के लिए टिकट बुकिंग में 60 फीसदी कमी

नई दिल्ली/लोक प्रेरणा

बाद पाकिस्तान को खुला समर्थन देने वाले तुर्किये और अजरबैजान का हुक्का-पानी बंद करना शुरू कर दिया है। जिन भारतीयों ने इन देशों की यात्रा के लिए बुक किए थे, उन्होंने अपने टिकट रद्द करने शुरू कर दिए हैं।

तुर्किये-अजरबैजान के लिए भारतीय यात्रियों में कम उत्साहः मेक माय ट्रिप

मेक माय ट्रिप के प्रवक्ता ने बताया कि बीते एक हफ्ते में भारतीय यात्रियो ने इन देशों के लिए काफी कम उत्साह दिखाया है। अजरबैजान और तुर्किये के लिए बुकिंग में 60 फीसदी की कमी आई है, जबकि इसी अवधि के दौरान टिकट के रद्द होने में 250 फीसदी उछाल आया है।

प्रवक्ता ने कहा, अपने देश के साथ एकजुटता और अपने सशस्त्र बलों के प्रति गहरे सम्मान के कारण हम इस भावना का मजबूती से समर्थन करते हैं।

पूर्व रक्षा सचिव यूपीएससी के नए अध्यक्ष नियुक्त

नई दिल्ली/लोक प्रेरणा

पूर्व रक्षा सचिव डॉ. अजय कुमार को संघ लोक सेवा आयोग (यूपीएससी) का नया अध्यक्ष नियुक्त किया गया है। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने उनकी नियुक्ति को मंजूरी दे दी है। केरल कैडर के 1985 बैच के सेवानिवृत्त भारतीय प्रशासनिक सेवा (आईएएस) अधिकारी अजय कुमार ने पूर्व केंद्रीय स्वास्थ्य सचिव और 1983 बैच की आईएएस अधिकारी प्रीति सूदन का स्थान लिया है। सूदन का कार्यकाल 29 अप्रैल को समाप्त हो गया था। राष्ट्रपति भारत के संविधान के अनुच्छेद 316(1) के तहत डॉ. अजय कुमार को संघ लोक सेवा आयोग (यूपीएससी) के अध्यक्ष के रूप में नियुक्त करती हैं।

महिलाएं सेना की कानूनी शाखा में क्यों नहीं जा सकतीं?: कोर्ट

नई दिल्ली/लोक प्रेरणा

सुप्रीम कोर्ट ने सवाल किया है कि अगर महिलाएं भारतीय वायुसेना में राफेल लड़ाकू विमान उड़ा सकती हैं तो फिर वे सेना की कानूनी शाखा में शीर्ष पदों पर क्यों नियुक्त नहीं हो सकतीं? सुप्रीम कोर्ट ने इसे लेकर केंद्र सरकार से जवाब मांगा है। जस्टिस दीपांकर दत्ता और जस्टिस मनमोहन की पीठ ने 8 मई को अपना फैसला सुरक्षित रख लिया है और केंद्र सरकार के जवाब के बाद पीठ अपना फैसला सुना सकती है। पीठ ने दो महिला अधिकारियों अर्शनूर कौर और आस्था त्यागी की याचिका पर फैसला सुरक्षित करते हुए यह टिप्पणी की।

पीठ ने दिए नियुक्ति करने के निर्देश

याचिकाकताओं ने बताया कि जज एडवोकेट जनरल की परीक्षा में उनकी चौथी और पांचवीं रैंक आई थी, इसके बावजूद उनसे कम रैंकिंग वाले पुरुष अधिकारियों की नियुक्ति की गई। याचिका में कहा गया है कि विभाग में सिर्फ छह पद निकले थे, जिनमें से महिलाओं के लिए तीन ही रिक्तियां थीं। सुनवाई के बाद जस्टिस दत्ता ने अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल एश्वर्या भाटी से पूछा कि 'अगर भारतीय वायुसेना में महिलाएं लड़ाकू विमान राफेल उड़ा सकती हैं तो फिर सेना की जज एडवोकेट जनरल पदों पर ज्यादा महिलाओं को शामिल करना क्यों मुश्किल है?'

मुस्लिम छात्र की शिक्षा का खर्च उठाने का दिया निर्देश

नई दिल्लीः सुप्रीम कोर्ट ने उत्तर प्रदेश सरकार को निर्देश दिया है कि मुजफ्फरनगर के एक स्कूल में वर्ष 2023 में पीटे गए मुस्लिम छात्र की स्कूल की पढ़ाई का खर्च वहन करे। राज्य सरकार चाहे तो संबंधित स्कूल को खर्च वहन करने के लिए कह सकती है।

विदेशी आक्रांताओं के कालखंड में जिस साहस, भक्ति और समर्पण से काशी से लेकर रामेश्वरम् तक तीर्थस्थलों का पुनरुद्धार कराया

नारीशक्ति की प्रतीक थीं लोकमाता अहिल्याबाई होल्करः सीएम योगी

लखनऊ/लोक प्रेरणा

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने लोकमाता अहिल्याबाई होल्कर को धर्म, न्याय और राष्ट्रधर्म का सजीव स्वरूप बताते हुए कहा कि वे भारतीय सनातन संस्कृति की पुनर्स्थापना की अग्रदूत थीं। उन्होंने विदेशी आक्रांताओं के कालखंड में जिस साहस, भक्ति और समर्पण से काशी से लेकर रामेश्वरम् तक तीर्थस्थलों का पुनरुद्धार कराया, वह भारतीय इतिहास का अद्वितीय अध्याय है। लोकमाता अहिल्याबाई होल्कर की जन्म त्रिशताब्दी के अवसर पर राजधानी लखनऊ स्थित इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान में आयोजित समारोह में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि अहिल्याबाई ने धर्म रक्षति रक्षितः के वैदिक उद्घोष को न केवल जिया, बल्कि उसे मूर्त रूप भी दिया। जब देश विदेशी आक्रांताओं से त्रस्त था, मंदिर विध्वंस किए जा रहे थे, तब अहिल्याबाई ने बिना भय के, बिना किसी राजनीतिक समर्थन के, उत्तर से दक्षिण और पूर्व से पश्चिम तक सनातन धर्म की पुनर्स्थापना का विराट कार्य अपने हाथों में लिया था, आज हमें उनके जीवन से सद्प्रेरणा लेकर देश और सनातन संस्कृति के गौरव की पुनर्स्थापना के लिए पूरे मनोयोग से समर्पित हो जाना चाहिए।

भारतीय नारीशक्ति की प्रतीक थीं लोकमाता अहिल्याबाई होल्कर

योगी आदित्यनाथ ने लोकमाता अहिल्याबाई को भारतीय नारीशक्ति की प्रतीक बताते हुए कहा कि उन्होंने न केवल राजनैतिक प्रशासन को धर्म-संगत और प्रजा-हितकारी बनाया, बल्कि सामाजिक न्याय और महिला सशक्तिकरण के क्षेत्र में भी अनुकरणीय उदाहरण प्रस्तुत किए। उनकी प्रशासनिक दूरदृष्टि और साधु-संतों के प्रति श्रद्धा के साथ सेवा-भाव आज भी प्रेरणा का स्रोत है।

अहिल्याबाई ने अपनी प्रशासनिक क्षमता और दूरदर्शिता से माहिष्मति में साड़ी उद्योग को बढ़ावा देकर महिलाओं को आत्मनिर्भर और स्वावलंबी बनाने का कार्य किया। साथ ही उन्होंने विधवा पुनर्विवाह को प्रोत्साहित और बाल विवाह पर रोक लगा कर नारी सशक्तिकरण की दिशा में अनुकरणीय कार्य किया।

लोकमाता अहिल्याबाई होल्कर ने स्वयं घोषणा की थी झ "मेरा पथ धर्म का पथ है, धर्म का पथ ही न्याय का पथ है और न्याय का पथ ही हमें सर्वशक्तिमान और समर्थ बनाने में सहायक हो सकता है।" उनके इस उद्घोष ने ही उनके शासन और जीवन के कार्यों को दिशा दी। मुख्यमंत्री ने कहा कि हमें आज जो भव्य काशी विश्वनाथ मंदिर दिखता है, वह उसी मंदिर का स्वरूप है जिसे अहिल्याबाई होल्कर ने 1777 से 1780 के बीच अपने निजी संसाधनों से बनवाया था।

श्री कृष्ण संग्रहालय में आयोजित होंगे दो दिवसीय शैक्षणिक कार्यक्रम

एकजोत

कुरुक्षेत्र। हर वर्ष 18 मई को अंतर्राष्ट्रीय संग्रहालय दिवस समस्त विश्व में मनाया जाता है। अंतर्राष्ट्रीय संग्रहालय परिषद द्वारा हर वर्ष एक विषय के तहत संग्रहालयों में विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं। इस वर्ष परिषद द्वारा त्वरित गति से बदलते समुदायों में संग्रहालयों का भविष्य थीम दिया गया है जो कि सामाजिक, तकनीकी और पर्यावरणीय परिवर्तनों के संदर्भ में संग्रहालयों की भूमिका को रेखांकित करता है। संग्रहालय के कॉर्डिनेटर राजेन्द्र सिंह राणा ने बताया कि इस अवसर पर श्रीकृष्ण संग्रहालय कुरुक्षेत्र विकास बोर्ड तथा पुरातत्व एवं संग्रहालय विभाग, हरियाणा के संयुक्त तत्वावधान में 17 व 18 मई को दो दिवसीय शैक्षणिक कार्यक्रम श्रीकृष्ण संग्रहालय कुरुक्षेत्र में आयोजित किए किए जा रहे हैं। 17 मई को प्रातः 9:30 बजे से 11:30 बजे तक संग्रहालय में श्रीकृष्ण संग्रहालय की पुरातात्विक विरासत पर एक पोस्टर प्रतियोगिता का आयोजन किया जाएगा जिसमें कक्षा 9वीं से 12वीं तक के छात्र भाग ले सकेंगे। प्रत्येक स्कूल से अधिकतम पाँच छात्रों की सहभागिता की अनुमति है। विजेताओं को उसी दिन मुख्य अतिथि द्वारा सम्मानित किया जाएगा। इस पोस्टर प्रतियोगिता हेतु विद्यार्थियों को अपने स्कूल से अनुमति.पत्र साथ लाना होगा। 18 मई को प्रातः 10 से 11बजे तक आपन क्विज कंपीटीशन, खुली प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता आयोजित की जाएगा। जिसका विषय भारत की मूर्त विरासत होगा जिसमें सभी आयु वर्ग के व्यक्ति एवं स्कूली विद्यार्थी भाग ले सकते हैं। इस प्रतियोगिता के लिए किसी भी प्रकार के पंजीकरण की आवश्यकता नही है। संग्रहालय प्रभारी बलवान सिंह ने बताया कि उपरोक्त कार्यक्रमों के माध्यम से श्रीकृष्ण संग्रहालय का उद्देश्य नागरिकों में भारतीय सांस्कृतिक धरोहरों के प्रति जागरूकता को बढ़ावा देना है।

श्री कृष्ण आयुष विश्वविद्यालय में राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी दिवस पर आयुर्टेक सेमिनार आज

एकजोत

कुरुक्षेत्र। श्री कृष्ण आयुष विश्वविद्यालय में 15 मई को राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी दिवस के अवसर पर आयुर्टेक इनोवेशन इन आयुर्वेदिक टेक्नोलॉजी विषय पर एक राष्ट्रीय सेमिनार का आयोजन किया जाएगा। विश्वविद्यालय प्रशासन ने सभी तैयारियां पूरी कर ली हैं। यह आयोजन आधुनिक तकनीक और पारंपरिक आयुर्वेद के समन्वय को प्रोत्साहित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण प्रयास होगा। इस अवसर पर राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान (एनआईटी) कुरुक्षेत्र के निदेशक प्रो. बी. वी. रमना रेड्डी बतौर मुख्य अतिथि के रूप में शिरकत करेंगे। वहीं, हरियाणा विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग (डीएसटी) से डॉ. राहुल तनेजा और केंद्रीय आयुर्वेद अनुसंधान परिषद (सीसीआरएएस) नई दिल्ली से डॉ.हेमंत पाणिग्रही, डॉ. राकेश नारायण एवं डॉ. बबीता यादव विशेषज्ञ वक्ता के रूप में अपने व्याख्यान प्रस्तुत करेंगे। कार्यक्रम के सफल आयोजन को लेकर आयुर्वेद अध्ययन एवं अनुसंधान संस्थान के प्राचार्य प्रो. वैद्य देवेंद्र खुराना ने आयोजन कमेटी की मीटिंग लेकर जरूरी दिशा-निर्देश दिए।

कुवि कुलसचिव ने किया गर्ल्स हास्टल में देवयानी भवन का निरीक्षण

एकजोत

कुरुक्षेत्र। कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय के कुलसचिव डॉ. वीरेन्द्र पॉल ने बुधवार को कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय के गर्ल्स हास्टल में देवयानी भवन में निरीक्षण किया व हॉस्टल में छात्राओं के साथ बैठकर दोपहर का लंच भी किया। इस अवसर पर उनके साथ चीफ वार्डन प्रो. कुसुमलता तथा वार्डन डॉ. अनीता चौधरी भी मौजूद थे। कुलसचिव डॉ. वीरेन्द्र पॉल ने कहा कि कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. सोमनाथ सचदेवा के निदेशार्नुसार कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय विद्यार्थियों के चहुंमुखी विकास के साथ-साथ उनको हर तरह की सुविधाएं उपलब्ध करवाने के लिए प्रतिबद्ध है। गर्ल्स हॉस्टल में कुलसचिव डॉ. वीरेन्द्र पॉल ने छात्राओं से बातचीत की व खाने की गुणवत्ता की भी जांच की। उन्होंने छात्राओं को हर प्रकार की सुविधाएं उपलब्ध करवाने व किसी भी प्रकार की समस्या आने पर उसके समाधान का आश्वासन दिया।

पीएम श्री राजकीय विद्यालय का 12वीं कक्षा का परीक्षा परिणाम रहा शानदार, कॉमर्स में 100% सफलता

एकजोत

शाहाबाद मारकंडा। पीएम श्री राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय के 12वीं कक्षा के परिणाम में जहां कॉमर्स संकाय का परीक्षा परिणाम शत प्रतिशत रहा, वहीं आर्ट्स संकाय का परिणाम भी 99.07 प्रतिशत के साथ अति उत्कृष्ट श्रेणी में स्थापित हुआ। उधर, 92.68 प्रतिशत के परीक्षा परिणाम के साथ विज्ञान संकाय के विद्यार्थी भी कहीं पीछे नहीं रहे। परीक्षा परिणाम पर तमाम जानकारियां साझा करते हुए पीएम श्री राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय के प्रिंसिपल आचार्य लक्ष्मी प्रसाद शास्त्री ने बताया कि कॉमर्स संकाय में 92 प्रतिशत अंक पाने वाला विद्यालय का छात्र मनप्रीत न केवल अपने संकाय में, अपितु पूरे विद्यालय में अव्वल रहा है। उधर, आर्ट्स संकाय के विशाल व नाजिया 86 प्रतिशत अंकों के साथ प्रथम स्थान पर रहे। मेडिकल में 84.8 प्रतिशत अंक पाकर रिया मेहरा तथा नॉन मेडिकल में 81.4 प्रतिशत अंक पाकर संजना ने अपने-अपने संकाय में प्रथम स्थान प्राप्त किया। प्रिंसिपल ने बताया कि 12वीं के परीक्षा परिणाम में विद्यालय के कुल 42 छात्र- छात्राओं ने मेरिट में स्थान पाया है। प्रिंसिपल लक्ष्मी प्रसाद शास्त्री ने बच्चों को मिठाई खिला कर उन्हें शुभकामनाएं दी। प्रिंसिपल ने कहा कि स्कूल के साथ-साथ अपने मां-बाप का नाम रोशन करने वाले मेधावी बच्चे भविष्य में भी अच्छी शिक्षा ग्रहण कर उच्च पदों पर पहुंचें, यही उनकी मंगल कामना है। इस अवसर पर सुजाता गीता, मुकेश शर्मा, संजय, आंचल, कविता, हरदीप एवं रमेश चंद्र आदि अध्यापक प्राध्यापक मौजूद थे।

कुरुक्षेत्र मॉडल स्कूल के बच्चे छाए

एकजोत

कुरुक्षेत्र। सी.बी.एस.ई. द्वारा घोषित किए गए कक्षा 10 तथा 12 परीक्षा परिणामों के तहत कुरुक्षेत्र मॉडल स्कूल के विद्यार्थियों ने बेहतरीन अंक अर्जित किए। कुरुक्षेत्र मॉडल पब्लिक स्कूल का रिजल्ट 100 प्रतिशत रहा। स्कूल विद्यार्थी आदित ने स्कूल में टॉप किया है और 92 प्रतिशत मार्क्स लिए हैं। इन बच्चों ने अपने माता-पिता के नाम के साथ-साथ स्कूल कुरुक्षेत्र मॉडल पब्लिक स्कूल का नाम रोशन किया है। स्कूल संचालिका निशि गुप्ता ने कहा कि स्कूल स्टाफ और बच्चो की मेहनत रंग लायी बच्चो ने जहाँ अपने अभिवावकों का सर ऊँचा किया वही स्कूल का नाम भी रोशन किया है।

आपरेशन सिंदूर भारतीय सेना के शौर्य, पराक्रम और समर्पण की विजय गाथा: प्रो. सचदेवा

आपरेशन सिंदूर की जीत को लेकर केयू में विद्यार्थियों ने निकाली विजय तिरंगा यात्रा

एकजोत

कुरुक्षेत्र। आप्रेशन सिंदूर भारतीय सेना के शौर्य, साहस, पराक्रम और समर्पण की विजय गाथा है। भारतीय सेनाओं ने वैश्विक मंच पर अपनी ताकत दिखाकर सटीकता व संयम का परिचय दिया। आपरेशन सिंदूर ने न सिर्फ आतंकवाद पर कड़ा प्रहार किया, बल्कि दुनिया को आतंकवाद के खिलाफ सख्त संदेश भी दिया। भारत ने दुनिया को बताया कि आतंक के खिलाफ कहीं भी, कभी भी कार्रवाई होगी। बिना किसी सैन्य ठिकाने और रिहायशी क्षेत्र को निशाना बनाए सिर्फ आतंकी ठिकानों को नष्ट किया। यह विचार कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. सोमनाथ सचदेवा ने बुधवार को छात्र कल्याण अधिष्ठाता विभाग की ओर से राष्ट्र प्रथम के समर्थन में एक अभियान के तहत भारत की आतंकवाद पर जीत के उपलक्ष्य में आयोजित विजय तिरंगा यात्रा को हरी झंडी दिखाकर रवाना करते हुए व्यक्त किए। यह विजय तिरंगा यात्रा कुलपति कार्यालय के प्रांगण से भारत माता की जय, वंदे मातरम जैसे नारों के साथ आरंभ हुई और विश्वविद्यालय के विभिन्न विभागों, शाखाओं, संस्थानों, पुस्तकालय, आईआईएचएस, डीन बिल्डिंग व अन्य कई स्थानों से होकर निकली जिसमें विश्वविद्यालय के शिक्षकों, अधिकारियों, स्वयंसेवकों, विद्यार्थियों व कर्मचारियों ने उत्साहपूर्वक बढ़-चढ़कर भाग लिया। कुलपति प्रो. सोमनाथ सचदेवा ने कहा कि आप्रेशन सिंदूर की ऐतिहासिक सफलता ने भारत के राष्ट्रीय संकल्प, सैनिकों की वीरता और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व की दृढ़ता को विश्व पटल पर स्थापित किया है। यह पूरे देश के लिए गौरव, आत्मसम्मान और वीरता का उत्सव है। यह तिरंगा यात्रा उन वीर सैनिकों को समर्पित है, जिन्होंने दुश्मन को उसकी भाषा में जवाब दिया। उन्होंने कहा कि देश का प्रत्येक नागरिक अपनी सेना के सम्मान में खड़ा है। यह यात्रा देशवासियों में देशभक्ति की भावना को जागृत करेगी और आम जनमानस को यह संदेश देगी कि हमारा राष्ट्र अपने हर नागरिक के सम्मान और सुरक्षा के लिए सतर्क है। विजय तिरंगा यात्रा में कुलसचिव डॉ. वीरेन्द्र पाल, डीन एकेडमिक अफेयर्स प्रो. दिनेश कुमार, डीन आफ कॉलेजिज प्रो. ब्रजेश साहनी, छात्र कल्याण अधिष्ठाता प्रो. ए.आर चौधरी, प्रो. डी.एस. राणा, प्रो. रमेश भारद्वाज, प्रो. संजीव अरोड़ा, प्रो. प्रदीप मित्तल, प्रो. सुनील ढींगरा, प्रो. प्रीति जैन, प्रो. जसबीर ढांडा, प्रो. नीलम ढांडा, प्रो. रीटा, प्रो. कुसुमलता, प्रो. महाबीर रंगा, प्रो. अनिल गुप्ता, प्रो. विवेक चावला, लोक सम्पर्क विभाग के निदेशक प्रो. महासिंह पूनिया, उप-निदेशक डॉ. जिम्मी शर्मा, डॉ. कृष्णा, डॉ. रमेश सिरोही, डॉ. प्रीतम सिंह, डॉ. निरूपमा भट्टी, परीक्षा नियंत्रक डॉ. अकेश्वर प्रकाश, डॉ. राजरतन, डॉ. मीनाक्षी सुहाग, डॉ. नीरज बातिश, डॉ. पूजा, डॉ. राजेश राजौंद, डॉ. रितु सैनी, लेफिट्नेंट डॉ. अजय जांगड़ा, कुलपति के ओएसडी पवन रोहिला, कुंटिया प्रधान राजवंत कौर, महासचिव रवीन्द्र तोमर, सहायक कुलसचिव विनोद वर्मा, डॉ. जितेन्द्र जांगडा सहित शिक्षक, विद्यार्थी व कर्मचारी मौजूद थे।

फोटो परिचय

लेखन कौशल डॉक्यूमेंट्री स्किप्ट राइटिंग की पहली सीढ़ी : डॉ. गोदारा

केयू के जनसंचार संस्थान में डॉक्यूमेंट्री मेकिंग कार्यशाला का सफल आयोजन

एकजोत

कुरुक्षेत्र। कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय कुरुक्षेत्र के कुलपति प्रोफेसर सोमनाथ सचदेवा के कुशल मार्गदर्शन में जनसंचार एवं मीडिया प्रौद्योगिकी संस्थान के मिनी आडिटोरियम में एक दिवसीय डॉक्यूमेंट्री मेकिंग कार्यशाला का आयोजन किया गया। डॉक्यूमेंट्री मेकिंग कार्यशाला में बतौर मुख्य वक्ता के रूप में डॉ. साहिब राम गोदारा, ज्वाइंट डायरेक्टर (प्रेस) आईपीआरएल, हरियाणा ने कहा कि लेखन कौशल डॉक्यूमेंट्री स्किप्ट राइटिंग की पहली सीढ़ी है। इसके लिए आपको बुनियादी बातों की पूरी समझ की आवश्यकता होगी। अपनी स्क्रिप्ट को सही तरीके से कैसे प्रारूपित और संरचित किया जाए। विद्यार्थियों को अपनी लेखनी पर अधिक जोर देना होगा क्योंकि लेखनी जितनी मजबूत होगी, उतनी ही आपकी सफलता मजबूत होगी। उन्होंने कहा कि विद्यार्थियों को इसके लिए निरंतर लिखते रहना चाहिए, ताकि लेखन कौशल में महारत हासिल हो सके। उन्होंने विद्यार्थियों को अपने विभाग में बतौर कंटेट राईटर, स्पीच राइटर की नियुक्तियों के लिए निकले अवसरों प्राप्त कर लाभान्वित होने के लिए आमंत्रित किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे जनसंचार एवं मीडिया प्रौद्योगिकी संस्थान के निदेशक प्रोफेसर महा सिंह पूनिया ने मुख्य वक्ताओं का स्वागत करते हुए कहा कि स्क्रिप्ट लेखन कौशल डॉक्यूमेंट्री के लिए प्रभावी होता है। स्क्रिप्ट लेखन की परिभाषा में केवल कहानी सुनाना ही नहीं, बल्कि फॉर्मेटिंग भी शामिल है, क्योंकि स्क्रीन पर खुद को प्रभावी ढंग से व्यक्त करने के लिए, विशेष तरीकों की आवश्यकता होती है। उन्होंने कहा कि संस्थान मुख्य वक्ताओं का विशेष आभारी हैं, जिन्होंने अपने बेहद व्यस्त समय में से राज्य के विभिन्न कॉलेजों एवं यूनिवर्सिटी के विद्यार्थियों द्वारा बनाई गई डॉक्यूमेंट्री मेंकिग कार्य का ज्यूरी के रूप में निरीक्षण किया है। इसके साथ उन्होंने संस्थान के समस्त विद्यार्थियों को अपने अथाह कार्य अनुभव को विद्यार्थियों के साथ साझा करते हुए उनके सपनों को साकार रूप देने के लिए अपने विभागों विभिन्न पदों पर आमंत्रित नौकरियों का लाभ लेने के लिए उत्साहित किया। सूचना एवं जनसंपर्क विभाग, हरियाणा के ज्वाइंट डायरेक्टर, नीरज ने मुख्य वक्ता के रूप में कहा कि फिल्म शूटिंग और एडिटिंग के क्षेत्र में रोजगार की अपार संभावनाएं हैं। हरियाणा में प्रतिभाओं की कमी नहीं हैं, युवाओं की प्रतिभा को कैसे उजागर किया जाए, इस दिशा में कार्य करने की जरूरत है।

सीबीएसई परिणाम में छाए नालंदा स्कूल के छात्र, अन्नु ने हासिल किए 97 प्रतिशत अंक

लोक प्रेरणा

सतनाली। गत दिवस सीबीएसई द्वारा घोषित किए गए सीनियर सेकेंडरी के परीक्षा परिणाम में खंड के गांव डालनवास स्थित नालंदा विद्या निकेतन वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय के विद्यार्थियों ने शत प्रतिशत परिणाम देकर एक बार फिर से विद्यालय की उत्कृष्टता साबित की हैं। जानकारी देते हुए विद्यालय के चेयरमैन विक्रम सिंह लांबा ने बताया कि विद्यालय की कला संकाय की छात्रा अन्नु ने प्रथम स्थान प्राप्त करते हुए 97 प्रतिशत अंक हासिल किए जबकि छात्रा रीतिका ने 95.8 प्रतिशत अंक हासिल किए। इसी प्रकार विज्ञान संकाय के छात्र अमन ने 95.8% अंक लेकर विद्यालय का नाम रोशन किया है। उन्होंने बताया कि विद्यालय के 22 विद्यार्थियों ने 90 प्रतिशत से अधिक अंक प्राप्त कर कामयाबी का परचम लहराया है। वहीं मैट्रिक के परीक्षा परिणाम में भी विद्यालय के विद्यार्थियों ने अपनी श्रेष्ठता साबित करते हुए शत प्रतिशत परिणाम दिया हैं विद्यालय की छात्रा उपासना व अंजली ने उत्कृष्ट परिणाम दिया है। विद्यालय के संचालक जयसिंह फौगाट व प्रबंधक महाबीर सिंह लांबा ने परीक्षा-परिणाम की प्रशंसा करते हुए सभी बच्चों व अध्यापकों के परिश्रम को एक विशेष उपलब्धि बताया। उन्होंने कहा कि ग्रामीण व पिछड़े क्षेत्र के सामान्य परिवारों से जुड़े बच्चों द्वारा दिया गया यह परिणाम उत्कृष्ट रहा। विद्यालय के चेयरमैन विक्रम सिंह लांबा ने बताया कि विद्यालय का परीक्षा परिणाम साल दर साल बढता जा रहा है जो विद्यालय के लिए खुशी की बात है। उन्होंने इस उत्कृष्ट परिणाम पर विद्यार्थियों व अध्यापकों की भूरि-भूरि प्रशंसा की व उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। इस अवसर पर विद्यालय के अजीत शेखावत, रमेश बडराई, प्रविद्र भालोठिया, दीपक यादव, सरिता राठौड़, तीर्थ शेखावत, सन्दीप वर्मा, सुनीता लाम्बा, सुरजीत बेदी व विद्यालय का समस्त स्टाफ उपस्थित था।

महर्षि दयानंद पब्लिक स्कूल ने मातृ दिवस धूमधाम से मनाया

बिंदी लगाओ और गुब्बारा फोड़ो प्रतियोगिता फूटे हंसी के फब्बारे

अमूल्या

चंडीगढ़। महर्षि दयानंद पब्लिक स्कूल, एमडीएवी भवन दरिया, चंडीगढ़ ने श्रीमती सकिंद्रा देवी मेमोरियल मल्टीमीडिया हाल में मातृ दिवस धूमधाम से मनाया। नर्सरी से सेकंड क्लास के स्टूडेंट की मदर्स को स्कूल में आमंत्रित किया गया। कार्यक्रम को मनोरंजन एवं महत्वपूर्ण बनाने के लिए फन गेम्स का भी प्रबंध किया गया। बिंदी लगाओ प्रतियोगिता के अंतर्गत माताओं को एक दिए गए चित्र पर बिंदी लगाने के लिए स्टेज पर बुलाया गया। माहौल काफी खुशनुमा था। उनके आंखों पर चुनरी बांधी गई और दिए गए चित्र पर माथे पर बिंदी लगाने को कहा। यह प्रतियोगिता मनोरंजन होने के साथ-साथ सबके चेहरों पर मुस्कान लाने वाली थी। चुनरी बंधी होने के कारण बिंदी को सही स्थान पर लगाना मुश्किल कार्य था। उचित जगह पर बिंदी लगाने के लिए शायदा को विद्यालय की ओर से पुरस्कृत किया गया। गुब्बारा फोड़ो प्रतियोगिता में भी हंसी के फब्बारे फूट रहे थे। इस प्रतियोगिता के अंतर्गत अपने बैलून को बचाना और दूसरे के बैलून को फोड़ना था। इस प्रतियोगिता ने हर किसी को आकर्षित किया। बैलून फोड़ने की अंतिम दौर में ज्योति को प्रथम स्थान मिला। उन्हें भी विद्यालय की ओर से सम्मानित किया गया। बच्चों ने अपनी मदर्स के लिए गीत गाये और मनमोहक नृत्य की प्रस्तुति दी। कार्यक्रम के समापन पर सभी को रिफ्रेशमेंट भी दी गई।

यूएसएफ कुरुक्षेत्र की शालीनियों को उत्कर्ष प्रदर्शन पर किया सम्मानित

एकजोत

कुरुक्षेत्र। यूएसएफ कुरुक्षेत्र केंद्र में बैच-18 की एचबीएसई 12वीं कक्षा के उत्कृष्ट परिणामों का उल्लासपूर्वक उत्सव मनाया गया। इस वर्ष कुल 30 शालिनियों में से 29 ने शानदार प्रदर्शन किया, जिनमें 19 शालिनियों ने 80% से अधिक अंक प्राप्त किए। तीनों संकायों में शालिनियों ने उल्लेखनीय उपलब्धि हासिल की। आर्ट्स स्ट्रीम से शिवानी ने 93% अंक प्राप्त कर शीर्ष स्थान प्राप्त किया, साइंस स्ट्रीम से पलक चहल ने 93.2% अंक अर्जित किए और कॉमर्स स्ट्रीम से नैन्सी ने 92.8% अंकों के साथ संकाय में सर्वोच्च स्थान प्राप्त किया। सलोनी ने गृह विज्ञान में 100 प्रतिशत अंक प्राप्त किए व विद्यालय में तृतीय पोजीशन प्राप्त की। एक शालिनी पारिवारिक परिस्थितियों के चलते परीक्षा में सम्मिलित नहीं हो सकी, लेकिन संस्था द्वारा उन्हें भविष्य में हरसंभव सहायता देने का आश्वासन दिया गया है। इस अवसर पर सभी शालिनी यूएसएफ केंद्र में एकत्रित हुईं, जहाँ संयोजिका डॉ. सुषमा शर्मा और सह-संयोजक डॉ. राम निवास ने शालिनियों को उनकी इस शानदार उपलब्धि पर हार्दिक बधाई दी। उन्होंने सभी विद्यार्थियों का उत्साहवर्धन करते हुए उन्हें आगे की पढ़ाई और करियर संबंधी दिशा में मार्गदर्शन भी प्रदान किया। इस उपलब्धि के उपलक्ष्य में मिठाइयाँ वितरित की गईं और सभी ने मिलकर इस सफलता का जश्न मनाया। यूएसएफ कुरुक्षेत्र की ओर से सभी शालिनियों को प्रशंसा स्वरूप पानी की बोतलें भेंट की गईं। संस्था ने सभी को उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएँ दीं और यह भी आश्वासन दिया कि भविष्य में भी उन्हें करियर के हर मोड़ पर उचित मार्गदर्शन और समर्थन प्रदान किया जाएगा।

भाविप सदस्यों ने हरियाणा कुष्ठ आश्रम में दिया मूलभूत जरूरत का सामान

एकजोत

शाहाबाद मारकंडा। भारत विकास परिषद शाहाबाद शाखा द्वारा मानवता की सेवा में एक और सराहनीय कदम उठाते हुए हरियाणा कुष्ठ आश्रम, अंबाला कैंट में टी-शर्ट, टूथब्रश और टूथपेस्ट का वितरण किया गया। यह सेवा कार्य आश्रम में रह रहे जरूरतमंद व्यक्तियों की मूलभूत आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए किया गया। इस अवसर पर शाखा अध्यक्ष दीपक गुप्ता, सचिव डॉ. कंवल गाबा, वित्त सचिव हेमंत बंसल, डॉ. परमजीत पाहवा, प्रो. अमरनाथ शर्मा, प्रो. सुभाष ढींगरा, प्रो. हरपाल सैणी, यशपाल सिंगला, संजीव सिंगला, राज कुमार कथूरिया और गुरचरण सिंगला सहित अनेक गणमान्य सदस्य उपस्थित रहे। सभी उपस्थित सदस्यों ने मिलकर न केवल सामग्री का वितरण किया, बल्कि आश्रम वासियों से संवाद कर उनका हाल-चाल भी जाना और उन्हें आत्मीयता का अनुभव कराया। शाखा सचिव डॉ. कंवल गाबा ने जानकारी देते हुए बताया कि परिषद का उद्देश्य केवल सामाजिक सेवा नहीं, बल्कि समाज के उपेक्षित वर्गों के साथ आत्मीयता का संबंध जोड़ना भी है। कार्यक्रम के समापन पर सभी सदस्यों ने मिलकर सेवा कार्यों को निरंतर जारी रखने का संकल्प लिया और आश्रम प्रबंधन ने भी परिषद के प्रति आभार व्यक्त किया।

बिजली लोक अदालत में 40 उपभोक्ताओं की समस्याओं पर हुई सुनवाई

लोक प्रेरणा

भिवानी। ऊर्जा मंत्री अनिल विज के निदेर्शानुसार स्थानीय ऑपरेशन सर्कल कार्यालय में जिला भिवानी व दादरी के बिजली उपभोक्ताओं की शिकायतों के निवारण हेतु बिजली लोक अदालत लगाई गई। दक्षिण हरियाणा बिजली वितरण निगम के अधीक्षण अभियन्ता विजेन्द्र सिंह ने 40 उपभोक्ताओं की बिजली से संबंधित समस्याएं सुनी। इस दौरान उन्होंने बिल से संबंधित, रख-रखाव व सुधार संबंधित और टयूबवैल कनेक्शन से संबंधित आदि समस्याओं को बड़े गौर से सुना।

मौके पर समाधान होने वाली समस्याओं का शीघ्र समाधान कर दिया गया। शेष समस्याओं का संबंधित अधिकारी को प्राथमिकता से शीघ्र समाधान करने के निर्देश दिए। उन्होंने बताया कि उपभोक्ताओं को बेहतर बिजली सुविधा मुहैया कराने के साथ-साथ बिजली संबंधित शिकायतों को भी प्राथमिकता के आधार पर निपटाया जा रहा है। उन्होंने बताया कि सरकार के निदेर्शानुसार प्रत्येक मंगलवार को 10:00 बजे से 1:00 बजे तक उपभोक्ताओं की बिजली अदालत लगाकर समस्याएं सुनी जाएगी और उनका समाधान भी किया जाएगा। इस मौके पर भिवानी व दादरी जिले के अंतर्गत आने वाले सभी कार्यकारी अभियंता व उपमंडल अधिकारी व फरियादी उपस्थित रहे।

जिला में ड्रोन उड़ाने पर प्रतिबंध : जिलाधीश

लोक प्रेरणा

करनाल। जिलाधीश एवं डीसी उत्तम सिंह ने वर्तमान स्थिति तथा आम जनता की सुरक्षा के पहलुओं को ध्यान में रखते हुए जिला में ड्रोन, ड्रॉप्स, ग्लाइडर, रिमोट कंट्रोल्ड एयरक्राफ्ट, फ्लाइंग कैमरा, हवाई कवरेज के लिए हेलीकैम आदि और कम उड़ान वाली वस्तुओं आदि के उपयोग पर आगामी आदेशों तक प्रतिबंध लगाने के आदेश जारी किए हैं। यह आदेश जिला में कानून व्यवस्था बनाए रखने के साथ ही अवांछनीय गतिविधियों पर रोक लगाने के उद्देश्य से सुरक्षा कारणों के तहत जारी किए हैं।

सोशल मीडिया पर अवैध हथियार के साथ फोटो लगाना युवक को पड़ा महंगा

लोक प्रेरणा

नई दिल्ली। राजधानी दिल्ली के गोकुलपुरी इलाके में व्हाट्सएप स्टेटस पर अवैध हथियार के साथ फोटो लगाना एक युवक को भारी पड़ गया। सूचना मिलते ही हरकत में आई गोकुलपुरी थाने की पुलिस ने तत्परता दिखाते हुए कुछ ही घंटों में आरोपित को गिरफ्तार कर लिया।

उत्तर पूर्वी जिले के डीसीपी हरेश्वर वी स्वामी ने बताया कि गिरफ्तार आरोपित की पहचान गोकुलपुरी के संजय कॉलोनी निवासी विजय के तौर पर हुई है।डीसीपी ने बताया की विजय ने 12 मई को अपने व्हाट्सएप स्टेटस पर देसी कट्टे के साथ अपनी तस्वीर साझा की थी।

इस संबंध में सूचना स्थनीय समिति के एक सतर्क सदस्य ने गोकुलपुरी थाने को दी थी। सूचना मिलते ही एसीपी गोकुलपुरी की देखरेख में इंस्पेक्टर परवीन कुमार, एसएचओ गोकुलपुरी के नेतृत्व में एक टीम गठित की गई। पुलिस टीम ने क्षेत्र में तुरंत सर्च ऑपरेशन शुरू किया और आरोपित को गोकुलपुरी के डी-ब्लॉक पार्क से दबोचा लिया। आरोपी के पास से एक देसी कट्टा और दो जिंदा कारतूस बरामद हुए। पूछताछ में आरोपित ने अपना अपराध कबूल कर लिया है। साथ ही उसने अवैध हथियार की प्राप्ति के स्रोत के बारे में भी जानकारी दी, जिसकी पुष्टि की जा रही है। पुलिस जांच में यह भी खुलासा हुआ है कि आरोपी विजय पहले भी एक लूट के मामले में शामिल रहा है।

बादली मेट्रो स्टेशन के पास 20 वर्षीय युवक को गोलियों से भून डाला, बदमाशों ने 7-8 गोलियां मारी

लोक प्रेरणा

नई दिल्ली। राजधानी में एक युवक की गोली मारकर हत्या कर दी गई। यह घटना बादली मेट्रो स्टेशन के पास सोमवार शाम को घटी। बदमाशों ने युवक पर 7-8 गोलियां चलाईं। उसे अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। राजधानी दिल्ली के रोहिणी सेक्टर-18 में बादली मेट्रो स्टेशन के पास सोमवार शाम अज्ञात हमलावरों ने (20 वर्षीय) एक युवक की गोली मारकर हत्या कर दी।

एक अधिकारी ने बताया कि मृतक की पहचान चंदन झा के रूप में हुई है। पुलिस अधिकारी ने बताया कि उसे शाम करीब छह बजकर 22 मिनट पर समयपुर बादली इलाके में बाबा नगर रोड के पास गोलीबारी की घटना के संबंध में पीसीआर कॉल मिली थी। पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि घटना की सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची। चंदन को पहले ही नजदीकी अस्पताल ले जाया जा चुका था, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। प्रारंभिक जांच के अनुसार, बादली मेट्रो स्टेशन के पास अज्ञात लोगों ने चंदन पर गोलियां चलाईं। घटनास्थल से भागने से पहले उन्होंने चंदन पर सात से आठ गोलियां चलाईं। पुलिस के वरिष्ठ अधिकारी घटनास्थल पर पहुंचे और स्थिति का आकलन किया। फिलहाल पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है, और कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी है। पुलिस अधिकारी ने बताया कि वारदात के सभी संभावित कोणों से जांच की जा रही है। अपराध और फॉरेंसिक टीम ने घटनास्थल का निरीक्षण किया है। अपराधियों की पहचान करने और उन्हें पकड़ने के प्रयास जारी हैं। घटनास्थल के आसपास लगे सीसीटीवी फुटेज की जांच की जा रही है।

पाकिस्तानी राजनयिक को 24 घंटे के भीतर भारत छोड़ने का आदेश

नई दिल्ली। भारत सरकार ने एक पाकिस्तानी राजनयिक को देश विरोधी गतिविधियों में लिप्त पाए जाने पर पसोना नॉन ग्रेटा घोषित कर दिया है। विदेश मंत्रालय ने मंगलवार को जारी एक प्रेस विज्ञप्ति में बताया कि यह अधिकारी नई दिल्ली स्थित पाकिस्तान उच्चायोग में कार्यरत था और उसकी गतिविधियां उसकी आधिकारिक स्थिति के अनुरूप नहीं थीं।

सरकार ने उसे 24 घंटे के भीतर भारत छोड़ने का आदेश दिया है। इस संबंध में पाकिस्तान उच्चायोग के कार्यवाहक उच्चायुक्त को औपचारिक जानकारी दे दी गई है।

इससे पहले, पंजाब पुलिस को भी जासूसी गतिविधियों से जुड़े एक महत्वपूर्ण नेटवर्क को उजागर करने में बड़ी सफलता मिली थी। पंजाब पुलिस के डीजीपी ने एक्स पर पोस्ट कर बताया, "एक महत्वपूर्ण सफलता में मलेरकोटला पुलिस ने नई दिल्ली स्थित उच्चायोग में तैनात एक पाकिस्तानी अधिकारी से जुड़ी जासूसी गतिविधियों में कथित संलिप्तता के लिए दो व्यक्तियों को गिरफ्तार किया।

"विश्वसनीय खुफिया जानकारी के आधार पर एक संदिग्ध को भारतीय सेना की गतिविधियों के बारे में संवेदनशील जानकारी पाकिस्तान स्थित हैंडलर को लीक करने के आरोप में गिरफ्तार किया गया। पूछताछ के दौरान किए गए खुलासे के आधार पर, एक दूसरे माध्यम की भी पहचान की गई और उसे हिरासत में ले लिया गया। प्रारंभिक जांच से पता चलता है कि आरोपी गोपनीय जानकारी के बदले ऑनलाइन लेनदेन के माध्यम से भुगतान प्राप्त कर रहे थे। वे हैंडलर के साथ लगातार संपर्क में थे और उसके निदेर्शों के अनुसार अन्य स्थानीय गुर्गों को धन मुहैया कराने में शामिल थे। दो मोबाइल फोन बरामद किए गए हैं और एक प्राथमिकी दर्ज की गई है।" पोस्ट में लिखा गया है, "यह ऑपरेशन सीमा पार जासूसी नेटवर्क को खत्म करने में एक महत्वपूर्ण कदम है और राष्ट्रीय सुरक्षा के प्रति हमारी प्रतिबद्धता को मजबूत करता है। पंजाब पुलिस देश की संप्रभुता की रक्षा करने और आंतरिक सुरक्षा के लिए खतरों को बेअसर करने में दृढ़ है।"

'ऑपरेशन सिंदूर' से पाकिस्तान हिला, अंतरराष्ट्रीय मीडिया में हलचल : मोदी

नई दिल्ली। देश के नाम संदेश में सोमवार को प्रधानमंत्री मोदी ने जो कुछ कहा, उसके बाद दुनिया के तमाम बड़े मीडिया संस्थानों ने उनकी कही बातों को प्रमुखता से अखबार के पहले पन्ने पर जगह दी। पीएम मोदी ने अपने संबोधन में जिन बातों का जिक्र किया, उसमें से दो प्रमुख बातें पाकिस्तान के पसीने छुड़ाने के लिए काफी थी। पहला यह कि भारत किसी भी तरह के परमाणु हमले की धमकी से डरने वाला नहीं है और दूसरा आतंक तथा आतंक को समर्थन देने वाली सरकार को अलग-अलग करके नहीं देखा जाएगा।

ऑपरेशन सिंदूर ने भारत-पाक संबंधों में स्थापित किए नए मानदंड : डीजी डीआईए

नई दिल्ली। सेना की रक्षा खुफिया एजेंसी (डीआईए) के महानिदेशक लेफ्टिनेंट जनरल डी.एस. राणा ने 70 देशों के रक्षा अताशे और विदेशी सेवा अधिकारियों को ऑपरेशन सिंदूर की सफलता के बारे में विस्तार से जानकारी दी।

दिल्ली के मानेकशॉ सेंटर में मंगलवार को इन विदेशी अधिकारियों को जानकारी देते हुए उन्होंने कहा कि यह ऑपरेशन भारत की सैन्य श्रेष्ठता और नई पीढ़ी के युद्ध कौशल के माध्यम से राष्ट्र की शक्ति और संकल्प का प्रतीक बन गया है। इससे भारत-पाकिस्तान संबंधों में नए मानदंड स्थापित हुए हैं। यह ब्रीफिंग भारत की सैन्य तैयारियों, स्वदेशी रक्षा उपकरणों, रणनीतिक सोच और राष्ट्रीय सुरक्षा नीति की पारदर्शिता को दशार्ती है, जो वैश्विक समुदाय में विश्वास पैदा करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। डीजी डीआईए ने बताया कि ऑपरेशन सिंदूर के लिए लक्ष्यों का चयन एक सुनियोजित प्रक्रिया के तहत किया गया, जिसमें इन लक्ष्यों के आतंकवादी लिंक की पुष्टि की गई थी।

उन्होंने बताया कि भारतीय सशस्त्र बलों ने एकीकृत, सटीक और त्वरित प्रतिक्रिया के माध्यम से निर्धारित उद्देश्यों को सफलतापूर्वक प्राप्त किया। इस ऑपरेशन को बहु-आयामी युद्ध अभियानों के रूप में अंजाम दिया गया।उन्होंने बताया कि ऑपरेशन सिंदूर में संयुक्तता और एकीकरण के माध्यम से सैन्य शक्ति का समन्वित प्रयोग किया गया। स्वदेशी तकनीक से बने काइनेटिक फोर्स मल्टीप्लायर्स की प्रभावशीलता प्रदर्शित की गई। साथ ही, भारतीय सशस्त्र बलों की स्पेस, साइबर और इलेक्ट्रॉनिक युद्ध जैसे नॉन-काइनेटिक क्षेत्रों में तकनीकी श्रेष्ठता को भी प्रस्तुत किया गया।

लेफ्टिनेंट जनरल राणा ने यह भी बताया कि किस प्रकार भारत विरोधी गलत सूचना अभियान, जो कि शत्रु द्वारा निरंतर चलाया जा रहा है, क्षेत्रीय शांति और स्थिरता के लिए खतरा बना हुआ है। उन्होंने बताया कि भारत के दृष्टिकोण ने इस झूठे प्रचार अभियान का प्रभावी और त्वरित तरीके से मुकाबला किया और सत्य को अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर सामने लाया गया।

जानकारी के मुताबिक, इस दौरान स्वदेशी वायु रक्षा प्रणालियों की परफॉर्मेंस और 7 से 10 मई के बीच किए गए स्ट्राइक मिशन के परिणाम के बारे में बताया गया।

ऑपरेशन सिंदूर के शानदार प्रदर्शन के लिए सशस्त्र बलों को सलाम : अदाणी डिफेंस

नई दिल्ली। अदाणी डिफेंस ने ऑपरेशन सिंदूर की शानदार सफलता के लिए भारतीय सशस्त्र बलों की सराहना की है। इस ऑपरेशन से देश के नागरिकों और राष्ट्रीय मूल्यों की रक्षा करने के संकल्प को मजबूती मिली है।

अदाणी डिफेंस एंड एयरोस्पेस के सीईओ आशीष राजवंशी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म लिंक्डइन पर कहा, "हम भारत की सेवा करने वालों की सेवा सम्मान के साथ करने के उद्देश्य पर संकल्प लेते हुए अडिग हैं।"

राजवंशी ने अपने इस पोस्ट में लिखा, "गर्व और कृतज्ञता के गहरे भाव के साथ हम ऑपरेशन सिंदूर के शानदार क्रियान्वयन के लिए भारतीय सशस्त्र बलों को सलाम करते हैं।

आपकी बहादुरी और निस्वार्थता ने न केवल आपकी अटूट प्रतिबद्धता को प्रदर्शित किया है, बल्कि हमारी सामूहिक एकता और ताकत की भावना को भी नया किया है।"

उन्होंने आगे कहा, "तीनों सेनाओं के प्रति हमारी प्रतिबद्धता राष्ट्र निर्माण के मूल में निहित है। हम इस जिम्मेदारी को केवल एक नारे के रूप में नहीं, बल्कि अपने उद्देश्य के रूप में निभाते हैं।"

उन्होंने आगे कहा, "आज, पहले से कहीं अधिक, हम एक राष्ट्र के रूप में एकजुट हैं और इस अटूट विश्वास से प्रेरित हैं कि देश पहले आता है। वर्दी पहने हर साहसी पुरुष और महिला और उनके परिवार जो उनके पीछे दृढ़ता से खड़े हैं, हम आपके साथ खड़े हैं।"

भारत ने पहलगाम में 26 पर्यटकों के नरसंहार का बदला लेने के लिए पाकिस्तान और पीओके में नौ आतंकवादी शिविरों को खत्म करने के लिए ऑपरेशन सिंदूर में ड्रोन और मिसाइलों का इस्तेमाल किया और 100 से अधिक आतंकवादियों को मार गिराया।

इसके बाद भारतीय नागरिक क्षेत्रों और सैन्य प्रतिष्ठानों पर पाकिस्तान के ड्रोन और मिसाइल से हमले किए गए। इसे भारत की वायु रक्षा प्रणालियों ने विफल कर दिया। वहीं, भारतीय सेना की जवाबी कार्रवाई में पाकिस्तान को बहुत नुकसान हुआ।

भारत की वायु रक्षा प्रणालियों द्वारा पाकिस्तानी ड्रोन और मिसाइलों को रोका गया और उन्हें बेअसर कर दिया गया, जो भारतीय सशस्त्र बलों की तैयारी और प्रभावशीलता को दशार्ता है।

इस ऑपरेशन ने आतंकवादी संगठनों और उनके समर्थकों को एक स्पष्ट संदेश दिया है कि भारत या उसके नागरिकों पर किसी भी हमले का निर्णायक और शक्तिशाली प्रतिशोध लिया जाएगा।

जहांगीरपुरी में दिल्ली पुलिस ने 28 किलो गांजे के साथ दो गांजा तस्करों को किया गिरफ्तार

लोक प्रेरणा

नई दिल्ली। राजधानी दिल्ली में बढ़ते नशे के कारोबार को देखते हुए काफी शिकायतें मिलने के बाद दिल्ली पुलिस ने नशा मुक्त भारत अभियान के तहत दो गांजा तस्करों को गिरफ्तार किया है। इतना ही नहीं पुलिस ने आरोपितों के कब्जे से करीब 28 किलो गांजा भी बरामद किया है। आरोपियों की पहचान (25 वर्षीय) शिवनाथ सहनी और (48 वर्षीय) पंकज कुमार जहांगीरपुरी के रूप में हुई है। उत्तर-पश्चिम जिले के डीसीपी भीष्म सिंह ने मंगलवार को बताया कि पिछले कुछ समय से क्षेत्र में नशे के कारोबार की बढ़ती गतिविधियों को देखते हुए जिले की नारकोटिक्स स्क्वाड द्वारा विशेष अभियान चलाया गया।

खुफिया जानकारी के आधार पर एक टीम बनाई गई। जिसमें आरोपियों को पकड़ने के लिए एसआई राजेंद्र सिंह, एएसआई चंद्रपाल, एएसआई दिनेश,हेड कांस्टेबल स्वैम,हेड कांस्टेबल रोहित,हेड कांस्टेबल सुनील,हेड कांस्टेबल प्रवीण,और डब्लू कांस्टेबल कोमल,कुछ जिम्मेदारी सौंप गई। पुलिस टीम ने कई दिनों की निगरानी और तकनीकी जानकारी के आधार पर 11 मई को एक गुप्त सूचना के आधार पर जहांगीरपुरी से दो तस्करों को पकड़ लिया गया। पुलिस की पूछताछ में आरोपितों ने खुलासा किया कि वह हाल ही में नशे के धंधे में शामिल हुए थे, और दिल्ली के कई इलाकों में गांजे की सप्लाई कर रहे थे।

रेल यात्रियों के लिए वाराणसी मंडल पर शीतल पेयजल की व्यवस्था हेतु 73 वाटर कूलर एवं 26 वाटर वेंडिंग मशीने

लोक प्रेरणा

वाराणसी। वाराणसी मंडल रेल प्रशासन रेल यात्रियों की सुगम सुविधाजनक एवं आनन्ददायक रेल यात्रा हेतु निरन्तर प्रयासरत है। मुख्य जनसंपर्क अधिकारी अशोक कुमार ने बताया कि गर्मी को ध्यान में रखते हुए वाराणसी मंडल के स्टेशनों एवं रेलवे कालोनियों में शुद्ध पेय जल की उपलब्धता को सुनिश्चित करने हेतु पर्याप्त व्यवस्था की गई है।

वाराणसी मंडल के रेलवे स्टेशनों एवं कालोनियों में शुद्ध पेय जल की उपलब्धता को सुनिश्चित किया जा रहा है। जलापूर्ति की पर्याप्त व्यवस्था हेतु स्टेशनों पर पर्याप्त संख्या में नल के साथ - साथ वाटर कूलर तथा प्रमुख स्टेशनों पर वाटर वेंडिंग मशीन लगायी गयी हैं तथा समपारों पर हैंडपम्प की व्यवस्था की गई है। इसी क्रम मे वाराणसी मंडल के विभिन्न स्टेशनों पर यात्रियों के लिए शीतल पेय जल की व्यवस्था हेतु वाराणसी मंडल पर 73 वाटर कूलर लगाये गये हैं। इसी प्रकार, यात्रियों के माँग के अनुरूप सस्ते दर पर एवं शुद्ध पेय जल उपलब्ध कराने हेतु 26 वाटर वेंडिंग मशीनें लगाई गई है।

जिनमें, छपरा जं. स्टेशन पर 06, सीवान जं. पर 04, देवरिया सदर स्टेशन पर 02, भटनी जं. स्टेशन पर 01, बलिया स्टेशन पर 02, मऊ जं. स्टेशन पर 02, गाजीपुर सिटी स्टेशन पर 02, आजमगढ़ स्टेशन पर 01, बनारस स्टेशन पर 02, वाराणसी सिटी स्टेशन पर 02, सलेमपुर जं. स्टेशन पर 01 तथा कप्तानगंज जं. स्टेशन पर 01 वाटर वेंडिंग मशीनें कार्यशील हैं। इन वाटर वेंडिंग मशीनों के माध्यम से रेल यात्रियों को सस्ते दर पर आर.ओ. वाटर उपलब्ध कराया जा रहा है। 300 मिली. गिलास रू 2/- (रिफिल) एवं रू 3/- (कंटेनर के साथ), 1/2 लीटर बोतल रू 3/- (रिफिल) एवं रू 5/- (कंटेनर के साथ), 01 लीटर बोतल रू 5/- (रिफिल) एवं रू 8/- (कंटेनर के साथ), 02 लीटर बोतल रू 8/- (रिफिल) एवं रू 12/- (कंटेनर के साथ) एवं 05 लीटर बोतल रू 20/- (रिफिल) एवं रू 25/- (कंटेनर के साथ) उपलब्ध कराया जा रहा है।

भारत की 'विश्वसनीय रक्षा निर्यातक' के रूप में मजबूत हुई पहचान, रक्षा बजट में भी 12 वर्षों में जबरदस्त वृद्धि

नई दिल्ली। 'ऑपरेशन सिंदूर' में 'मेड इन इंडिया' हथियारों के शानदार प्रदर्शन को लेकर चारों ओर चचाएं हो रही हैं। इसी बीच केंद्र सरकार ने रक्षा बजट को लेकर सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर एक पोस्ट साझा किया है।

केंद्र सरकार द्वारा मंगलवार को दी गई जानकारी के अनुसार, देश का रक्षा बजट बीते 12 वर्षों में 4.28 लाख करोड़ बढ़कर 2025-26 में 6.81 लाख करोड़ रुपए हो गया है। भारत का रक्षा बजट इन बीते वर्षों में लगभग 150 प्रतिशत से ज्यादा बढ़ा है, जो कि राष्ट्रीय सुरक्षा को बढ़ाने, सशस्त्र बलों के आधुनिकीकरण और मिलिट्री इंफ्रास्ट्रक्चर को मजबूत करने के लिए भारत की दृढ़ प्रतिबद्धता को दशार्ता है।

रक्षा मंत्रालय ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर बताया, "रक्षा बजट 2013-14 में 2.53 लाख करोड़ रुपए से बढ़कर 2025-26 में 6.81 लाख करोड़ रुपए हो गया है।"

पोस्ट में आगे बताया गया है कि रणनीतिक सुधारों, प्राइवेट सेक्टर की भागीदारी और इनोवेशन ने स्वदेशी विनिर्माण को बढ़ावा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई और देश को 'आत्मनिर्भर भारत' बनाने की पहल में अपना योगदान दिया। इसी के साथ देश की वैश्विक स्तर पर एक विश्वसनीय रक्षा निर्यातक के रूप में पहचान मजबूत हुई है और भारत की राष्ट्रीय सुरक्षा और आर्थिक विकास को भी मजबूती मिली है।

दिल्ली में फिल्मी अंदाज के आधार पर चेन चुराकर भाग रहे बदमाशों पर टूट पड़े ट्रैफिक पुलिस के जवान

लोक प्रेरणा

नई दिल्ली। राजधानी दिल्ली में दिल्ली पुलिस के जवान और सीमा पर सेना के जवान हमारी सुरक्षा के लिए हमेशा मुस्तैद रहे हैं इतना ही नहीं ये जवान हमारी रक्षा के लिए सीमा पर दुश्मनों,और दिल्ली में बदमाशों से लड़ते-लड़ते जान की बाजी भी लगा देते हैं।

दरअसल दिल्ली के सीमापुरी से एक ऐसा ही मामला सामने आया है, जहां दो ट्रैफिक पुलिस के जवानों ने अपनी जान की परवाह किए बगैर चेन चुराकर भाग रहे बदमाशों को दबोच लिया। उनकी पहचान गाजियाबाद निवासी वारिस व नंद नगरी निवासी इमरान के रूप में हुई है। पुलिस ने इनके पास से वारदात में इस्तेमाल दो पिस्टल, बाइक व चेन बरामद की है। हलांकि बदमाशों पर पहले से आपराधिक केस दर्ज हैं।

ट्रैफिक पुलिस जोन के स्पेशल सीपी के जगदीशन ने कहा,एसीपी योगेंद्र खोखर के नेतृत्व में शाहदरा के ट्रैफिक इंस्पेक्टर विकास कुमार की अध्यक्षता में एसआई संजीव,कॉन्स्टेबल राहुल व सन्नी की टीम सोमवार शाम को शाहदरा जीटी रोड पर चिंतामणि लाल बत्ती पर तैनात थे। एक व्यक्ति ने टीम को बताया कि एक बाइक पर सवार दो बदमाशों ने सीमापुरी में राहुल नाम के युवक से सोने की तीन चेन लूटी है। वे बदमाश चिंतामणि लाल बत्ती की तरफ आ रहे हैं। तभी टीम ने बदमाशों को देखते ही रुकने का इशारा किया। बदमाशों ने खुद को गिरता पाकर पुलिसकर्मियों पर गोलियां चला दी। पुलिसकर्मियों ने बहादुरी दिखाते हुए फिल्मी स्टाइल में लात मारकर बदमाशों की बाइक गिराई और उन पर काबू पा लिया। ट्रैफिक पुलिसकर्मियों ने एक पीड़ित की मदद की और अपराधियों को उन्हें उनकी सही जगह पहुंचा दिया। ट्रैफिक पुलिस ने कहा कि ट्रैफिक इंस्पेक्टर शाहदरा जिले में स्पेशल स्टाफ में इंचार्ज रहे। उन्होंने ट्रैफिक पुलिस में आकर अपनी टीम को उसी तरह से सक्रिय किया कि अगर कोई बदमाश मिले तो उसे पकड़कर थाना पुलिस के हवाले कर दें।

गेल ने चौथी तिमाही में 2,049 करोड़ रुपए का शुद्ध लाभ कमाया, 1 रुपए का अंतिम लाभांश किया घोषित

नई दिल्ली । गैस डिस्ट्रिब्यूशन सेक्टर की दिग्गज कंपनी गेल ने मंगलवार को 31 मार्च, 2025 को समाप्त वित्त वर्ष की चौथी तिमाही के लिए 2,049 करोड़ रुपए का स्टैंडअलोन नेट प्रॉफिट दर्ज किया, जो पिछले वर्ष की इसी तिमाही के 2,176.97 करोड़ रुपए के प्रॉफिट से 6 प्रतिशत कम है। कंपनी के निदेशक मंडल ने वित्त वर्ष 2025 के लिए प्रति इक्विटी शेयर 1 रुपए का अंतिम लाभांश घोषित किया है।

इस बीच, जनवरी-मार्च तिमाही में कंपनी का परिचालन राजस्व बढ़कर 35,707 करोड़ रुपए हो गया, जो पिछले वर्ष की इसी तिमाही में 32,334.50 करोड़ रुपए था, जबकि ईबीआईटीडीए भी 13.3 प्रतिशत बढ़कर 3,216 करोड़ रुपए हो गया।

पाकिस्तान के साथ लंबित मुद्दा पीओके खाली करने का है, तीसरे पक्ष की मध्यस्थता मंजूर नहीं - विदेश मंत्रालय

नई दिल्ली, । भारत ने एक बार फिर दोहराया है कि जम्मू-कश्मीर से संबंधित सभी मुद्दों का समाधान भारत और पाकिस्तान के बीच द्विपक्षीय रूप से किया जाना है। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने मंगलवार को कहा कि इस नीति में कोई बदलाव नहीं हुआ है। उन्होंने जोर देकर कहा कि लंबित मुद्दा पाकिस्तान द्वारा अवैध रूप से कब्जाए गए भारतीय क्षेत्र को खाली करना है।

रणधीर जायसवाल ने यहां एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा, "हमारा लंबे समय से राष्ट्रीय रुख रहा है कि केंद्र शासित प्रदेश जम्मू-कश्मीर से संबंधित किसी भी मुद्दे को भारत और पाकिस्तान को द्विपक्षीय रूप से सुलझाना होगा। इस नीति में कोई बदलाव नहीं आया है। लंबित मामला पाकिस्तान द्वारा अवैध रूप से कब्जाए गए भारतीय क्षेत्र को खाली करना है।"

उन्होंने कहा कि भारत द्वारा (पाकिस्तान और पीओके में) नष्ट किए गए आतंकवाद के बुनियादी ढांचे न केवल भारतीयों की मौत के लिए जिम्मेदार थे, बल्कि दुनिया भर में कई अन्य निर्दोष लोगों की मौत के लिए भी जिम्मेदार थे। यह अब एक नई सामान्य बात है। पाकिस्तान जितनी जल्दी यह बात समझ ले, उतना ही बेहतर होगा।

विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता ने कहा, "कुछ दिन पहले आपने देखा कि सीसीएस के फैसले के बाद सिंधु जल संधि को स्थगित कर दिया गया है। मैं आपको थोड़ा पीछे ले जाना चाहूंगा। सिंधु जल संधि सद्भावना और मित्रता की भावना पर टिकी हुई थी, जैसा कि संधि की प्रस्तावना में कहा गया है। पाकिस्तान ने पिछले कई दशकों से सीमा पार आतंकवाद को बढ़ावा देकर इन सिद्धांतों की अवहेलना की है। अब सीसीएस के फैसले के अनुसार, भारत संधि को तब तक स्थगित रखेगा, जब तक पाकिस्तान सीमा पार आतंकवाद के लिए अपने समर्थन को विश्वसनीय और अपरिवर्तनीय रूप से त्याग नहीं देता।" अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के मध्यस्थता के दावे और संघर्ष विराम में व्यापार की भूमिका पर भी रणधीर जायसवाल ने बात की। उन्होंने कहा, "7 मई को 'ऑपरेशन सिंदूर' शुरू होने से लेकर 10 मई को गोलीबारी और सैन्य कार्रवाई बंद करने पर सहमति बनने तक, भारतीय और अमेरिकी नेताओं के बीच उभरते सैन्य हालात पर बातचीत होती रही। इनमें से किसी भी चर्चा में व्यापार का मुद्दा नहीं उठा।"

उन्होंने कहा, "दोनों देशों के डीजीएमओ के बीच 10 मई 2025 को 15:35 बजे फोन कॉल के दौरान समझौते की विशिष्ट तिथि, समय और शब्दावली पर काम किया गया। जैसा कि आप जानते होंगे, विदेश सचिव ने इस संबंध में एक बयान दिया था। तकनीकी मुद्दों के कारण पाकिस्तानी पक्ष को शुरू में भारतीय पक्ष से संपर्क करने में कठिनाइयों का सामना करना पड़ा। मैं स्पष्ट कर दूं, यह भारतीय हथियारों की ताकत थी जिसने पाकिस्तान को अपनी गोलीबारी रोकने के लिए मजबूर किया।

चावलों में नहीं लगेंगे घुन, स्टोर करते वक्त कंटेनर में डाल दें इनमें से एक चीज

घरों में अक्सर ये शिकायत होती है कि दाल और चावलों को लंबे समय तक स्टोर करने से उनमें घुन हो जाते हैं, अगर आपके साथ भी ऐसा है तो इसका उपाय आपके घर में ही छिपा है. कुछ ऐसे नेचुरल इनग्रेडिएंट्स हैं जो चावल और दालों में घुन लगने से बचाते हैं.

चावल और दाल ऐसी चीजें हैं जो ज्यादातर भारतीय घरों में रेगुलर खाई जाती हैं और इसलिए ही लोग इसे इकट्ठा ही खरीदकर रख लेते हैं. इन्हें लंबे समय तक स्टोर करके रखना थोड़ा मुश्किल होता है, क्योंकि इनमें घुन और कीड़े लगने का डर रहता है. इससे घर में रखी सारी दालें और चावल कई बार खराब हो जाते हैं, इन्हें साफ करना भी काफी मुश्किल होता है. चावल-दाल को कीड़ों के बचाने के लिए वैसे तो बहुत सारे प्रोडक्ट मार्केट में मौजूद हैं, लेकिन इनमें केमिकल होते हैं जो सेहत के लिए भी नुकसानदायक हो सकते हैं, इसलिए दाल और चावलों में कीड़े न लगें, इसके लिए कुछ छोटी-छोटी बातों को ध्यान में रखना चाहिए. इसके अलावा दाल-चावल को स्टोर करते वक्त कंटेनर में घर में ही रखी कुछ चीजें मिला देने से कीड़े नहीं लगते हैं.

दाल और चावल को लंबे समय के लिए स्टोर करना है तो यह ध्यान रखें कि कंटेनर को ऐसी जगह पर रखा होना चाहिए, जहां पर सीलन न रहती हो. कंटेनर एयरटाइट रहते हैं तो उसमें नमी नहीं होती, जिससे कीड़े या घुन पनपने की संभावना काफी कम हो जाती है. चलिए जान लेते हैं कि वो कौन सी चीजें हैं जो चावल और दालों को कीड़ा लगने से बचा सकती हैं.

चावल में मिला दें हल्दी

हर भारतीय घर में हल्दी आसानी से मिल जाने वाला इनग्रेडिएंट है. अगर चावल, दाल या फिर गेहूं को स्टोर कर रहे है तो कंटेनरों में साबुत हल्दी के टुकड़े डाल दें. इससे अनाज को आप कीड़ों से बचा सकते हैं. चावलों को स्टोर कर रहे हैं तो हल्दी पाउडर को अच्छी तरह इनमें मिला दें तो भी कीड़ा नहीं लगता है.

नीम की पत्तियां हैं कारगर

चावलों से लेकर दाल, गेहूं को कीड़ों से बचाने और यहां तक कि कपड़ों को भी बैक्टीरिया से बचाने के लिए नीम की पत्तियां काफी कारगर रहती हैं. सबसे पहले नी की पत्तियों के धूप में सुखा लें. इससे किसी हल्के कपड़े में बांधकर छोटी-छोटी पोटलियां बनाकर कंटेनरों में डाल दें. इसके अलावा नीम की पतली टहनियों के छोटे-छोटे बंडल बनाकर हल्के सुखा लें और चावल-दाल आदि के कंटेनर में डालकर रख दें.

लाल मिर्च भी आती है काम

अनाज को कीड़ों से बचाने के लिए लाल मिर्च भी काफी कारगर रहती है, क्योंकि इनमें तेज ढांस और तीखापन होता है. सूखी मिर्च को चावल-दाल में मिलाकर कंटेनर में स्टोर कर दें. इससे चीटियां भी नहीं आती हैं.

लौंग का करें इस्तेमाल

गर्मी के दिनों में अनाज और चीनी में चीटियां लगना काफी आम होता है, लेकिन इससे काफी दिक्कत हो जाती है.

जीनोम संपादित' चावल : विरासत की बेदखली

प्राकृतिक खेती, जो रासायनिक उर्वरकों और कीटनाशकों के उपयोग के बिना टिकाऊ कृषि पद्धतियों पर जोर देती है, देशी बीजों पर बहुत अधिक निर्भर है। देशी बीज, जो सदियों से स्थानीय परिस्थितियों के अनुकूल विकसित हुए हैं, प्राकृतिक खेती के लचीले और आत्मनिर्भर पारिस्थितिकी तंत्र के आधार हैं।भारत में चावल की जीनोम संपादित किस्मों को मंजूरी देने की दिशा में बढ़ते कदम ने कृषि क्षेत्र में एक नई बहस छेड़ दी है। एक तरफ, यह तकनीक फसल सुधार और उत्पादन वृद्धि की अपार संभावनाओं का दावा करती है, वहीं दूसरी तरफ, प्राकृतिक खेती के सिद्धांतों और देशी बीजों के संरक्षण के लक्ष्यों के लिए कई चुनौतियां खड़ी करती है। यह लेख बीज संप्रभुता, देशी बीजों की शुद्धता और जैव-विविधता जैसे महत्वपूर्ण मुद्दों की चुनौतियों का विश्लेषण करता है। जीनोम इंजीनियरिंग (जीनोम एडिटिंग) का मतलब किसी जीन के जेनेटिक कोड में बदलाव करना है। बदलावों में जीन को खत्म करने के लिए न्यूक्लियोटाइड को हटाना, प्रोटीन को खत्म करने के लिए न्यूक्लियोटाइड को जोड़ना या म्यूटेशन बनाने के लिए न्यूक्लियोटाइड को संपादित करना शामिल है।प्राकृतिक खेती, जो रासायनिक उर्वरकों और कीटनाशकों के उपयोग के बिना टिकाऊ कृषि पद्धतियों पर जोर देती है, देशी बीजों पर बहुत अधिक निर्भर है। देशी बीज, जो सदियों से स्थानीय परिस्थितियों के अनुकूल विकसित हुए हैं, प्राकृतिक खेती के लचीले और आत्मनिर्भर पारिस्थितिकी तंत्र के आधार हैं। ये बीज न केवल स्थानीय जलवायु और मिट्टी के लिए अनुकूल होते हैं, बल्कि उनमें रोग-प्रतिरोधक क्षमता और पोषण का भी अपना विशिष्ट संयोजन होता है।जीनोम इंजीनियरिंग तकनीक सदियों से स्थापित इन कृषि पद्धतियों के लिए कई स्तरों पर चुनौती पेश करती है।बीज संप्रभुता पर खतरा-जीनोम संपादित बीजों का विकास और व्यावसायीकरण अक्सर बड़ी, बहुराष्ट्रीय कृषि जैव-प्रौद्योगिकी कंपनियों के हाथों में केंद्रित होता है। इन कंपनियों के पास अक्सर इन बीजों पर बौद्धिक संपदा अधिकार (आईपीआर) होते हैं, जैसे कि पेटेंट। इसके परिणामस्वरूप, किसानों को हर फसल-चक्र के लिए नए बीज खरीदने को मजबूर होना पड़ सकता है, जिससे उनकी परम्परागत रूप से चली आ रही बीज स्वतंत्रता और नियंत्रण कम हो जाता है।प्राकृतिक खेती का एक मूल सिद्धांत किसानों की बीज संप्रभुता है, जहां वे स्वयं अपने बीजों का उत्पादन, संरक्षण और आदान-प्रदान कर सकते हैं। %जीनोम संपादित% बीजों पर निर्भरता इस स्वायत्तता को कमजोर करती है और किसानों को बाहरी संस्थाओं पर निर्भर बनाती है। यह न केवल उनकी लागत बढ़ाता है, बल्कि उन्हें बाजार की ताकतों के प्रति भी अधिक संवेदनशील बनाता है। देशी बीजों के विपरीत, जिन्हें किसान पीढ़ी-दर-पीढ़ी बचाकर और सुधारकर अपनी स्थानीय आवश्यकताओं के अनुसार ढाल सकते हैं, जीनोम संपादित बीजों के साथ यह लचीलापन सीमित हो जाता है।देशी बीजों की शुद्धता पर संकट-जीनोम संपादित चावल की किस्मों की खेती से देशी चावल की किस्मों के आनुवांशिक प्रदूषण का खतरा बढ़ जाता है। परागण के माध्यम से, जीनोम संपादित बीजों के जीन जाने-अनजाने में पड़ोसी खेतों में उगाई जा रही देशी किस्मों में स्थानांतरित हो सकते हैं। यह न केवल देशी बीजों की अनुवांशिक शुद्धता को खतरे में डालता है, बल्कि उनकी विशिष्ट विशेषताओं और स्थानीय अनुकूलन को भी बदल सकता है।प्राकृतिक खेती में बीजों की शुद्धता अत्यंत महत्वपूर्ण है, क्योंकि यह मिट्टी के सूक्ष्मजीवों और अन्य जैविक घटकों के साथ उनकी जटिल अंत-क्रिया को प्रभावित करती है। यदि देशी बीजों की अनुवांशिक संरचना बदल जाती है, तो यह प्राकृतिक खेती के समग्र पारिस्थितिकी तंत्र को बाधित कर सकती है। जैविक प्रमाणीकरण के लिए भी बीजों की गैर-जीएमओ (गैर-अनुवांशिक रूप से संशोधित) स्थिति आवश्यक है, और जीनोम संपादन के माध्यम से होने वाला अनपेक्षित जीन-प्रवाह इस प्रमाणीकरण को खतरे में डाल सकता है।

जैव विविधता के लिए चुनौती-भारत चावल की समृद्ध जैव-विविधता का केंद्र रहा है, जिसमें हजारों वर्षों से विकसित हुई अनगिनत देशी किस्में मौजूद हैं। ये किस्में विभिन्न कृषि-जलवायु क्षेत्रों के लिए अनुकूल हैं और विभिन्न प्रकार की पोषण संबंधी और सांस्कृतिक आवश्यकताओं को पूरा करती हैं। यदि जीनोम संपादित अधिक उपज वाली किस्में व्यापक रूप से अपनाई जाती हैं, तो ये किसानों को व्यावसायिक रूप से आकर्षक बीजों की ओर आकर्षित कर सकती हैं, जिससे देशी चावल की किस्मों की खेती कम हो जाएगी। इसके परिणामस्वरूप चावल की अनुवांशिक-विविधता का भारी नुकसान हो सकता है। जैव-विविधता का नुकसान कृषि-पारिस्थितिकी तंत्र को कमजोर करता है, फसलों को बीमारियों, कीटों और जलवायु परिवर्तन के प्रति अधिक संवेदनशील बनाता है।प्राकृतिक खेती जैव-विविधता को बढ़ावा देने पर जोर देती है, क्योंकि यह मिट्टी के स्वास्थ्य, कीट-नियंत्रण और समग्र पारिस्थितिकी-तंत्र के संतुलन के लिए आवश्यक है। देशी बीज इस जैव-विविधता का एक अभिन्न अंग है और उनका नुकसान कृषि को कमजोर बना सकता है।

चावल की जीनोम संपादित किस्मों को मंजूरी देना संभवतः खाद्य-सुरक्षा और फसल सुधार के क्षेत्र में नई संभावनाएं खोलता है, लेकिन प्राकृतिक खेती के सिद्धांतों और देशी बीजों के संरक्षण के लक्ष्यों के साथ इसके गहरे विरोधाभास और चुनौतियां हैं। बीज संप्रभुता का क्षरण, देशी बीजों की अनुवांशिक शुद्धता पर खतरा और जैव-विविधता का नुकसान ऐसे गंभीर मुद्दे हैं जिन पर नीति निर्माताओं, वैज्ञानिकों और किसानों को मिलकर विचार करना होगा।

एक टिकाऊ और समावेशी कृषि भविष्य के लिए यह आवश्यक है कि हम ऐसी नीतियों को बढ़ावा दें जो न केवल उत्पादन बढ़ाने पर ध्यान केंद्रित करे, बल्कि किसानों की स्वायत्तता, देशी बीजों के संरक्षण और कृषि जैव-विविधता की सुरक्षा को भी प्राथमिकता दे। %जीनोम संपादन% जैसी नई तकनीकों का मूल्यांकन सावधानीपूर्वक और समग्र दृष्टिकोण के साथ किया जाना चाहिए, जिसमें प्राकृतिक खेती और देशी बीजों के महत्व को भी समझा जाए। हमें एक ऐसे मार्ग की तलाश करनी होगी जो नवाचार और स्थिरता के बीच संतुलन बनाए रखे और किसानों को सशक्त बनाए रखते हुए हमारी कृषि विरासत को सुरक्षित रखे।

संपादकीय

भाजपा के असंतुलन से देश को नुकसान

लगभग 20 दिनों की चुप्पी के बाद प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने सोमवार रात आठ बजे राष्ट्र के नाम संबोधन करने का फैसला लिया तो देश को इत्मीनान हुआ कि आखिरकार प्रधानमंत्री देश की सुरक्षा को लेकर सीधी बात करेंगे। इससे पहले सोमवार दोपहर तक भारत-पाक के बीच संघर्ष को लेकर कई किस्म के सवाल चर्चा में थे, जैसे अमेरिका किस तरह भारत और पाकिस्तान के मामले में दखलंदाजी कर सकता है। क्या चीन ने इस बार पाकिस्तान को भारत पर आक्रमण करने में मदद की है। क्या भारत ने अमेरिका के पास जाकर युद्धविराम की पहल की। इन सवालों के बीच पहले खबर आई कि भारत और पाक के बीच डायरेक्टर जनरल ऑफ मिलिट्री ऑपरेशंस यानी डीजीएमओ स्तर पर चर्चा हो रही है और उसके थोड़ी देर बाद खबर आ गई कि प्रधानमंत्री मोदी रात आठ बजे राष्ट्र को संबोधित करने वाले हैं। माना गया कि यह संबोधन ऑपरेशन सिंदूर और उसके बाद के घटनाक्रम को लेकर ही होगा।दरअसल इस मुद्दे पर प्रधानमंत्री के संबोधन का इंतजार इसलिए था क्योंकि उनकी चुप्पी से बातें अनावश्यक उलझती जा रही थीं।

श्री मोदी ने भले ही राजनैतिक लाभ के लिए चुप रहना बेहतर समझा हो, लेकिन इसका कूटनीतिक नुकसान भारत को हुआ और पार्टी के तौर पर भी भाजपा को इसमें संभावित नुकसान ही हुआ। इसलिए रविवार को पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जे पी नड्डा के आवास पर भाजपा के मंत्रियों और बड़े नेताओं की बैठक हुई, और मंगलवार से पार्टी ने 10 दिनों तक यानी 23 मई तक तिरंगा यात्रा निकालने का फैसला किया है, जिसमें ऑपरेशन सिंदूर की उपलब्धियां देश को बताई जाएंगी।हालांकि सैन्य अभियानों की उपलब्धियां गिनाने की जरूरत नहीं होती। हाथ कंगन को आरसी क्या, जो कुछ सेना ने किया वह नजर आ ही जाता है। ऑपरेशन सिंदूर के बाद भी दिख रहा था कि भारत के आगे पाकिस्तान पस्त पड़ रहा है। लेकिन शनिवार शाम से हालात बदल गए। पहले युद्धविराम का ट्रंप की तरफ से ऐलान करना, फिर भारत का यही घोषणा करना और उसके बाद पाकिस्तान की तरफ से नए हमले, ये सारा घटनाचक्र इतनी जल्दी घूमा कि जनता परेशान हो गई कि आखिर कौन सी मजबूरी थी कि भारत को युद्धविराम के लिए सहमत होना पड़ा। युद्धविराम के लिए क्या किसी कागज पर हस्ताक्षर हुए हैं, अगर नहीं तो क्या मुंहजुबानी बात को मान लिया जाए। पाकिस्तान इस बात को क्यों नहीं मान रहा। क्यों एक तरफ पाकिस्तान के हमले हो रहे हैं और दूसरी तरफ शाहबाज शरीफ जीत वाला भाषण दे रहे हैं। ये सारे सवाल विपक्ष से ज्यादा भाजपा समर्थक लोग और खासकर पत्रकार ही उठाने लगे। इस बीच विदेश सचिव विक्रम मिस्री और उनके परिजनों की सोशल मीडिया पर ट्रोलिंग भी होने लगी क्योंकि युद्धविराम की जानकारी उन्होंने ही दी थी। भाजपा ने ट्रोल आर्मी की शक्ल में भस्मासुर पाले हैं, यह बात जाहिर होने लगी।भाजपा ने पहलगाम हमले को जिस तरह चुनाव में भुनाने की योजना बनाई होगी, वह अमल में आने से पहले ही बेकार होती नजर आई तो अब प्रधानमंत्री को सामने आना ही पड़ा। इस बीच अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी हालात ऐसे बने जिसमें नजर आया कि किस तरह भारत को अकेला किया जा रहा है। शाहबाज शरीफ ने तो अपने संबोधन में अमेरिका, चीन, ब्रिटेन, तुर्किए, सऊदी अरब, कतर सबका नाम लेकर शुक्रिया अदा कर दिया, और इनमें से किसी ने भी ये नहीं कहा कि अपनी लड़ाई में हमारा नाम मत लो। यानी सबने सहमति दी कि वो पाकिस्तान के साथ खड़े थे। वहीं अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप जो बार-बार ये कहते रहे कि भारत-पाक मेरे लिए दोनों बराबर हैं, उन्होंने भी इस युद्धविराम की घोषणा से पाकिस्तान को खुश और भारत को असहज कर दिया।भारत की यह नीति रही है कि कश्मीर एक द्विपक्षीय मसला है और इसमें किसी तीसरे देश की मध्यस्थता स्वीकार्य नहीं है। लेकिन ट्रंप ने पहले युद्धविराम का ट्वीट किया फिर अगले दिन के ट्वीट में कश्मीर मसले का जिक्र कर संकेत दे दिए कि ये दखलंदाजी अब कश्मीर मुद्दे तक पहुंचने वाली है। अमेरिका के विदेश मंत्री मार्को रुबियो ने भी लिखा है कि भारत और पाकिस्तान विवादों को सुलझाने के लिए किसी तीसरे देश में बात करेंगे।

ऑपरेशन सिंदूर : एक पूर्व-सुनिश्चित नाकामी का रोजनामचा

जिस तरह से यह युद्धविराम हुआ है, इस संघी ट्रोल सेना में ही नहीं, आम लोगों में भी उस पर काफी असंतोष है। इस असंतोष की एक वजह तो यह युद्धविराम, अमेरिका के हस्तक्षेप से होना ही है। सभी जानते हैं कि शिमला समझौते के बाद से भारत इस रुख पर दृढ़ रहा है कि भारत-पाकिस्तान के बीच जो भी विवाद हैं, जिसमें कश्मीर विवाद भी शामिल है, द्विपक्षीय मामला ही हैं।जैसा कि आसानी से अनुमान लगाया जा सकता था, ऑपरेशन सिंदूर के अचानक पटाक्षेप के बाद, उसे %कामयाब% साबित करने की विभिन्न स्तरों पर कोशिशें शुरू हो गयी हैं। बेशक, खुद प्रधानमंत्री ही नहीं, उनके बाद दूसरे-तीसरे नंबर के दावेदार राजनीतिक नेताओं ने भी, पहले चरण में चुप रह कर, इसके जबर्दस्त प्रयास में सैन्य प्रतिष्ठान को ही सबसे आगे धकेला है। डीजीएमओ और तीनों सेनाओं के शीर्ष प्रतिनिधियों की एक साझा पत्रकार वार्ता में जहां एक ओर, यह स्थापित करने की कोशिश की जा रही थी कि 10 तारीख की शाम से हुई जंगबंदी, पाकिस्तानी डीजीएमओ की फोन करने की पहल के बाद, दोनों पक्षों में बनी सहमति से हुई थी, न कि अमेरिका की मध्यस्थता से हुई थी। वहीं दूसरी ओर यह दिखाने की भी कोशिश की जा रही थी कि इस तीन दिन की लड़ाई में, पाकिस्तानी आतंकवादी ठिकानों को ही नहीं, सेना को भी बहुत भारी नुकसान उठाना पड़ा है, जबकि भारत को उसकी तुलना में बहुत ही कम नुकसान उठाना पड़ा है। यानी 7 से 10 मई तक का यह ऑपरेशन, भारत की नजर से कामयाब रहा है।

इसी के समानांतर, सत्ताधारी संघ-भाजपा के आईटी सेल और उससे निर्देशित ट्रोल सेना ने कम से कम तीन धारणाएं बनाने के लिए अपनी ताकत झोंक दी है। पहली यह कि जो जंगबंदी हुई है, वह वास्तव में जंगबंदी से कमतर कोई चीज है। ऑपरेशन सिंदूर भी खत्म नहीं हुआ है बल्कि वह तो बराबर जारी है। दूसरे, इस संक्षिप्त कार्रवाई में मोदी सरकार ने बता दिया है कि अब हरेक आतंकवादी कार्रवाई का जवाब इसी तरह पाकिस्तान के अंदर प्रहार से दिया जाएगा। तीसरे, पाकिस्तान को भारत की प्रहार शक्ति का अंदाजा हो गया है और अब वह भारत के खिलाफ कोई शरारत करने से पहले दस बार सोचेगा।

आने वाले दिनों में बार-बार दोहराने के जरिए, जीत के इन दावों को और कई गुना फुलाने की ही कोशिश नहीं की जा रही हो, तो ही हैरानी की बात होगी। विडंबनापूर्ण तरीके से यहां उनके लिए गोदी मीडिया का वह कुख्यात रूप से अतिरंजित प्रचार भी, किसी न किसी तरह से प्रयोग में आ रहा हो सकता है, जिसकी इस तरह प्रचार उपयोगिता को ही पहचान कर, सत्ताधारी ताकतों ने आधिकारिक स्तर पर उनके ऊल-जुलूल दावों से दूरी बनाने के बावजूद, उन्हें रोकना तो दूर, टोकने तक की कोई जरूरत नहीं समझी थी। दूसरी ओर, लड़ाई के संदर्भ में फेक न्यूज और भारत-विरोधी खबरों पर अंकुश लगाने के नाम पर, मोदी सरकार के प्रति आलोचात्मक रुख रखने वाले कई यूट्यूब चैनलों सहित सोशल मीडिया प्लेटफार्म, एक्स पर एक साथ पूरे आठ हजार खातों को रोकने के लिए, जबर्दस्त सरकारी प्रहार किया गया था। इसी सिलसिले में लोकप्रिय डिजिटल समाचार प्लेटफार्म, दवायर तक पर सरकार की गाज गिरी थी। ऐसी ही गाज़ चर्चित पत्रकार, पुण्यप्रसून वाजपेयी के यूट्यूब चैनल पर भी गिरी थी।बहरहाल, ये सारी प्रचार कोशिशें अपनी जगह, सत्ताधारियों के लिए अपनी समर्थक कतारों से भी इस अचानक खत्म हुई लड़ाई को अपनी और सबसे बढ़कर नरेंद्र मोदी की जीत मनवाना, आसान नहीं हो रहा है। इसके सबूत के तौर पर हम, 10 तारीख की शाम संवाददाता सम्मेलन में युद्ध विराम की घोषणा करने मात्र के लिए, विदेश सचिव मिस्री को ही नहीं, उनके पूरे परिवार को ही, जिस तरह की भीषण ट्रोलिंग का सामना करना पड़ रहा है, उसे रखना चाहते हैं। कहने की जरूरत जरूरत नहीं है कि इस संक्षिप्त लड़ाई के दौरान खासतौर पर देश का चेहरा बने रहे विदेश सचिव के परिवार की इस तरह की भीषण ट्रोलिंग शर्मनाक है। लेकिन, सिर्फ उक्त निर्णय की घोषणा करने के लिए मिस्री की इस तरह की ट्रोलिंग से साफ हो जाता है कि %जीत% का नैरेटिव, खुद सत्ताधारी संघ-भाजपा की कतारों के गले से नीचे नहीं उतर रहा है और वे अपना फ्रस्टेशन निकालने के लिए किसी अपेक्षाकृत कमजोर शिकार की तलाश में हैं। कमजोर शिकार की तलाश में इसलिए कि वास्तव में जंगबंदी का फैसला लेने वालों, नंबर वन, नंबर टू आदि के निर्णय पर सीधे सवाल उठाने की, उनमें हिम्मत नहीं है।

इस संघी ट्रोल सेना के मिस्री पर इस तरह झपट पड़ने के खिलाफ सत्तापक्ष से इन पंक्तियों के लिखे जाने तक किसी ने चूं तक नहीं की थी। इसकी वजह समझना मुश्किल भी नहीं है। इस तरह की सेना को, शिकारी कुत्तों की तरह लहकाया तो जा सकता है, लेकिन अंकुश में नहीं रखा जा सकता। यही इस परिघटना का चरित्र है। इस सिलसिले में आईएएस एसोसिएशन के अलावा शासन की ओर से किसी के हस्तक्षेप न करने से बरबस, कई साल पहले की घटना याद आ जाती है। तब नरेंद्र मोदी सरकार के पहले कार्यकाल के दौरान, तब तक भाजपा के शीर्ष नेताओं में मानी जाने वाली, तत्कालीन विदेश मंत्री सुषमा स्वराज को, उनके

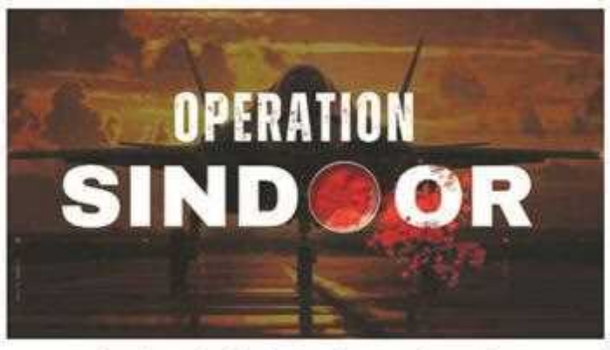

मंत्रालय से जुड़े किसी छोटे से काम के लिए, जो इस ट्रोल पलटन को नागवार गुजरा था, भीषण तरीके से ट्रोल किया गया था। बुजुर्ग नेता के पति तक को इसमें नहीं बक्शा गया था। इसके बावजूद, उस समय भी संघ-भाजपा का कोई नेता, सुषमा स्वराज की हिमायत में सामने नहीं आया था। बहरहाल, इतने पीछे क्यों जाएं। मिस्री से चंद रोज पहले ही, पहलगाम में ही आतंकवादियों के हाथों मारे गए नौसेना अधिकारी की विधवा, हिमांशी नरवाल को इसी संघी ट्रोल सेना ने सिर्फ इतना कहने के लिए बुरी तरह से ट्रोल किया था कि हमें न्याय चाहिए, लेकिन हम नहीं चाहते हैं कि कश्मीरियों के, मुसलमानों के पीछे पड़ जाया जाए। और यह भी संयोग ही नहीं है कि हिमांशी नरवाल और मिस्री की पुत्री, दोनों को ही उनके जेएनयू नेक्शन के हवाले से इस ट्रोलिंग का निशाना बनाया गया है।बेशक, जिस तरह से यह युद्धविराम हुआ है, इस संघी ट्रोल सेना में ही नहीं, आम लोगों में भी उस पर काफी असंतोष है। इस असंतोष की एक वजह तो यह युद्धविराम, अमेरिका के हस्तक्षेप से होना ही है। सभी जानते हैं कि शिमला समझौते के बाद से भारत इस रुख पर दृढ़ रहा है कि भारत-पाकिस्तान के बीच जो भी विवाद हैं, जिसमें कश्मीर विवाद भी शामिल है, द्विपक्षीय मामला ही हैं और इसमें किसी तीसरे पक्ष का दखल मंजूर नहीं है। इसने, कश्मीर के मुद्दे का अंतर्राष्ट्रीयकरण करने की पाकिस्तान की कोशिशों से भारत को निजात दिलायी है। लेकिन, अमरीकी राष्ट्रपति, उपराष्ट्रपति तथा विदेश सचिव के सार्वजनिक बयानों के बाद, इसमें किसी संदेह की गुंजाइश नहीं रह गयी है कि अमेरिका की मध्यस्थता में ही यह युद्धविराम हुआ है। और यह भारत के बहु-प्रचारित रुख के लिए एक बड़ा धक्का है।लेकिन, आम नाराजगी सिर्फ अमेरिका के दखल के लिए गुंजाइश बनाए जाने पर ही नहीं है। नाराजगी खुद इस युद्धविराम को लेकर भी है। सैन्य मामलों के विशेषज्ञों से लेकर, आम लोग यह समझ पाने में असमर्थ हैं कि आखिरकार, इस ऑपरेशन सिंदूर का हासिल क्या है? सैन्य मामलों के जानकार, जीत और कामयाबी के दावों को ज्यादा महत्व देने के लिए तैयार नहीं हैं। और इनमें जंगबंदी पर भावनात्मक प्रतिक्रिया करने वालों और अनाप-शनाप मांगें करने वालों से अलग, ऐसे वस्तुगत नजरिया अपनाने वाले भी शामिल हैं, जो यह जानते भी हैं और मानते भी हैं कि ऐसी लड़ाइयों का अंत, युद्धविराम में ही होता है और युद्ध जितना कम चले और युद्धविराम जितना जल्दी हो, सभी के लिए उतना ही बेहतर होता है।

इस जंगबंदी से उठने वाला असली मुद्दा यह है कि अगर इस तरह के परिणामों पर ही जंगबंदी होनी थी, तो क्या जंग शुरू किए जाने की रणनीति ही गलत नहीं थी? बेशक, पहलगाम की नृशंसता को बिना दंड के नहीं छोड़ा जा सकता था। लेकिन, इसके लिए जो रणनीति आपरेशन सिंदूर के नाम से मोदी सरकार ने अपनायी, वह इकलौती रणनीति तो नहीं थी। इससे भिन्न, क्या 26/11 के बाद भारत द्वारा अपनायी गयी रणनीति ही कहीं बेहतर नहीं थी, जिसमें मुंबई पर हमला करने वाले सभी आतंकवादियों को न सिर्फ मार गिराया गया था और जिंदा पकड़े गए इकलौते आतंकवादी अजमल कस्साब को बाकायदा कानूनी प्रक्रिया का पालन कर फांसी दी गयी थी, आतंकवादियों के पाकिस्तान में बैठे हेंडलरों तथा कुल मिलाकर पाकिस्तान की संलिप्तता को भी, व्यापक रूप से बेनकाब करना संभव हुआ था। इसके मुकाबले, मोदी सरकार ने सैन्य ऑपरेशन का जो नाटकीय तरीका अपनाया, उसका हासिल कहीं कम है और कीमत कहीं ज्यादा है। इसके बावजूद, मोदी सरकार ने वही रास्ता अपनाया, जबकि उन्हें बखूबी पता था कि इसका परिणाम ऐसे शस्त्र विराम में होना है।

मोदी सरकार ने आपरेशन सिंदूर का ही रास्ता क्यों अपनाया, इसका कारण समझना कोई बहुत मुश्किल भी नहीं है। इन कारणों की शुरूआत, पहलगाम की घटना के लिए जिम्मेदार, भारी सुरक्षा चूक पर पर्दा डालने की जरूरत से होती है। इस सुरक्षा चूक को यह सच और भी खटकने वाला बना देता है कि पिछले छः साल से ज्यादा से जम्मू-कश्मीर में वास्तविक सत्ता केंद्र सरकार के हाथों में है और इसके लिए वहां तमाम जनतांत्रिक प्रक्रियाओं की इस सरकार ने बाकायदा हत्या की है। इस पर्दापोशी के लिए ही ऑपरेशन सिंदूर का ईवेंट आयोजित किया जाता है, जैसी कि नरेंद्र मोदी की जानी-पहचानी शैली है। और युद्ध के इस ईवेंट का आयोजन यह जानते हुए भी किया जाता है .

लोक प्रेरणा
Email- lokprerna@gmail.com

ज्येष्ठ बड़ा मंगल पर्व पर बजरंगबली मंदिरों में भक्तों की भीड़

भाजपा नेता पंकज गुप्ता के विशाल भंडारे में पहुचे विभिन्न पार्टियों के नेता

लोक प्रेरणा

बाराबंकी। पूरे जनपद में ज्येष्ठ का बड़ा मंगल पर्व बड़े धूमधाम से मनाया गया। बजरंगबली के मंदिरो पर भक्तों ने कतार लगा करके प्रसाद चढ़ाया और अपनी मनोकामना पूरी करने की अरदास भी लगायी। वहीं हनुमान भक्तों ने जगह-जगह भण्डारे लगाकर प्रसाद भी वितरित किया। जानकारी के अनुसार, ज्येष्ठ के पहले बड़े मंगल पर्व पर नगर के धनोखर चौराहे पर स्थित विजयी हनुमान मंदिर पर दर्शन करने और प्रसाद चढ़ाने के लिए हजारो की संख्या में बजरंगबली के भक्त सुबह 4 बजे से ही कतार लगा करके मंदिर के बाहर खड़े हो गये थे। गेट खुलने के बाद सभी भक्तों ने बारी बारी से भगवान बजरंगबली के दर्षन किये और प्रसाद चढ़ाया। भक्तों को कोई दिक्कत न हो इसलिए कोतवाली नगर के प्रभारी निरीक्षक अपनी पूरी टीम के साथ में मंदिर के आस पास कड़ी सुरक्षा व्यवस्था बना रखी थी। वहीं हनुमान भक्तों ने छाया चौराहा, पुलिस लाइन चौराहा, रेलवे स्टेषन चौराहा, पटेल चौराहा, नाका सतरिख, पल्हरी चौराहा, बड़ेल चौराहा, कोतवाली

नगर सहित नगर के सैकड़ो स्थानो पर भण्डारे का आयोजन किया था। कहीं पर सब्जी पूड़ी तो कहीं पर छोला चावल और कहीं पर बूंदी और शरबत पिलाया जा रहा था। अधिकांश भण्डारे भक्तों ने सुबह शुरू किये और देर शाम तक प्रसाद वितरण का काम चलता रहा। इसके अलावा तहसील रामसनेहीघाट, दरियाबाद, टिकैतनगर, बदोसरांय, रामनगर, सूरतगंज, फतेहपुर, बड्डुपुर, निन्दूरा, कुर्सी, सिद्धौर, जैदपुर, मसौली, देवा, हरख, असन्द्रा बाजार, नई सड़क तिराहा, सुबेहा, हैदरगढ़, त्रिवेदीगंज और भिलवल स्थित कस्बो में हनुमान मंदिरो में भक्तों का जनसैलाब उमड़ पड़ा था मंदिरो में सुंदरकाण्ड और हनुमान चालीसा पढ़ी जा रही थी तो वहीं भक्त मंदिर परिसर में ही बैठ करके पूजा अर्चना कर रहे थे। वहीं ज्येष्ठ माह के प्रथम बड़े मंगल के शुभ अवसर पर विभिन्न भंडारों में समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय सचिव अरविंद कुमार सिंह गोप ने उपस्थित होकर बजरंगबली के दर्शन कर आशीर्वाद प्राप्त किया। और लोगों को प्रसाद वितरण करते हुए स्वयं भी प्रसाद ग्रहण किया। शहर के देवा रोड स्थित भाजपा नेता पंकज गुप्ता पाकी के यहां पहुंच कर भंडारे में प्रसाद वितरण किया। सफदरगंज स्थित रॉयल आर्किड मोटल लॉन पर सुरेश सिंह चौहान के यहां पहुंचकर भंडारे में सम्मिलित हुए और प्रसाद वितरण करते हुए स्वयं प्रसाद ग्रहण किया। इस अवसर पर मौजूद लोगों में पूर्व विधायक राम गोपाल रावत, अजय वर्मा बबलू, चेयरमैन प्रतिनिधि सुरेन्द्र सिंह वर्मा, नसीम कीर्ति, जिला बार एसोसिएषन के अध्यक्ष नरेंद्र सिंह वर्मा, हशमत अली गुड्डू, आदि तमाम लोग उपस्थित रहे। वही सिरौलीगौसपुर संवाद्दाता अनुसार, ज्येष्ठ मास के पहले बड़े मंगलवार को क्षेत्र में भक्ति और सेवा भाव का जोर रहा। सुबह से हनुमान मंदिरों पर भक्तों की भीड़ लगी रही। जगह जगह सुन्दर काण्ड के पाठ और भंडारे के आयोजन किए गए। पंजरौली चौराहे पर स्थित हनुमान मंदिर पर आशीष वर्मा के नेतृत्व में सुंदरकांड पाठ, कन्या भोज और भव्य भंडारे का आयोजन किया गया। सुबह 11 बजे से शुरू हुए सुंदरकांड पाठ के बाद हवन-पूजन और कन्या भोज के साथ भंडारा प्रसाद वितरण शुरू किया गया। जिसमें श्रद्धालुओं ने बड़े भाव से भाग लिया। शिक्षक शिवा मिश्रा ने सिरौली गौसपुर तहसील के सामने प्रसाद वितरण की व्यवस्था संभाली की। जिसमें छोले, चावल और पूडी का स्वादिष्ट प्रसाद श्रद्धालुओं को वितरित किया गया। भंडारे में क्षेत्रवासियों की भारी भीड़ देखने को मिली। रसूलपुर में डॉ. रामानंद वर्मा द्वारा भंडारे का आयोजन किया गया। जिसमें पूड़ी, सब्जी, चावल, बूंदी और शरबत का प्रसाद वितरित किया गया। इसी तरह बदोसरांय कस्बे में सुशील यादव द्वारा सुन्दर काण्ड पाठ के बाद भाडारा आयोजित किया गया।कार्यक्रम में अमित कुमार वर्मा, विनोद कुमार वर्मा, अस्मित कुमार वर्मा, राजीव कुमार वर्मा, मंशाराम, संजय कुमार, सोनू सिंह, संतोष कुमार सिंह सहित अनेक श्रद्धालु और सेवाभावी लोग उपस्थित रहे।धुसेडिया, मदारपुर, मीरापुर, कोटवाधाम, रानीकटरा, बरौलिया, रसूलपुर समेत दर्जनों गांवों में बड़े मंगल के अवसर पर भंडारे आयोजित किए गए।

संक्षिप्त खबरें

जीबीएस कालेज में टेंपलेट वितरण हुआ

सिरौलीगौसपुर बाराबंकी। जीबीएस कालेज दुल्हादेपुर में मंगलवार को टैबलेट वितरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया।कार्यक्रम मे आईटीआई के 30 छात्र-छात्राओ को टैबलेट प्रदान किए गए।विभागाध्यक्ष हिमांशु सिंह ने कार्यक्रम में छात्रों को संबोधित किया।उन्होने कहाकि यह सरकार की डिजिटल इंडिया से युवाओं को जोड़ने की महत्वपूर्ण पहल है।सिंह ने छात्रो को टैबलेट का सदुपयोग करने की सलाह दी।विभागाध्यक्ष ने छात्रो से कहाकि वे इन टैबलेट का उपयोग अपनी पढ़ाई और ज्ञान वर्धन के लिए करे।उन्होने बताया कि इससे छात्र अपनी शिक्षा में प्रगति कर सकेंगे।साथ ही अपने विद्यालय और परिवार का नाम रोशन कर सकेंगे।कार्यक्रम मे आकिब सहित कॉलेज के अन्य शिक्षक भी मौजूद रहे।टैबलेट पाकर छात्र-छात्राएं प्रसन्न नजर आए।ज्येष्ठ मास के पहले बड़े मंगल के अवसर पर कॉलेज मे सुंदरकांड पाठ का आयोजन किया गया।कार्यक्रम में विद्यालय प्रबंधन सहित विद्यालय के अध्यापक व छात्र-छात्राएं मौजूद रहे।

पुलिस अधीक्षक के आदेश पर पुलिस ने 6 वँचित अभियुक्त गिरफ्तार

लोक प्रेरणा

बाराबंकी। नवागत पुलिस अधीक्षक अर्पित विजयवर्गीय के आदेश पर जनपद के विभिन्न थानों की पुलिस द्वारा अपराधियों के खिलाफ अभियान चलाकर कुल 6 वांछित अपराधियों को गिरफ्तार किया गया है और सभी को जेल रवाना कर दिया है। थाना कुर्सी पुलिस ने एक वांछित शातिर चोर पवन गौतम पुत्र टीकाराम निवासी ग्राम अल्लीपुर गुग्गौर थाना कुर्सी को गिरफ्तार किया। पुलिस ने उसके पास से चोरी का मोबाइल बरामद किया। थाना कोठी पुलिस ने एक वांछित अपराधी अखिलेश पुत्र संग्राम निवासी ग्राम फुसलौना को अवैध हसिया के साथ पकड़ा। रामनगर में भी पुलिस ने अभियुक्त कृष्ण कुमार उर्फ किशुन यादव पुत्र रामनरायन निवासी अशोकपुर तो मसौली पुलिस ने दो वांछित अभियुक्त लालजी पुत्र स्व0 सियाराम निवासी ग्राम कन्धईपुर मजरे सुरसण्डा व अभियुक्ता मुन्नी पत्नी स्व0 शोभालाल निवासिनी ग्राम भट्टपुरवा को गिरफ्तार किया। थाना देवा पुलिस ने भी अभियुक्त मोहम्मद आमिर पुत्र कमरुद्दीन निवासी ग्राम जबरीखुर्द थाना कुर्सी को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने सभी अभियुक्तों को जेल भेज दिया है।

मसौली पुलिस ने निकाला फ्लैग मार्च

लोक प्रेरणा

मसौली बाराबंकी। पहलगाम आतंकवादी हमले के बाद भारतीय सशस्त्र बलों द्वारा किए गए जवाबी हमले, ऑपरेशन सिंदूर, के प्रति समर्थन प्रदर्शित करने के लिए मंगलवार को थाना सफदरगंज के संवेदनशील इलाको मे पुलिस फ्लैग मार्च निकाला गया। पुलिस अधीक्षक अर्पित विजयवर्गीय के निर्देशन मे आपरेशन सिंदूर के दृष्टिगत मौजूदा स्थिति एवं सेना के सम्भावित मूवमेंट व महत्वपूर्ण प्रतिष्ठानों की सुरक्षा हेतु जनपद में शांति, सुरक्षा व कानून व्यवस्था को सुदृढ़ बनाए रखने हेतु मंगलवार को प्रभारी निरीक्षक अरुण प्रताप सिंह की अगुवाई मे संवेदनशील कस्बा रामपुर कटरा मे फ्लैग मार्च निकाल कर आमजनमानस को सुरक्षा का एहसास कराया ।

इमाम खुमैनी फाउंडेशन काजमी एजुकेशन और लेप्रोसी मिशन के तत्वाधान में नेत्र शिविर आयोजित

लोक प्रेरणा

सिरौलीगौसपुर बाराबंकी। किन्तूर क्षेत्र में एक बार फिर इंसानियत और सेवा ने मिलकर वो काम कर दिखाया जिसे अल्फाज में बयाँ करना मुश्किल है।गरीबों का आँखों का नूर लौटा दो नामक इस पुनीत अभियान के तहत इमाम खुमैनी फाउंडेशन,काजमी एजुकेशन वेलफेयर सोसाइटी एवं लेप्रोसी मिशन हॉस्पिटल के संयुक्त प्रयास से आँखों की जांच व मेडिकल कैंप का आयोजन हुआ।जिसने सैकड़ों जरूरतमंदों की ज़िंदगी में एक नई रौशनी भर दी।थाना सफदरगंज अंतर्गत दुर्जनपुर पट्टी मे एडवोकेट नायाब साहब के आवास पर लगे इस विशेष कैम्प मे कुल 67 मरीजो की जांच की गई।जिनमें से 12 मरीज मोतियाबिंद से ग्रस्त पाए गए।इन्हें अगले दिन एंबुलेंस द्वारा ऑपरेशन के लिए लेप्रोसी मिशन हॉस्पिटल रवाना किया जाएगा। इस कदम ने सैंकड़ों आंखों को फिर से देखने की उम्मीद दी है।इस कैंप में 35 जनरल मरीजों की भी जांच की गई, जिनका उपचार डॉ रेहान काजमी ने किया।उनका सेवा भाव,विनम्रता और गरीबों के लिए समर्पण आज पूरे क्षेत्र में चर्चा का विषय बना हुआ है।इस नेक पहल को सफल बनाने में जिन चिकित्सकों की भूमिका सराहनीय रही उनमे डॉ गरीमा,मुमताज अहमद,जाकिर अली,तालीब हुसैन,डॉ. मीजान खान आदि शामिल थे।गौरतलब है कि यह पाँचवां चिकित्सा शिविर था जो इस मुहिम के तहत आयोजित हुआ।हर कैंप मे बढ़ती हुई भागीदारी इस बात का सबूत है कि जब मकसद नेक हो, तो कदमों में दूरी नहीं रहती।इस अभियान ने न सिर्फ आँखों का इलाज किया, बल्कि दिलों में उम्मीद का दिया भी जलाया।गाँव-गाँव में यह संदेश फैल गया है कि आज भी हमारे समाज में ऐसे लोग और संस्थाएँ मौजूद हैं जो बिना किसी स्वार्थ के, सिर्फ इंसानियत के नाम पर सेवा कर रही हैं।यह सिर्फ एक कैंप नहीं, बल्कि उन बेआवाज चीखों की सुनवाई है, जिनकी आंखें तो थीं पर उनमें रौशनी नहीं थी।आज जब वो आंखें फिर से दुनिया को देख पाएंगी, तो हर मरीज की दुआ उन तमाम लोगों के लिए होगी, जो इस मुहिम मे भागीदार बने।इमाम खुमैनी फाउंडेशन और उसके सहयोगी संगठनों को सलाम, जिनकी वजह से गरीबो की ज़िंदगी मे फिर से उजाला लौट रहा है।

कबाड़ में लगी आग की चपेट में आकर आठ झुग्गियां जलकर खाक

लोक प्रेरणा

गाजियाबाद। मधुबन बापूधाम थाना क्षेत्र के सदरपुर-रहीसपुर मार्ग स्थित खाली पड़ी जमीन में पड़े कबाड़ के ढेर में सोमवार की दोपहर आग लग गई। 40 डिग्री तापमान में आग ने विकराल रूप धारण कर लिया और वहीं बनी झुग्गियों को भी अपनी चपेट में ले लिया। जब तक दमकल विभाग की टीम मौके पर पहुंची तब तक आठ झुग्गी और उनमें रखा सामान जल चुका था। हालांकि अलग-अलग स्टेशन से पहुंची दमकल विभाग की पांच यूनिट ने आग पर जल्द ही काबू पा लिया और आगे को बढ़ने से रोक दिया।सीएफओ राहुल पाल ने बताया कि सोमवार की दोपहर करीब साढ़े बारह बजे सूचना मिली कि केशव कुंज कालोनी स्थित खाली पड़े मैदान में कबाड़ और झुग्गियों में आग लग गई है। घटनास्थल पर पहुंची दमकल विभाग की टीम ने करीब एक घंटे कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया।

सीबीएसई बोर्ड हाई स्कूल में परीक्षा कुनाल 90 तो वरिशा ने 87% अंक हासिल किया

लोक प्रेरणा

बाराबंकी-फतेहपुर में एक छात्र ने अपनी मेहनत से सफलता का परचम लहराया है। वन विभाग के डिप्टी रेंजर जितेंद्र सिंह के पुत्र कुनाल चौधरी ने सीबीएसई बोर्ड की हाई स्कूल परीक्षा में परचम लहराया हैं बचपन में क्लास आठ तक की शिक्षा बाला जी का बचपन विद्यालय, बाराबंकी से प्राप्त की इसके पश्चात वर्तमान में लखनऊ स्थित जयपुरिया में कक्षा दशवी सीबीएसई बोर्ड में 90% अंक लाकर बाराबंकी जिले का नाम रौशन किया है। कुनाल चौधरी पढ़ाई के साथ-साथ तीरंदाजी में राष्ट्रीय स्तर पर रजत पदक प्राप्त कर चुके है। कुनाल का कहना है कि उनकी इस उपलब्धि में इनकी माता का बहुत

बड़ा योगदान है। जैदपुर सीबीएसई बोर्ड के इंटरमीडिएट और हाई स्कूल का परिणाम घोषित होते ही छात्र और छात्राओं के चेहरे पर खुशियाँ चमक उठी. बोर्ड के हाई स्कूल मे सेंट ऐंथोनी बाराबंकी की छात्रा वरीशा परवीन ने सत्तासी पर्सेंट मार्क्स लाकर अपने गुरु जनो के साथ माता-पिता का नाम रोशन किया है. वरीशा परवीन ने बडे होकर डाक्टर बन कर देश और समाज की सेवा करना चाहती है शिक्षा के लिए जैदपुर से बाराबंकी रोजाना आने और जाने मे अपने पिता मो सालिम के प्रयाशो की प्रशंसा करती है अपनी सफलता का श्रेय गुरु जनो और माता पिता को देती है। इस मौके पर वरीशा की सफलता से खुश होकर मो आसिम, मो कासिम सभासद, अजमी रिजवी, अकरम खान, मो फरजान खान, मो शादाब, सलीम, मो सगीर, मो हबीब बाबा आदि लोगो ने मुँह मीठा कराकर बधाई दी.

पड़ोसियों ने महिला पर किया लाठी डंडे से हमला

लोक प्रेरणा

मसूरी। थाना क्षेत्र के ग्राम ढ़बारसी निवासी महिला को पड़ोसियों के खिलाफ पुलिस को शिकायत करना भारी पड़ गया। पीड़ित महिला के घर पहुंचने पर पड़ोसियों ने महिला को लाठी डंडों से पीटकर घायल कर दिया। पुलिस से शिकायत करने पर जान से मारने की धमकी देकर गए। फरजाना ने पुलिस को दी तहरीर में आरोप लगाए हैं कि उसने अपने पड़ोस में रहने वाले आस मोहम्मद के खिलाफ गाली गलौज व मारपीट करने का एक शिकायती पत्र पुलिस के उच्च अधिकारी को दिया था। जिसकी पूछताछ के लिए महिला को मसूरी थाने में बुलाया गया था आरोपी आस मोहम्मद को भी बुलाया मगर वह थाने में नहीं पहुंचा।

भारतीय जनता पार्टी महानगर द्वारा मंडल प्रवासियों की घोषणा

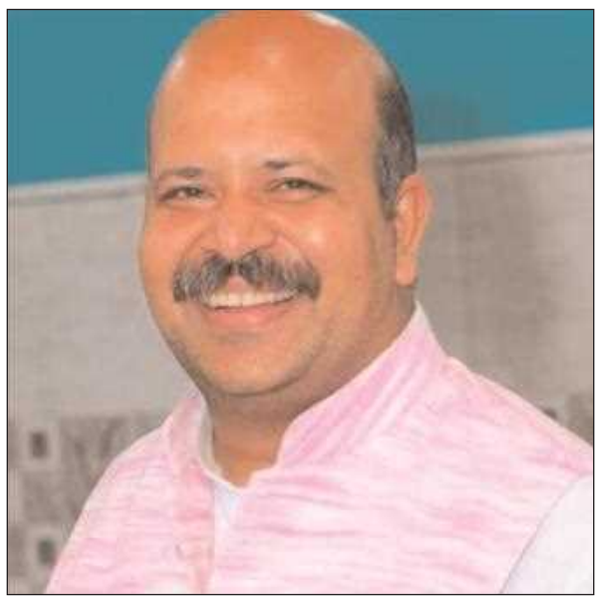

लोक प्रेरणा

गाजियाबाद। भारतीय जनता पार्टी महानगर अध्यक्ष मयंक गोयल द्वारा शीर्ष नेतृत्व के आह्वान पर मंडल अध्यक्षों के गठन की प्रक्रिया को पूर्ण करने के उद्देश्य से मंडल प्रवासियों की घोषणा की गई है। यह निर्णय मंडलों में पूर्व से नियुक्त मंडल प्रभारियों के साथ समन्वय स्थापित करते हुए लिया गया है, जिससे संगठनात्मक गतिविधियों को और अधिक प्रभावी व सुव्यवस्थित रूप में आगे बढ़ाया जा सके।

घोषित मंडल प्रवासी निम्नलिखित हैं:

1. मुरादनगर देहात -राजेश त्यागी
2. मुरादनगर शहर -राजन आर्य
3. राजनगर - संजीव झा
4. कविनगर -विनोद कसाना
5. भौपुरा - प्रदीप चौधरी
6. शालीमार गार्डन - संजय कांत शर्मा
7. लाजपत नगर - साहिब सिंह सिरोही
8. ब्रजविहार - भानू शिशौदिया
9. वसुंधरा - अजय शर्मा
10. इन्द्रापुरम - अमित रंजन
11. खोड़ा मकनपुर- गुंजन शर्मा
12. खोड़ा- जयनन्द शर्मा
13. अर्थला मोहन नगर - जयकमल अग्रवाल
14. नंदग्राम - सच्चिदानंद शर्मा
15. कासिंग - नवनीत मित्तल
16. प्रताप विहार - प्रह्लाद दूआ
17. विजय नगर - देवेंद्र यादव
18. शहर - गौरव चौपड़ा
19. गाँधीनगर - रोबिन तोमर

महानगर अध्यक्ष मयंक गोयल ने सभी नियुक्त मंडल प्रवासियों को बधाई देते हुए अपेक्षा की कि वे संगठन के कार्यों को मजबूती प्रदान करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे और अपने-अपने मंडलों में संगठन को और अधिक सशक्त बनाएंगे।

राज्य मंत्री नरेंद्र कश्यप ने प्रताप विहार गेस्ट हाउस में की अधिकारियों के साथ बैठक

लोक प्रेरणा

गाजियाबाद । मंगलवार को उत्तर प्रदेश सरकार के स्वतंत्र प्रभार राज्य मंत्री पिछड़ा वर्ग कल्याण एवं दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग उत्तर प्रदेश नरेंद्र कश्यप द्वारा जल निगम गेस्ट हाउस विजयनगर में जिले के प्रमुख अधिकारियों के साथ बैठक की। इस दौरान उन्होंने पुलिस कमिश्नर जे रविंदर गौड जिलाधिकारी दीपक मीणा, मुख्य विकास अधिकारी, अपर नगर आयुक्त, एआरटीओ व आरटीओ को दिशा निर्देश दिए हैं। उत्तर प्रदेश सरकार के मंत्री नरेंद्र कश्यप ने कहा है कि इस दौरान कई महत्वपूर्ण विषयों पर जानकारी ली गई है।उत्तर प्रदेश सरकार के स्वतंत्र प्रभार राज्य मंत्री पिछड़ा वर्ग कल्याण एवं दिव्यांगजन से शक्तिकरण के प्रभारी नरेंद्र कश्यप ने कहा है कि पिछड़ों और दिव्यांगजनों के लिए जो भी सरकारी योजना हैं। अधिकारी

उसको गंभीरता से लें, ऐसे लोगों को उनके हक दिलवाए जाए। उनके द्वारा की जा रही शिकायतों पर एक्शन लिया जाए और लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। मंत्री नरेंद्र कश्यप ने विजयनगर प्रताप विहार स्थित जल निगम गेस्ट हाउस में अधिकारियों से बातचीत करते हुए पुलिस कमिश्नर जे रविंदर गौड़ से अपराध नियंत्रण के लिए महत्वपूर्ण कदम उठाने का निर्देश दिया है। तो वही साइबर क्राइम हर हाल में कंट्रोल हो। इनके पीड़ितों को परेशान ना होना पड़े। वहीं महिला अपराध के मामले में आरोपियों पर मेहरबानी ना हो। शहर जाम मुक्त बने इसके लिए लाल कुआं से लेकर अन्य महत्वपूर्ण स्थान जहां जाम की स्थिति रहती है वहां दौरा कर हल निकाला जाए। इसके साथ ही अगर नई सड़क बनाने की आवश्यकता पड़ रही है, तो संबंधित विभागों के लिए पत्राचार किया जाए।उत्तर प्रदेश सरकार के स्वतंत्र प्रभार राज्य मंत्री नरेंद्र कश्यप ने जल निगम स्थित गेस्ट हाउस में बैठक के दौरान अधिकारियों को साफ शब्दों में कहा है कि वह जीरो टॉलरेंस की नीति का पालन करें। उन्होंने कहा कि जिस तरीके से मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की सरकार विकास और सबका साथ, सबका सम्मान और सबमें विश्वास की बात करती है, यह अधिकारियों के स्तर से भी किया जाना चाहिए। बैठक के दौरान उन्होंने शहर में गंदगी, सफाई, पेयजल और विकास कार्यों से संबंधित विषयों पर भी अधिकारियों से अपडेट लिया है।

डकैती की योजना बनाते सात शातिर अपराधी गिरफ्तार

लोक प्रेरणा

मिल्कीपुर।कुमारगंज थाना क्षेत्र में एसओजी और कुमारगंज पुलिस की संयुक्त कार्रवाई में बड़ी सफलता हाथ लगी है।डकैती की योजना बनाते हुए सात शातिर अपराधियों को रंगे हाथों गिरफ्तार किया गया है।उनके कब्जे से तमंचा,कारतूस,चाकू,लोहे की रॉड, आला नकब,आरी ब्लेड,पेचकस, पिलास,रिंच और कई मोबाइल फोन बरामद किए गए हैं।सभी आरोपी बिहार के रहने वाले हैं। मुखबिर से सूचना मिली कि कुछ बाहरी अपराधी गोकुला गांव के पास डकैती की योजना बना रहे हैं।सूचना के आधार पर 09 मई की रात लगभग 2 बजे टीम ने घेराबंदी कर सातों अभियुक्तों को गिरफ्तार किया। पूछताछ में आरोपियों ने कबूल किया कि वे पहले गांव में जेवर साफ करने के बहाने घरों की रेकी करते हैं और फिर चिन्हित घरों में चोरी या डकैती को अंजाम देते हैं।

डंपिंग ग्राउंड के कूड़े की बदबू से स्थानीय निवासी हो रहे हैं परेशान

लोक प्रेरणा

गाजियाबाद। राजनगर एक्सटेंशन में रहने वाले लोगों को इस समय एक बड़ी समस्या का सामना करना पड़ रहा है। क्षेत्र में एक हल्की बदबू वातावरण में आ रही है, जिसका कारण राजनगर एक्सटेंशन से करीब 5 किलोमीटर दूर पाइपलाइन रोड पर मकरेडा और बहादुरपुर गांव के बीच में नगर निगम के द्वारा स्थापित डंपिंग ग्राउंड से आ रही है।जब डंपिंग ग्राउंड की तरफ से हवा राजनगर एक्सटेंशन की तरफ होती है, तो बदबू पूरे सेक्टर 23, संजय नगर, राज नगर, कवि नगर, और कलेक्टरेट तक महसूस की जाती है। फ्लैट ओनर्स फेडरेशन गाजियाबाद राजनगर एक्सटेंशन इकाई के अध्यक्ष राजकुमार त्यागी ने कहा है कि इस समस्या से होने वाली परेशानियों के निराकरण के लिए शासन प्रशासन को तुरंत कदम उठाने चाहिए।मीडिया प्रभारी मनोज अग्रवाल ने बताया कि कुछ दिनों पहले इसी कूड़े के पहाड़ रूपी ढेर में आगजनी की घटना भी हुई थी।

मसौली क्षेत्र में प्रथम बड़ा मंगल पर्व पर भंडारे का हुआ आयोजन

लोक प्रेरणा

मसौली बाराबंकी। लाल देह लाली लसे अरू धरि लाल लँगूर।बज्र देह दानव दलन जय जय जय कपि सूर।। जेष्ठ माह के प्रथम बड़ा मंगल के अवसर पर क्षेत्र में जगह जगह भण्डारे एव प्याऊ लगाकर भक्तो को प्रसाद वितरण किया गया तथा भगवतदास हनुमान मंदिर मसौली में मेले का आयोजन किया गया जहाँ पर दूरदराज से आये हजारो भक्तो ने पवनपुत्र हनुमान की पूजा अर्चना कर आरती उतारी। बड़ा मंगल के अवसर पर कस्बा मसौली, बांसा,बड़ागाँव, भयारा, नैनामऊ, सादरुद्दीनपुर,सफदरगंज, दादरा,रसौली सहित ग्रामीण अंचलों में जगह जगह प्याऊ लगाकर सर्बत पिलाया गया वही पूड़ी,बूंदी का वितरण किया गया। कस्बा मसौली के प्राचीन भगवतदास हनुमान मंदिर

पर मेले का आयोजन किया। ट्रैक्टर ट्रालियों से आये हजारो भक्तो ने पवनपुत्र की पूजा अर्चना की। तथा मंदिर के पुजारी रामलाल दास ने भक्तो को प्रसाद वितरण कर आशीर्वाद दिया। ग्राम बड़ागांव मे स्थित हनुमान मंदिर पर पूड़ी सब्जी का वितरण किया गया। ग्राम पंचायत रसौली स्थित विशाल ढाबे पर भंडारे का आयोजन किया गया । राजेंद्र प्रसाद, सत्यनाम, विक्रम चौधरी, राधेश्याम, भरत यादव, विशाल कुमार, जसवंत सिह, सोनावती बीडीसी चेतराम सहित समस्त स्टाफ के लोगो ने प्रसाद का वितरण किया। बड़ागांव मे रामप्रवेश वर्मा द्वारा अपने आवास पर भंडारे का आयोजन किया।

डब्ल्यूटीसी फाइनल के लिए दक्षिण अफ्रीका की टीम घोषित, एनगिडी की वापसी

एजेंसी

नई दिल्ली। दक्षिण अफ्रीका ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ विश्व टेस्ट चैंपियनशिप (डब्ल्यूटीसी) 2023-25 फाइनल के लिए अपनी टीम की घोषणा कर दी है। टेम्बा बावुमा 15 सदस्यीय टीम की अगुआई करेंगे, जिसमें तेज गेंदबाज लुंगी एनगिडी की भी वापसी हुई है, जो चोट के कारण गर्मियों में घरेलू सीरीज से बाहर रहे थे।एनगिडी तेज गेंदबाजी लाइनअप में शामिल हो गए हैं, जिसमें कगिसो रबाडा, मार्को जेनसन, डेन पैटरसन और कॉर्बिन बॉश शामिल हैं। केशव महाराज सेनुरन मुथुसामी के साथ स्पिन विभाग संभालेंगे। मुख्य कोच शुकरी कॉनराड ने कहा, पिछले 18 महीनों में, हमने एक प्रतिस्पर्धी रेड-बॉल इकाई बनाने के लिए कड़ी मेहनत की है और यह उपलब्धि उस प्रगति को दर्शाती है। उन्होंने कहा, हमारी सफलता का एक महत्वपूर्ण हिस्सा चयन में निरंतरता है और हम उन खिलाड़ियों के मुख्य समूह के साथ बने हुए हैं जो इस डब्ल्यूटीसी चक्र का हिस्सा रहे हैं। हमने लॉर्ड्स में अपेक्षित परिस्थितियों के लिए एक संतुलित टीम का चयन किया है। डब्ल्यूटीसी फाइनल 11 जून से लॉर्ड्स में होगा।

डब्ल्यूटीसी फाइनल के लिए दक्षिण अफ्रीकी टीम इस प्रकार है-

टेम्बा बावुमा (कप्तान), टोनी डी जोरजी, एडेन मार्करम, वियान मुल्डर, मार्को जेनसन, कगिसो रबाडा, केशव महाराज, लुंगी एनगिडी, कॉर्बिन बॉश, काइल वेरिन, डेविड बेडिंघम, ट्रिस्टन स्टब्स, रयान रिकेल्टन, सेनुरन मुथुसामी, डेन पैटरसन।

फ्रेंच ओपन 2025 से पहले जोकोविच और कोच एंडी मरे हुए अलग

नई दिल्ली। सर्बियाई टेनिस चैंपियन नोवाक जोकोविच और एंडी मरे ने छह महीने के बाद अपनी कोचिंग साझेदारी समाप्त कर दी है। इसकी घोषणा सोशल मीडिया पर की गई है। जोकोविच ने इंस्टाग्राम पर लिखा, कोच एंडी, पिछले छह महीनों में कोर्ट पर और बाहर की सारी मेहनत, मौज-मस्ती और समर्थन के लिए आपका धन्यवाद। मुझे हमारी दोस्ती को और गहरा करने में बहुत मजा आया।पूर्व विश्व नंबर एक मरे इस साल के ऑस्ट्रेलियन ओपन से कुछ समय पहले कोच के रूप में अपने पूर्व ऑन-कोर्ट प्रतिद्वंद्वी के साथ शामिल हुए, जहां जोकोविच अलेक्जेंडर जेवरेव से हारने से पहले सेमीफ़ाइनल में पहुंचे थे। हालांकि, यह साझेदारी अब नहीं रहेगी क्योंकि जोकोविच क्ले सीजन के दौरान अपने खराब फॉर्म को कम करने की कोशिश कर रहे हैं, जिसकी शुरुआत अगले सप्ताह जिनेवा ओपन से होगी और 25 मई को रोलैंड गैरोस में अपने चौथे फ्रेंच ओपन खिताब की तलाश में हैं। मरे ने कहा, नोवाक को साथ काम करने के अविश्वसनीय अवसर के लिए धन्यवाद और पिछले छह महीनों में उनकी कड़ी मेहनत के लिए उनकी टीम को धन्यवाद। मैं नोवाक को बाकी सीजन के लिए शुभकामनाएं देता हूं।

आईपीएल 2025: गुजरात टाइटन्स ने अहमदाबाद में प्रशिक्षण सत्र किया आयोजित

नई दिल्ली। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2025 के 17 मई से फिर से शुरू होने के साथ ही गुजरात टाइटन्स (जीटी) अपने घरेलू मैदान अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में प्रशिक्षण के लिए लौट आई है। पिछले हफ्ते भारत और पाकिस्तान के बीच बढ़ते सीमा पार तनाव के कारण भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने टूर्नामेंट के बाकी मैचों को एक सप्ताह के लिए स्थगित कर दिया था। जीटी के कप्तान शुभमन गिल, तेज गेंदबाज मोहम्मद सिराज, बल्लेबाज साई सुदर्शन, वाशिंगटन सुंदर और शेरफेन रदरफोर्ड सत्र में उपस्थित थे। टाइटंस वर्तमान में 11 मैचों में से आठ जीत और 0.793 के नेट रन रेट के साथ अंक तालिका में शीर्ष पर है। संशोधित कार्यक्रम के अनुसार, जीटी का अगला मुकाबला दिल्ली में दिल्ली कैपिटल्स से होगा और फिर अहमदाबाद लौटकर लखनऊ सुपर जायंट्स और चेन्नई सुपर किंग्स के खिलाफ़ अपने लीग चरण का समापन करेगी।

बरौनी की फुटबॉल क्रांति : दिल की चोट बनी जीत की विरासत

बेगूसराय/पटना। बिहार के बेगूसराय की फिजाओं में फुटबॉल का रंग घुला है और यह सिर्फ फ्लाईओवर के खंभों पर लिखा एक नारा नहीं है, यह एक खामोश क्रांति की दास्तान है, जो बिहार के एक गुमनाम कोने में टूटी हड्डियों और आहत स्वाभिमान के साथ शुरू हुई थी। राजधानी पटना की भागदौड़ से दूर बरौनी के एक शांत मुहल्ले में फुटबॉल यूं ही नहीं आ गई। इसे अपनी पहचान बनाने के लिए संघर्ष करना पड़ा। स्वतंत्रता सेनानी यमुना भगत की विरासत के रूप में पहचाना जाने वाला यह मैदान लगभग 80 साल पहले फुटबॉल का अप्रत्याशित घर बन गया था। वहीं, इस कहानी का असली मोड़ वर्ष 1990 में आया, जब स्थानीय लड़कियों की एक अनुभवहीन और आत्मविश्वास से रहित टीम एक प्रदर्शनी मैच में मुजफ्फरपुर की धुरंधर टीम के सामने बुरी तरह हार गई। यह हार मैदान की 50वीं वर्षगांठ के अवसर पर आयोजित मैच में सिर्फ शारीरिक चोटें नहीं दे गई ।

यूएई नेशनल डे पर शुरू होगा डीपी वर्ल्ड टी20 लीग का चौथा सीजन

एजेंसी

नई दिल्ली। डीपी वर्ल्ड अंतरराष्ट्रीय लीग टी-20 के चौथे संस्करण की शुरुआत इस साल के अंत में 2 दिसंबर को संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) के राष्ट्रीय दिवस के अवसर पर होगी। यह प्रतियोगिता 4 जनवरी 2026 तक चलेगी, जिसमें 6 टीमों के बीच 34 मुकाबले खेले जाएंगे।इस बार टूर्नामेंट का आयोजन उसके पारंपरिक जनवरी-फरवरी समय से पहले किया जा रहा है, क्योंकि अंतरराष्ट्रीय टी-20 विश्व कप फरवरी-मार्च 2026 में होने वाला है। टी-20 लीग के अध्यक्ष और अमीरात क्रिकेट बोर्ड के उपाध्यक्ष खालिद अल जरूनी ने कहा, हमें यह घोषणा करते हुए बेहद खुशी हो रही है कि लीग का चौथा संस्करण यूएई के राष्ट्रीय पर्व ईद-अल-इत्तिहाद पर शुरू होगा। यह दिन यूएई विभिन्न देशों से आए लोगों का घर है और यह लीग हमारे इस

हमारे लिए गर्व का प्रतीक है और दुनियाभर के करोड़ों क्रिकेट प्रेमियों के लिए उत्सव का अवसर भी। विविधता भरे समाज को एकजुट करने का अवसर देती है।

टी-20 लीग के मुख्य कार्यकारी अधिकारी डेविड व्हाइट ने कहा, ÷हमने सभी संबंधित पक्षों से चर्चा के बाद दिसंबर-जनवरी की अवधि तय की है, जिससे विश्व कप से पहले खिलाड़ियों को राष्ट्रीय टीम की तैयारी का पूरा समय मिल सके।÷ उन्होंने आगे कहा, ÷यह समय टीमों को बेहतर खिलाड़ियों की उपलब्धता भी देगा, जिससे मुकाबले और रोमांचक होंगे। पिछले सीजन में दुनियाभर के दिग्गज खिलाड़ी मैदान में नजर आए थे, जिनमें प्रमुख नाम निकोलस पूरन, सैम करन (सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी - लाल बेल्ट), शाई होप (सर्वाधिक रन - हरी बेल्ट), फज़लहक फारूकी (सर्वाधिक विकेट - सफेद बेल्ट), आंद्रे रसेल, सुनील नरेन, डेविड वॉर्नर, टिम साउदी, फखर जमान, और एडम जम्पा के हैं।

पाकिस्तान टीम के नए व्हाइट-बॉल कोच नियुक्त हुए माइक हेसन

एजेंसी

नई दिल्ली। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) ने माइक हेसन को राष्ट्रीय पुरुष टीम का नया व्हाइट-बॉल कोच नियुक्त किया है। न्यूजीलैंड के इस खिलाड़ी को 26 मई को कार्यभार संभालना है और उनके अनुबंध की अवधि अभी तक ज्ञात नहीं है। 50 वर्षीय हेसन के पास कोचिंग का अच्छा अनुभव है। वे 2012-18 तक न्यूजीलैंड पुरुष टीम के प्रभारी रहे हैं। इस अवधि में टीम ने सभी प्रारूपों में अपार सफलता हासिल की। हेसन ने 2019-23 तक इंडियन प्रीमियर लीग में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु में भी काफी सफल कार्यकाल बिताया। वर्तमान में, वह इस्लामाबाद यूनाइटेड के मुख्य कोच हैं, जिसने 2024 पाकिस्तान सुपर लीग का खिताब जीता था।पाकिस्तान के कोच के रूप में हेसन का पहला काम बांग्लादेश के खिलाफ आगामी टी20 सीरीज होगी, लेकिन उन मैचों का शेड्यूल बदल सकता है। वह अकीब जावेद की जगह लेंगे, जिन्होंने अक्टूबर 2024 में गैरी कर्स्टन के अचानक इस्तीफ़े के बाद अंतरिम व्हाइट-बॉल कोच के रूप में काम

किया था। पीसीबी प्रमुख मोहसिन नकवी ने हेसन की प्रशंसा की और उम्मीद जताई कि अनुभवी कोच अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में पाकिस्तान की सफलता की कहानियों को फिर से स्थापित करने में मदद करेंगे। पीसीबी की ओर से जारी विज्ञप्ति में नकवी ने कहा, मुझे न्यूजीलैंड के पूर्व क्रिकेटर और मशहूर कोच माइक हेसन को पाकिस्तान की पुरुष टीम के व्हाइट-बॉल हेड कोच के रूप में नियुक्त करते हुए खुशी हो रही है।

रोहित के टेस्ट से संन्यास के बाद इंग्लैंड दौरे के लिए कप्तानी को लेकर तेज हुई दौड़

एजेंसी

नई दिल्ली। टेस्ट क्रिकेट से रोहित शर्मा के पिछले हफ्ते संन्यास लेने के बाद इंग्लैंड में होने वाली पांच मैचों की टेस्ट सीरीज़ के लिए भारतीय टीम के नए कप्तान को लेकर चर्चा तेज़ हो गई है। जहां एक ओर शुभमन गिल का नाम सामने आ रहा है, वहीं पूर्व भारतीय ऑफ स्पिनर आर. अश्विन ने तेज़ गेंदबाज़ जसप्रीत बुमराह को कप्तानी के लिए मज़बूत दावेदार बताया है।

अश्विन बोले- बुमराह हैं कप्तानी के हकदार

अपने शो 'ऐश की बात' में अश्विन ने कहा, 'इंग्लैंड जाने वाली टीम नई और बदली हुई होगी और उस टीम में शायद बुमराह सबसे सीनियर खिलाड़ी होंगे। वो निश्चित रूप से कप्तानी के विकल्पों में शामिल हैं। मैं मानता हूं कि वो इसके हकदार हैं, लेकिन चयनकर्ता उनके शारीरिक भार को देखकर फैसला लेंगे।

बुमराह को पहले भी मिल चुकी है कमानी

गौरतलब है कि जसप्रीत बुमराह ने 2022 में एजबेस्टन में खेले गए पुनर्निर्धारित पांचवें टेस्ट में भारत की कप्तानी की थी, जब रोहित शर्मा कोविड के कारण टीम से बाहर थे। उस मैच में भले ही भारत को हार मिली थी, लेकिन बुमराह की कप्तानी की काफी तारीफ हुई थी। इसके अलावा बुमराह ने पिछले साल ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ एक टेस्ट मैच में भारत को 295 रन से जबरदस्त जीत दिलाई थी।

फिटनेस होगी सबसे बड़ा सवाल: हालांकि बुमराह की चोटों का इतिहास देखते हुए चयनकर्ता उन्हें फुल-टाइम टेस्ट कप्तान बनाने से पहले उनके वर्कलोड और फिटनेस को लेकर सावधानी बरत सकते हैं।

19 जून से लॉर्ड्स में शुरू होगी सीरीज़

इंग्लैंड के खिलाफ टेस्ट सीरीज़ के लिए भारतीय टीम का ऐलान इसी महीने के अंत तक होने की उम्मीद है। पहला टेस्ट मुकाबला 19 जून से ऐतिहासिक लॉर्ड्स मैदान में खेला जाएगा।

देहरादून करेगा अगले महीने राइफल/पिस्टल स्पर्धाओं के नेशनल सेलेक्शन ट्रायल्स 3 और 4 की मेजबानी

एजेंसी

नई दिल्ली। नेशनल राइफल एसोसिएशन ऑफ इंडिया (एनआरएआई) ने घोषणा की है कि ग्रुप 'ए' निशानेबाजों के लिए राइफल और पिस्टल स्पर्धाओं में नेशनल सेलेक्शन ट्रायल्स 3 और 4 का आयोजन 24 से 30 जून, 2025 तक देहरादून के रायपुर स्थित महाराणा प्रताप स्पोर्ट्स कॉलेज के त्रिशूल शूटिंग रेंज में किया जाएगा। ये ट्रायल्स अगस्त में कजाकिस्तान में होने वाली 16वीं एशियन शूटिंग चैंपियनशिप 2025 और वर्ष के अंत में चीन और मिस्र में होने वाले आईएसएसएफ वर्ल्ड कप के लिए भारतीय टीम चयन में अहम भूमिका निभाएंगे। देश के शीर्ष राइफल और पिस्टल निशानेबाज इन चयन ट्रायल्स में उस आत्मविश्वास के साथ उतरेंगे, जो उन्होंने अर्जेंटीना और पेरू में आयोजित दो चरणों की साउथ अमेरिकन आईएसएसएफ वर्ल्ड कप श्रृंखला में शानदार प्रदर्शन कर अर्जित किया है। इस दौरे में भारतीय निशानेबाजों ने 32 फाइनल मुकाबलों में जगह बनाई, जिसमें मिश्रित टीम स्पर्धाएं भी शामिल थीं, और कुल 15 पदक जीते जिनमें छह स्वर्ण पदक थे।चयन मानदंडों के अनुसार केवल ग्रुप ए में शामिल पात्र निशानेबाजों को ही इन ट्रायल्स में

भाग लेने की अनुमति होगी। नेशनल सेलेक्शन ट्रायल्स 3 और 4 में सभी ओलंपिक राइफल और पिस्टल स्पर्धाओं को शामिल किया जाएगा और इसमें केवल शीर्ष रैंकिंग वाले सीमित संख्या में निशानेबाज ही भाग लेंगे। इसमें 10 मीटर एयर राइफल (पुरुष एवं महिला) और 10 मीटर एयर पिस्टल (पुरुष एवं महिला) में 50-50 स्लॉट, 50 मीटर राइफल थ्री पोजीशन (पुरुष एवं महिला) में 30-30 स्लॉट, 25 मीटर रैपिड फायर पिस्टल (पुरुष) में 20 स्लॉट और 25 मीटर स्पोर्ट पिस्टल (महिला) में 30 स्लॉट होंगे। ट्रायल्स का पहला दिन, 25 जून, ट्रायल-3 के तहत 10 मीटर एयर राइफल पुरुष, 25 मीटर पिस्टल महिला और 50 मीटर थ्री पोजीशन महिला स्पर्धाओं के क्वालिफाइंग राउंड और फाइनल के साथ शुरू होगा। अगले दिन ट्रायल-4 में इन्हीं स्पर्धाओं के क्वालिफाइंग और फाइनल मुकाबले आयोजित किए जाएंगे।

इंग्लैंड दौरे के लिए वेस्टइंडीज महिला टीम घोषित, हेले मैथ्यूज करेंगी कप्तानी

एजेंसी

नई दिल्ली। क्रिकेट वेस्टइंडीज ने आगामी इंग्लैंड दौरे के लिए 15 सदस्यीय महिला टीम की घोषणा कर दी है। यह दौरा 21 मई से 8 जून के बीच खेला जाएगा, जिसमें तीन टी20 अंतरराष्ट्रीय और तीन वनडे मैच शामिल हैं। टीम की कमान एक बार फिर स्टार ऑलराउंडर हेले मैथ्यूज के हाथों में होगी, जबकि शेमेन कैंपबेल उपकप्तान की भूमिका निभाएंगी।

दो नए चेहरों को मिला मौका

इस स्क्वाड में पिछले महीने पाकिस्तान में खेले गए वर्ल्ड कप क्वालिफायर की तुलना में दो बदलाव किए गए हैं। 20 वर्षीय गयाना की ऑलराउंडर रियलियाना ग्रिमंड और सेंट किट्स की तेज गेंदबाज जहांज़ारा क्लैक्सन को टीम में शामिल किया गया है। ये दोनों खिलाड़ी रशाडा विलियम्स (विकेटकीपर-बल्लेबाज) और चिनेल हेनरी (ऑलराउंडर) की जगह टीम का हिस्सा बनी हैं।

13 मई को इंग्लैंड रवाना होगी टीम

वेस्टइंडीज महिला टीम 13 मई को इंग्लैंड रवाना होगी। सीरीज़ की शुरुआत 21 मई को पहले टी20 मुकाबले से होगी, जो द स्पिटफायर ग्राउंड, कैंटरबरी में खेला जाएगा।

पूरा कार्यक्रम

टी20 सीरीज़: पहला टी20 - 21 मई, कैंटरबरी

दूसरा टी20 - 23 मई, होव

वनडे सीरीज़:

पहला वनडे - 30 मई, डर्बी

दूसरा वनडे - 4 जून, लीसेस्टर

तीसरा वनडे - 7 जून, टॉन्टन

वेस्टइंडीज महिला टीम:

हेले मैथ्यूज (कप्तान), शेमेन कैंपबेल (उपकप्तान), आलिया एलेन, जहांज़ारा क्लैक्सन, अफी फ्लेचर, चेरी एन फ्रेजर, शबीका गजनबी, जनीलिया ग्लासगो, रियलियाना ग्रिमंड, जायदा जेम्स, किआना जोसेफ, मैंडी मंगरू, अश्मिनी मुनिसार, करिश्मा रामहरक, स्टेफनी टेलर।

आईसीसी महिला वनडे रैंकिंग में दूसरे स्थान पर पहुंचीं स्मृति मंधाना

एजेंसी

नई दिल्ली। भारतीय महिला क्रिकेट टीम की सलामी बल्लेबाज स्मृति मंधाना ने महिला त्रिकोणीय श्रृंखला के फाइनल में अपनी मैच जिताऊ शतकीय पारी की बदौलत बल्लेबाजों की आईसीसी महिला वनडे रैंकिंग में एक स्थान ऊपर चढ़ते हुए दूसरा स्थान हासिल कर लिया है। श्रीलंका के खिलाफ फाइनल में 116 रन की पारी खेलते हुए मंधाना ने अपनी टीम की जीत में अहम भूमिका निभाई। इससे पहले दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ उन्होंने अर्धशतक भी लगाया था। इस शानदार प्रदर्शन के बाद मंधाना ने 727 रेटिंग अंक प्राप्त किए हैं और वह अब नंबर एक बल्लेबाज लौरा वोल्वार्ड्ट से केवल 11 अंक पीछे हैं। मंधाना की टीम की साथी जेमिमा रोड्रिग्स भी अपनी शानदार 123 रनों की पारी की बदौलत 5 स्थान ऊपर चढ़कर करियर के सर्वोच्च 15वें स्थान पर पहुंच गई हैं। वहीं, दीप्ति शर्मा ने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ 93 रन बनाकर 13 स्थान ऊपर चढ़ते हुए संयुक्त 32वें स्थान पर पहुंची हैं। रनर-अप श्रीलंका की कप्तान चमारी अटापट्टू ने 2 स्थान ऊपर चढ़कर संयुक्त सातवां स्थान प्राप्त किया है जबकि विश्मी गुनारत्ने 8 स्थान ऊपर चढ़कर 63वें स्थान पर पहुंच गई हैं। अनुश्का संजीवनी ने सबसे बड़ी छलांग लगाते हुए 19 स्थान ऊपर चढ़कर 75वें स्थान पर जगह बनाई है। हालांकि दक्षिण अफ्रीका का टीम प्रदर्शन उम्मीद के मुताबिक नहीं रहा, लेकिन उनके बल्लेबाजों ने व्यक्तिगत तौर पर अच्छा प्रदर्शन किया।

भारतीय शतरंज खिलाड़ियों का शानदार प्रदर्शन, कई इंटरनेशनल टूर्नामेंट में बिखेरी चमक

एजेंसी

नई दिल्ली। भारतीय चेस खिलाड़ी वर्तमान में दुनिया भर में चल रहे कुछ अंतरराष्ट्रीय टूर्नामेंट में बेहतरीन प्रदर्शन कर रहे हैं और देश को गौरवान्वित कर रहे हैं। आइए नजर डालते हैं कुछ प्रमुख टूर्नामेंट में, जिनमें भारतीय खिलाड़ियों का प्रदर्शन बेहतरीन रहा भारतीय शतरंज खिलाड़ियों ने एशियन चेस चैंपियनशिप में अब तक शानदार प्रदर्शन किया है। ओपन सेक्शन में पांच पुरुष और वीमेन सेक्शन में चार भारतीय महिला खिलाड़ी टॉप 10 में शामिल हैं। महिला वर्ग में सेषाद्री रिजा ने पांच में से पांच मुकाबले जीतकर तालिका में शीर्ष स्थान हासिल किया है।ओपन सेक्शन में भारत के एल. श्रीहरि चौथे स्थान पर हैं, जबकि ईरान के बर्दिया दानेशवर शीर्ष पर हैं। भारत के कार्तिकेयन मुरली और निहाल सरीन

भी टॉप 10 में शामिल हैं – क्रमशः सातवें और दसवें स्थान पर। यह चैंपियनशिप न केवल एशियन चैंपियन का खिताब तय करती है, बल्कि 2025 फाइडे वर्ल्ड कप के लिए क्वालिफायर भी है। ग्रांड चेस टूर 2025 के दूसरे चरण और क्लासिकल इवेंट 'सुपरबेट चेस क्लासिक रोमानिया' में भारत के डी. गुकेश को राउंड 6 में अलीरेजा फिरोज़ा के खिलाफ हार का सामना करना पड़ा। छह राउंड के बाद गुकेश केवल 2 अंकों के साथ अंतिम स्थान पर हैं। वहीं, भारत के दूसरे प्रतिभागी आर. प्रज्ञानानंद ने जान-क्रिज़टोफ़ डूडा से ड्रॉ खेला। उनके अब 6 में से 4.5 अंक हैं और वह अलीरेजा फिरोज़ा, फबियानो कारुआना और मैक्सिम वाशिए-लाग्रेव के साथ संयुक्त रूप से शीर्ष पर हैं।

फाइडे वीमेन ग्रां प्री 2024-2025

फाइडे महिला ग्रां प्री श्रृंखला के ग्रॉसलोबमिंग चरण में अन्ना मुज़्यचुक और ज़ू जिनेर 5-5 अंकों के साथ संयुक्त रूप से शीर्ष पर हैं। भारत की आर. वैषाली सातवें राउंड में अलेक्जेंड्रा कोस्टेनियुक से हारने के बाद चौथे स्थान पर खिसक गई हैं। तान झोंगयी, जो मौजूदा महिला वर्ल्ड चैंपियनशिप की रनर-अप हैं, 4.5 अंकों के साथ तीसरे स्थान पर हैं। यह ग्रॉसलोबमिंग लेग 2024-2025 महिला ग्रां प्री की अंतिम प्रतियोगिता है और यह अगली वीमेन कैंडिडेट्स टूर्नामेंट के लिए अहम क्वालिफिकेशन इवेंट है।

आईपीएल के शेष हिस्से में खेलेंगे बोल्ट

मुम्बई। न्यूजीलैंड़ के तेज गेंदबाज ट्रेंट बोल्ट ने इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2025 के शेष हिस्से में अपनी टीम मुम्बई इंडियंस के लिए खेलने का निर्णय किया है। 36 वर्षीय बोल्ट को मुम्बई इंडियंस ने मेगा नीलामी में 12.5 करोड़ रुपये में खरीदा था। बाएं हाथ के इस तेज गेंदबाज ने आईपीएल के इस सत्र में 8.49 की इकॉनमी रेट से 18 विकेट लिये हैं। सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ 26 रन देकर चार विकेट अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन रहा है। वह पूरे टूर्नामेंट में संयुक्त रूप से चौथे स्थान पर हैं। पांच बार की चैंपियन मुम्बई को अब भी अपने तीन प्रमुख विदेशी खिलाड़ियों की उपलब्धता का इंतजार है। दक्षिण अफ्रीका के रायन रिकल्टन और कोर्बिन बॉश, और इंग्लैंड के ऑलराउंडर विल जैक्स की भागीदारी को लेकर अब भी संशय बना हुआ है। दक्षिण अफ्रीकी क्रिकेट बोर्ड के अनुसार उनके खिलाड़ियों की एनओसी 25 मई तक वैध है।

कोपा अमेरिका विवाद: सीएएस ने उरुग्वे के खिलाड़ियों की अपील खारिज की,पांच खिलाड़ी रहेंगे निलंबित

एजेंसी

लुसाने। खेलों की सर्वोच्च अदालत कोर्ट ऑफ आर्बिट्रेशन फॉर स्पोर्ट (सीएएस) ने उरुग्वे के पांच अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ियों की अपील खारिज कर दी है। इन खिलाड़ियों पर पिछले साल जुलाई में कोपा अमेरिका सेमीफाइनल में कोलंबिया से हार के बाद बैंक ऑफ अमेरिका स्टेडियम (नॉर्थ कैरोलिना, यूएस) में दर्शकों से भिड़ने का आरोप था। कोर्ट ने साफ कहा कि यह हरकत 'स्वरक्षा' नहीं, बल्कि स्वेच्छा से की गई हिंसात्मक और अनुचित प्रतिक्रियाथी।इस विवाद में लिवरपूल के फॉरवर्ड डार्विन नुनेज, बार्सिलोना के डिफेंडर रोनाल्ड अराउजो, और एटलेटिको मैड्रिड के डिफेंडर जोस मारिया गिमेनेज़ शामिल थे। इनके अलावा टॉटनहम के मिडफील्डर रोड्रिगो बेंटनकुर और नापोली के डिफेंडर माथियास ओलिवेरा भी इस झड़प में शामिल पाए गए। दक्षिण अमेरिकी फुटबॉल संस्था कॉनमेबोल ने इन सभी खिलाड़ियों को 3 से 5 मैचों के लिए निलंबित किया था।

वर्ल्ड कप क्वालिफायर में नहीं खेल पाएंगे नुनेज़

अब डार्विन नुनेज 5 जून को पराग्वे के खिलाफ और 10 जून को वेनेजुएला के खिलाफ होने वाले फीफा वर्ल्ड कप 2026 क्वालिफायर मुकाबलों में नहीं खेल पाएंगे।

क्या है क्वालिफिकेशन की स्थिति?

दक्षिण अमेरिकी क्वालिफायर में शीर्ष 6 टीमें सीधे

विश्व कप में जगह बनाएंगी, जबकि 7वें स्थान पर रहने वाली टीम इंटरकॉन्टिनेंटल प्लेऑफ खेलेगी। उरुग्वे फिलहाल वेनेजुएला से 6 अंक आगे है और उसके पास क्वालीफाई करने के लिए कुल 4 मैच बचे हैं।

'ड्रीम लीग ऑफ इंडिया' सिर्फ एक लीग नहीं है, यह प्रतिभाओं को पंख देने का जरिया भी है : ऋषभ भाटिया

एजेंसी

नई दिल्ली। सर्वोटेक स्पोर्ट्स के डायरेक्टर ऋषभ भाटिया ने ड्रीम लीग ऑफ इंडिया की तारीफ की है। उन्होंने कहा है कि यह सिर्फ एक लीग नहीं है, बल्कि प्रतिभाओं को पंख देने का जरिया है। भारत में टेनिस क्रिकेट बॉल की बढ़ती लोकप्रियता के चलते अंतरराष्ट्रीय टेनिस क्रिकेट फेडरेशन (आईटीसीएफ) ने इसे मान्यता प्रदान की है। आईटीसीएफ को वर्ष भर चलने वाली ड्रीम लीग ऑफ इंडिया की अवधारणा काफी पसंद आई है। इसमें न केवल एक फ्रेंचाइजी प्रतियोगिता होगी, बल्कि इंटर-जोनल और जोनल चैंपियनशिप टूर्नामेंट भी आयोजित किए जाएंगे, ताकि खिलाड़ी साल भर सक्रिय रहें और हर क्षेत्र की प्रतिभा को तराशा जा सके। सर्वोटेक स्पोर्ट्स के डायरेक्टर ऋषभ भाटिया ने एक बयान में कहा, ÷यह जानकर दिल को बहुत सुकून मिलता है कि ड्रीम लीग ऑफ इंडिया ऐसी प्रतिभाओं को मंच देने जा रही है, जिन्हें शायद ही कोई देख पाता। यह सिर्फ एक लीग नहीं है, बल्कि प्रतिभाओं को पंख देने का जरिया है। हम ऐसे खिलाड़ियों की तलाश कर रहे हैं, जिनमें जुनून और प्रतिभा तो है, लेकिन मौके नहीं।इस विषय पर टेनिस क्रिकेट एसोसिएशन ऑफ इंडिया (टीसीएआई) के अध्यक्ष कन्हैया गुर्जर ने कहा, ड्रीम लीग ऑफ इंडिया केवल एक मंच नहीं है, बल्कि अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पहचान बनाने का एक द्वार है। जो खिलाड़ी इस लीग में बेहतरीन प्रदर्शन करेंगे, उन्हें भारतीय जर्सी पहनने और टेनिस क्रिकेट वर्ल्ड कप, एशिया कप और अन्य अंतरराष्ट्रीय सीरीज में खेलने का अवसर मिलेगामई 2025 में सर्वोटेक स्पोर्ट्स ने ड्रीम लीग ऑफ इंडिया की शुरुआत की, जो टेनिस क्रिकेट बॉल पर आधारित अपनी तरह की पहली लीग है। इसमें भाग लेने वाले खिलाड़ियों को टेनिस क्रिकेट बॉल वर्ल्ड कप और एशिया कप में भारत का प्रतिनिधित्व करने का मौका भी मिलेगा। देशभर में होने वाली इस प्रतियोगिता के दौरान स्काउट्स खिलाड़ियों पर करीबी नजर रखेंगे, जो विश्व कप और एशिया कप के लिए भारतीय टीम के चयन का आधार बनेगा। टेनिस क्रिकेट बॉल वर्ल्ड कप और एशिया कप भारत में आयोजित किए जाएंगे। ऐसा पहली बार होगा जब पूरी तरह टेनिस बॉल से खेले जाने वाले वैश्विक और महाद्वीपीय टूर्नामेंट भारत में होंगे। ड्रीम लीग ऑफ इंडिया जूनियर्स (13-18) और सीनियर्स (18+) दोनों वर्गों के लिए होगी, जिसमें प्रत्येक श्रेणी में 6 फ्रेंचाइजी टीमें भाग लेंगी। इच्छुक खिलाड़ी लीग की आधिकारिक वेबसाइट या स्टार्जपिट ऐप पर पंजीकरण कर सकते हैं। पूरे भारत के विभिन्न जिलों और केंद्रों में 1,500 से अधिक प्रमाणित कोचों की देखरेख में खुले और निष्पक्ष ट्रायल्स आयोजित किए जाएंगे।ड्रीम लीग ऑफ इंडिया के लिए 860 जूनियर और 860 सीनियर खिलाड़ियों को ऑक्शन के लिए शॉर्टलिस्ट किया जाएगा। प्रत्येक श्रेणी में छह फ्रेंचाइजी टीमें अपने-अपने खिलाड़ियों का चयन करेंगी। फेयर ट्रायल्स से शॉर्टलिस्ट हुए खिलाड़ी ड्रीम लीग ऑफ इंडिया के ऑक्शन में भाग लेंगे। सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ियों को अंतरराष्ट्रीय टेनिस क्रिकेट फेडरेशन (आईटीसीएफ) की ओर से भारत का प्रतिनिधित्व करने का मौका मिल सकता है। इसके अलावा, जो खिलाड़ी ऑक्शन में नहीं बिकेंगे, वे देश के सबसे बड़े इंटर-जोनल टूर्नामेंट में भाग लेंगे।

रेलवे ट्रैक के किनारे मिला शव, ट्रेन की चपेट में आने से मौत की आशंका

लोक प्रेरणा

सोहावल। रौनाही थाना क्षेत्र अंतर्गत सुचितागंज बाजार रेलवे फाटक के पास रेलवे पटरी से सटा एक 30 वर्षीय युवक का शव स्थानीय लोगों ने देखा तो इसकी सूचना रेलवे स्टेशन मास्टर को दी। स्टेशन मास्टर की सूचना पर पहुंची रौनाही पुलिस व जीआरपी की संयुक्त टीम ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज कर घटना की जांच शुरू कर दिया है।जानकारी के अनुसार मंगलवार की सुबह सुचित्तगंज रेलवे फाटक के पास एक 30 वर्षीय युवक का शव ग्रामीणों ने रेलवे पटरी के किनारे पड़ा देखा तो इसकी सूचना स्टेशन मास्टर सोहावल को दी। सूचना पर पहुंची पुलिस की जांच में युवक की जेब से मिले मोबाइल से फोन करने पर मृतक की पहचान संदीप सिंह पुत्र पवन सिंह निवासी ग्राम छाछ पुर दतिया मध्य प्रदेश के रूप में हुई । इस बारे में पूछे जाने पर सुचितागंज चौकी प्रभारी चंद्रहास मिश्रा ने बताया कि मृतक की पहचान हो गई है मृतक अपने जीजा के घर नगर पंचायत खीरौनी के गुलजार के पुरवा में रहकर पानी पुरी का ठेला लगाता था। सोमवार की देर शाम संदीप अपने घर जाने के लिए रेलवे स्टेशन के लिए निकला था। उन्होंने बताया मिली सूचना के आधार पर मृतक नशे का आदी था आशंका व्यक्त की जा रही हैं की ट्रेन के चपेट में आने से उसकी मौत हो गई है शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज कर जांच शुरू कर दी गई है।

तेज रफ्तार अज्ञात वाहन ने स्कूटी सवार युवक को मारी टक्कर, हालत गंभीर

लोक प्रेरणा

पटरंगा। नेशनल हाईवे पर बी.पी. मवई के आगे एक तेज रफ्तार अज्ञात वाहन ने स्कूटी सवार युवक को टक्कर मार दी। हादसे में युवक को गंभीर चोटें आईं, जिससे उसकी हालत नाजुक बनी हुई है।

घटना की सूचना मिलते ही पीआरबी 112 की टीम मौके पर पहुंची। जफर आलम व दीवान गोमती ने बिना एम्बुलेंस का इंतजार किए घायल युवक को अपनी सरकारी वाहन (पीआरबी 5381) से तुरंत सीएचसी रुदौली पहुंचाया।हादसे के बाद हाईवे पर यातायात बाधित हो गया, जिसे हाईवे चौकी इंचार्ज धर्मेंद्र यादव और उप निरीक्षक प्रशांत पांडे ने फोर्स के साथ मिलकर बहाल कराया।घायल युवक की पहचान सूरज कश्यप पुत्र रामचंद्र निवासी अजय नगर, कामता, थाना चिनहट, लखनऊ के रूप में हुई है। वह स्कूटी (यूपी 32 एल वाई 1837) से लखनऊ से अयोध्या जा रहा था।

एनएच-27 से जुड़ा पूरे काजी गांव का मुख्य मार्ग बदहाल, ग्रामीणों ने उठाई मरम्मत की मांग

लोक प्रेरणा

पटरंगा। रुदौली तहसील रुदौली के अंतर्गत आने वाले पूरे काजी गांव की सड़क की हालत बेहद दयनीय हो चुकी है। बी.पी. मवई से राष्ट्रीय राजमार्ग-27 को जोड़ने वाली यह सड़क लगभग 800 मी में फैली हुई है, लेकिन अब इसकी गिट्टियाँ पूरी तरह उखड़ चुकी हैं और सड़क पर बड़े-बड़े खतरनाक गड्ढे बन गए हैं।

इस मार्ग से होकर संत बहरैची दास राष्ट्रीय अकादमी इंटर कॉलेज और प्राथमिक विद्यालय पूरे काजी के सैकड़ों छात्र-छात्राएं प्रतिदिन आवागमन करते हैं। लेकिन सड़क की जर्जर स्थिति बच्चों, बुजुर्गों और आम ग्रामीणों के लिए रोजाना दुर्घटनाओं का खतरा पैदा कर रही है।ग्रामीणों की पीड़ाः सुभाष चंद्र यादव,राम केवल रावत, अतुल कुमार महेश प्रसाद यादव, शिव प्रसाद रावत, सनोज यादव और हृदय राम यादव सहित अन्य ग्रामीणों ने बताया कि यह सड़क लगभग 8-10 साल पहले बनाई गई थी, लेकिन उसके बाद से आज तक कोई मरम्मत नहीं हुई।बरसात में सड़क तालाब जैसी बन जाती है, न बच्चों का स्कूल जाना सुरक्षित है, न बीमारों का अस्पताल पहुँचना आसान,प्रशासन से गुहारः ग्रामीणों ने प्रशासन व जनप्रतिनिधियों से तत्काल हस्तक्षेप की मांग की है। उनका कहना है कि यह सिर्फ एक सड़क नहीं, बल्कि गांव की जीवनरेखा है, जिससे शिक्षा, स्वास्थ्य और दैनिक जरूरतें जुड़ी हैं।

जल ही जीवन हैं - पीयूष सिंघल

लोक प्रेरणा

अयोध्या। बड़े मंगल के पावन अवसर पर मारवाड़ी युवा मंच अयोध्या द्वारा अयोध्या धाम रेलवे स्टेशन पर पेयजल एवं बिस्कुट का वितरण अयोध्या धाम रेलवे स्टेशन पर मंगलवार को बड़े मंगल के शुभ अवसर पर मारवाड़ी युवा मंच, अयोध्या शाखा द्वारा यात्रियों और श्रद्धालुओं को निःशुल्क ड्रिंकिंग वाटर और बिस्कुट का वितरण किया गया। यह सेवा कार्य इंडियन स्काउट्स के बच्चों के सहयोग से संपन्न हुआ, जिन्होंने वितरण में सक्रिय भागीदारी निभाई।

कार्यक्रम के दौरान संरक्षक पीयूष सिंघल ने कहा की पानी को हम बचाएंगे, देश में खुशहाली लाएंगे

अध्यक्ष अंकित अग्रवाल ने कहाः ह्लअयोध्या जैसे धार्मिक नगरी में बड़ा मंगल के दिन हजारों श्रद्धालु आते हैं। हमारी छोटी-सी सेवा का उद्देश्य यात्रियों को गर्मी और भीड़ में थोड़ी राहत देना है। मारवाड़ी युवा मंच सदैव समाजहित में अग्रसर रहता है और ऐसे आयोजनों के माध्यम से हम सेवा की परंपरा को आगे बढ़ा रहे हैं।महामंत्री तरुण जिंदल ने बतायाःह्लयह कार्यक्रम समाज के युवाओं और स्काउट बच्चों की सहभागिता से और भी प्रभावशाली बना। हम इस प्रकार के सेवा कार्यों को निरंतर जारी रखेंगे और हर धार्मिक अवसर पर यात्रियों के हित में कुछ सकारात्मक करेंगे।इस सेवा कार्यक्रम में मंच के कोषाध्यक्ष ऋषभ गोयल के साथ पूर्व अध्यक्ष अभिषेक अग्रवाल, पूर्व अध्यक्ष नितिन अग्रवाल, अमित सिंघल,अमित मोदी, समर्थ अग्रवाल, सान्वी अग्रवाल और आरुष अग्रवाल उपस्थित रहे। तुलसी कन्या इंटर कालेज एवं शिवदयाल जायसवाल सरस्वती इंटर कॉलेज के 18 स्काउट गाइड ने सेवा कार्य कर सक्रिय सहयोग प्रदान किया। स्काउट संस्था के जिला संगठन आयुक्त मुकेश साहू,वन्दना पाण्डेय ,राकेश मिश्रा,एहतिशाम अंसारी,अमित दूबे आदि मौजूद रहे।इस अवसर पर यात्रियों ने भी मारवाड़ी युवा मंच के इस सेवा कार्य की सराहना की और इस आयोजन के लिए धन्यवाद ज्ञापित किया।

गोरखपुर चिड़ियाघर में एक महीने में चार जानवरों की मौत, अनजान वायरस से हड़कंप

लोक प्रेरणा

गोरखपुर के शहीद अशफाक उल्ला खां प्राणि उद्यान में वन्य जीवों की लगातार मौतों से लखनऊ तक हड़कंप मचा गया है। यह चिड़ियाघर सीएम योगी आदित्यनाथ का ड्रीम प्रोजेक्ट है।मंगलवार को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अपने सरकारी आवास पर इस मामले को लेकर उच्चस्तरीय समीक्षा बैठक की। बैठक में वन विभाग, स्वास्थ्य विभाग और चिड़ियाघर प्रशासन के अधिकारी शामिल हुए। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों से कहा कि किसी भी हाल में संक्रमण पर तुरंत नियंत्रण किया जाए और वन्यजीवों की सुरक्षा सुनिश्चित की जाए।

एक माह में चार वन्य जीवों की हुई मौत, सीएम लिए संज्ञान

गोरखपुर चिड़ियाघर में एक महीने के भीतर चार जंगली जानवरों की मौत हुई है जिसमें एक बाघ, एक बाघिन, एक तेंदुआ और एक भेड़िए की मौत हो चुकी है। जानवरों की जांच की गई तब प्रारंभिक अवस्था में ल5 एवियन इंफ्लूएंजा वायरस की पुष्टि हुई है। जानवरों के स्पेशलिस्टों ने बताया कि यह वायरस संक्रमण द्वारा तेजी से फैलता है। इसको देखते हुए अन्य जानवरों की लगातार निगरानी की जा रही है और कुछ संवेदनशील प्रजातियों को अलग भी रखा गया है जहां अन्य कोई जानवर नहीं जा सकता है। चिड़ियाघर में लगातार मौतों पर मुख्यमंत्री ने भी संज्ञान ले लिया है। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिया है कि मृत वन्यजीवों की पोस्टमार्टम रिपोर्ट को जल्द से जल्द सार्वजनिक किया जाए और संक्रमण की सटीक वजह सामने लाई जाए। इसके साथ ही चिड़ियाघर में साफ-सफाई, सैनिटाइजेशन और अन्य रोकथाम उपायों को तेज करने के आदेश दिए गए हैं। वन्यजीव विशेषज्ञों की एक टीम गोरखपुर भेजी गई है जो वायरस की जांच, निगरानी कर रही है। इस बीच जनता के लिए अगले आदेश तक चिड़ियाघर बंद है।

अयोध्या के तीनों टोल बंद करने हेतु केंद्रीय मंत्री को भेजा गया ज्ञापन

जिलाधिकारी द्वारा समय देकर मीटिंग न करने पर जताई नाराजगी दी आंदोलन की चेतावनी

कौशलपुरी कॉलोनी जो की वी आई पी कॉलोनी है जिसके सामने आरटीओ ऑफिस व ट्रांसपोर्ट नगर है

लोक प्रेरणा

अयोध्या। भारतीय किसान यूनियन के प्रतिनिधिमंडल ने केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी जी को संबोधित ज्ञापन जिलाधिकारी के प्रतिनिधि नगर मजिस्ट्रेट राजेश मिश्र को सौंप कर जनपद अयोध्या में स्थित तीनों टोल प्लाजो को बंद करने तथा राष्ट्रीय राजमार्ग 27 पर कौशलपुरी कॉलोनी के सामने व और अरकुना बाजार में अंडरपास बनवाने, अयोध्या - अंबेडकरनगर राष्ट्रीय राजमार्ग पर गोसाईगंज बाजार व मया बाजार में निमार्णाधीन बाईपास में पानी बहाव हेतु पुल बनवाने तथा नउवा का कुआं भदरसा मोड पर अंडर पास बनवाने की मांग की गई।

प्रतिनिधि मंडल का नेतृत्व कर रहे भारतीय किसान यूनियन के राष्ट्रीय महासचिव घनश्याम वर्मा ने बताया कि जनपद अयोध्या के तीनों टोल प्लाजा अवैध रूप से संचालित हैं जिनको बंद होना चाहिए केंद्रीय सड़क परिवहन राजमार्ग मंत्री का रिकॉर्डेड बयान है कि 60 किलोमीटर से पहले टोल की स्थापना नहीं होगी और टोल प्लाजा से 20 किलोमीटर की त्रिज्या में निवास करने वाले नागरिकों के लिए टोल फ्री रहेगा, अयोध्या- प्रयागराज, अयोध्या -रायबरेली राष्ट्रीय राजमार्ग का मापन अयोध्या से होता है इस प्रकार भरत कुंड और मीठे गांव टोल की स्थापना अयोध्या मुख्यालय से 60 किलोमीटर दूर होना चाहिए जनपद अयोध्या में ऐसा नहीं हो रहा है अयोध्या- प्रयागराज मार्ग पर स्थित भरतकुंड टोल प्लाजा कोई मानक पूरा नहीं करता है दो लेन की सड़क पर भरत कुंड नगर पंचायत क्षेत्र में स्थित है जो पूरी तरह से अवैध है।

कौशलपुरी कॉलोनी जो की वी आई पी कॉलोनी है जिसके सामने आरटीओ ऑफिस व ट्रांसपोर्ट नगर है अंडरपास न होने के कारण आसपास के लोगों को उलटी दिशा में यात्रा करनी पड़ती है सब्जी मंडी और लेबर मंडी के भीड़ के कारण आए दिन भयंकर रूप से जाम लगता रहता है ।अरकुना बाजार सोहावल में पहले कट बनाया गया था लेकिन टोल कर्मियों द्वारा कट को बंद कर दिया गया जिसके कारण किसानों को खेतों में आने-जाने के लिए काफी दूर की यात्रा करनी पड़ती है यही हाल नउवा का कुआं मदरसा मोड का है, अयोध्या- अंबेडकरनगर राष्ट्रीय राजमार्ग पर मया बाजार व नगर पंचायत गोसाईगंज में बाईपास निमार्णाधीन है दोनों स्थानों पर पानी बहाव की समुचित व्यवस्था नहीं है जिसके कारण गत वर्षो में बड़े पैमाने पर जल जमाव हुआ था पानी बहाव हेतु पुल निर्माण की मांग की गई है।घनश्याम वर्मा ने कहा कि यदि मांगे नहीं मानी गई तो बड़ा आंदोलन चलाया जाएगा ।

श्री वर्मा ने कहा कि 13 मई दिन मंगलवार अपराह्न 12:30 बजे एन एच ए आई के अधिकारियों के साथ मीटिंग करके उपरोक्त समस्याओं का समाधान कराया जाने का आश्वासन जिलाधिकारी अयोध्या ने दिया था परंतु ना तो जिलाधिकारी मिले हैं और ना ही कोई एन एच ए आई का अधिकारी मिला है जिसके कारण किसानों में रोष व्याप्त है।जिला अध्यक्ष राम गणेश मौर्य ने बताया कि किसानों के मसीहा भारतीय किसान यूनियन के संस्थापक अध्यक्ष चौ0 महेंद्र सिंह टिकैत की पुण्यतिथि 15 मई 2025 को जल, जंगल ,जमीन बचाने के संकल्प के रूप में अरकुना बाजार सोहावल में मनाई जाएगी और आंदोलन की रणनीति की जाएगी।

प्रतिदिन मंडल में सूर्यनाथ वर्मा सचिव मध्यांचल जॉन, राम गणेश मौर्य जिला अध्यक्ष अयोध्या ,भागीरथी वर्मा जिला उपाध्यक्ष सती प्रसाद वर्मा जिला सचिव, विवेक पटेल जिला महामंत्री युवा मोर्चा, भूपेंद्र कुमार दुबे एडवोकेट, बजरंगी मौर्य जय लाल चौधरी शामिल रहे।

हजरत मक्की शाह रहमतुल्लाह अलैह का दो दिवसीय सालाना उर्स सम्पन्न

लोक प्रेरणा

अयोध्या। पटरंगा थाना क्षेत्र के ग्राम पंचायत गनौली मजरे सुलेमान पुर में हर वर्ष की तरह इस वर्ष भी हजरत मक्की शाह रहमतुल्लाह अलैह का दो दिवसीय सालाना उर्स धूमधाम स मनाया गया।हजरत मक्की शाह के उर्स में लगने वाले मेले में पैनी नजर रखते हुए पांच थानो की पुलिस ने हजरत का उर्स व मेले को सकुशल सम्पन्न कराया।उर्स का आगाज 11 मई को चादर गागर के साथा शाम बाद नमाज ईशा तिलावते कुरान पाक से किया गया जिसमें बेहतरीन तकरीर का अयोजन किया गया। 12 मई को सुबह से ही मेले में जायरीनो की भीड़ जमी रही। शाम को बाद नमाज ईशा जवाबी कव्वाली का अयोजन किया गया जिसमें कव्वाल शरीफ परवाज कानपुरी व कव्वाला सनम वारसी रामपुर से तशरीफ लाई जिसमें रातभर दोनों का बेहतरीन मुकाबला हुआ जिसे सुनकर जायरीनों ने लुत्फ उठाया। मेले में बच्चे,बूढ़े महिलाएं भारी तादाद में जायरीनों आस्ताने पर हाजिरी देकर अपनी अपनी मुरादे मांगी और मेले का लुफ्त उठाया। लोग कहते है कि हजरत के आस्ताने पर सच्चे दिल से मांगी गई सभी मुरादें पूरी होती हैं। हजरत के आस्ताने पर बच्चे बुजुर्ग महिलाओं ने पहुंच कर पहले मजार पर फातिहा पढ़कर दुआए मांगी इसके बाद मेले का लुफ्त उठाया देर रात तक जायरीनो द्वारा दुआओं का सिलसिला चलता रहा। मेले में गनौली मजरे सुलेमानपुर, सीवन, वाजिदपुर दीवाली खुर्दहा ईचौलिया गेरौडा सराय अहमद रौजा गांव अलियाबाद पालपुर खेदीपुर बहोरिकपुर जखौली, सिठौली बुलबुलपुर आदि गांव से चलकर भारी तादाद में जायरीन हजरत के आस्ताना दरगांह शरीफ पर पहुंचे। मेला प्रभारी उपनिरीक्षक मदनपाल ने बताया कि की मेले को सकुशल समापन करा कर राहत की सांस ली। मेला सम्पन्न कराने में हेका नागेन्द्र प्रसाद, का,अभिषेक रुदौली,महिला का0 प्रवीन कुमारी, उ0नि0 विनोद कुमार,,म0उ0नि0 पल्लवी श्रीवास्तव थाना मवई, म0उ0नि0 प्रतीक्ष, म0का0 शिवानी, उ0नि0 दीपक कुमार रौनाही, का0 पिन्टू यादव, उ0नि0 शिव सिंह मवई, का0 राम कुमार यादव, हे0का0 टी0पी0 रविशंकर यादव पुलिस लाईन रुदौली, का0 टी0पी0 त्रिवाणी गुप्ता व थाना पटरंगा प्रभारी निरिक्षक शशिकान्त यादव के साथ पुलिस फोर्स मौजूद रहे।

पीडीए सचिव के खिलाफ जारी हुआ वारंट

लोक प्रेरणा

प्रयागराज विकास प्राधिकरण (पीडीए) की अलकनंदा अपार्टमेंट परियोजना से जुड़ी रियल एस्टेट विवाद में रेरा ट्रिब्यूनल ने एक बार फिर कड़ा रुख अपनाते हुए पीडीए सचिव के खिलाफ जमानती वारंट जारी किया है। ट्रिब्यूनल ने सचिव को 7 जुलाई 2025 को व्यक्तिगत रूप से पेश होने का आदेश दिया है। यह वारंट मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट (सीजेएम) प्रयागराज के माध्यम से तामील कराया जाएगा।

यह मामला राजकीय महिला पॉलिटेक्निक के प्रवक्ता हिमांशु मौर्य द्वारा बुक कराए गए फ्लैट से जुड़ा है। दो साल में फ्लैट सौंपने के वादे पर बुकिंग के बावजूद निर्माण में देरी हुई, जिससे परेशान होकर हिमांशु मौर्य ने रेरा में शिकायत की। रेरा ने 23 अक्टूबर 2019 को कब्जा और व्याज सहित भुगतान का आदेश दिया। इसके खिलाफ पीडीए ने अपील की और 17 अगस्त 2023 को सहमति शपथपत्र के आधार पर मामला निस्तारित कराया, लेकिन आदेशों का पालन नहीं किया गया। यह मामला बाद में हाईकोर्ट तक गया, जहां एक अक्टूबर 2024 को कोर्ट ने आदेशों के अनुपालन का निर्देश दिया। पीडीए ने फ्लैट का कब्जा तो दिया, लेकिन व्याज की स्पष्ट गणना नहीं की, जिससे आदेश की पूर्णता पर संदेह बना रहा। आवंटी हिमांशु मौर्य की ओर से रेरा ट्रिब्यूनल में अनुपालन सुनिश्चित करवाने के लिए याचिका दाखिल की गई। ट्रिब्यूनल ने पांच सुनवाईयों में भी जब कोई अधिकारी उपस्थित नहीं हुआ और निर्देशों का पालन नहीं हुआ, तो 18 अप्रैल 2025 को सचिव को व्यक्तिगत रूप से उपस्थित होने को कहा गया, जिसका भी उल्लंघन हुआ।

12 मई 2025 को हुई सुनवाई में न्यायमूर्ति सुनीत कुमार और तकनीकी सदस्य देवेंद्र सिंह चौधरी की पीठ ने पाया कि न तो आदेश निरस्त करने की कोई याचिका दी गई और न ही पालन की कोई सूचना। इसके चलते ट्रिब्यूनल ने जमानती वारंट जारी किया। आवंटी के अधिवक्ता अमित यादव के अनुसार, बार-बार मांग के बावजूद जब तक स्पष्ट ब्याज गणना उपलब्ध नहीं कराई जाती, तब तक आदेशों के पालन की पुष्टि संभव नहीं है। सचिव की अनुपस्थिति और आदेशों की अनदेखी को गंभीरता से लेते हुए ट्रिब्यूनल ने यह कठोर कदम उठाया।

सपा जिला उपाध्यक्ष के घर 7 .6 किलोवाट बिजली चोरी पकड़ी, जिले भर में 97 एफआईआर

लोक प्रेरणा

बरेली। बरेली जिले में सोमवार को विद्युत विभाग ने सघन चेकिंग अभियान चलाते हुए बिजली चोरी के खिलाफ अब तक की सबसे बड़ी कार्रवाई को अंजाम दिया।

समाजवादी पार्टी के जिला उपाध्यक्ष लिटिल खान के फरीदपुर स्थित आवास पर 7.626 किलोवाट की बिजली चोरी पकड़ी गई, जो कि एक ही दिन में सामने आई सबसे बड़ी चोरी मानी गई।

घर से दुकान तक खींची जा रही थी बिजली, अउ के लिए कटिया डालकर चोरी

बिजली विभाग की टीम को जांच के दौरान पता चला कि लिटिल खान और उनके भाई सबीउद्दीन ने घर के कनेक्शन से पास की दुकानों और घर में चल रहे एयर कंडीशनर को अवैध रूप से बिजली आपूर्ति दी थी। जब टीम ने कार्रवाई शुरू की तो सबीउद्दीन ने विरोध किया, जिससे स्थिति तनावपूर्ण हो गई और विभाग को पुलिस बुलानी पड़ी।

बिजली चोरी के खिलाफ चला जिला स्तरीय महाअभियान

विद्युत वितरण खंड के अधिशासी अभियंता हरीश कुमार की निगरानी में जिले भर में 697 कनेक्शन की जांच की गई। इसमेंः

97 उपभोक्ताओं पर एफआईआर दर्ज

219 उपभोक्ताओं के कनेक्शन काटे गए

6.89 लाख रुपये की बकाया वसूली हुई

34 उपभोक्ताओं का बिजली लोड बढ़ाया गया

ऊंचा गांव में अन्य नाम भी सामने आए

इसी गांव में जुबैर के यहां 5.44 किलोवॉट और मुशीर अहमद के यहां 3.563 किलोवॉट बिजली चोरी पकड़ी गई। सभी के खिलाफ विधिक कार्रवाई की जा रही है।

आंवला में भी बड़ी छापेमारी, 150 कनेक्शन काटे

आंवला के अंसारी चौक, जाटवपुरा, गौसिया चौक, महाराजपुरम, भुजीटौला और अन्य इलाकों में 200 से अधिक दुकानों और घरों की जांच की गई। करीब 150 कनेक्शन बिल बकाया होने के कारण काटे गए। 10 उपभोक्ताओं पर धारा 126 के तहत कार्रवाई, तीन मीटर बदले गए और पांच के मीटर बाहर लगाए गए।

बिजली विभाग की चेतावनीः चोरी पर सख्त कार्रवाई जारी रहेगी

जेई मनोज कुमार ने बताया कि बिजली चोरी और बिल बकाया के मामलों पर सख्ती के साथ कार्रवाई जारी रहेगी। टीम में कामेश कुमार, रमेश कुमार, साजन कुमार, रजत, किशनपाल आदि अधिकारी मौजूद रहे।

विधायकों को बनाया गया बीजेपी कार्यालय दिवस अधिकारी, दूर होगी कार्यकताओं की समस्या

लोक प्रेरणा

उन्नाव बीजेपी जिला कार्यालय में सप्ताह के सभी सात दिन जिले के निर्वाचित जनप्रतिनिधि, पदाधिकारी कार्यकताओं की समस्याओं को सुनेंगे और उनका समाधान करेंगे। सांसद जिले में रहने के दौरान किसी भी दिन कार्यालय पर कार्यकताओं को समय देंगे। एमएलसी अरुण पाठक, एमएलसी रामचंद्र प्रधान अपनी उपलब्धता के अनुसार कार्यालय पर समय देंगे। जिलाध्यक्ष अनुराग अवस्थी और जिला प्रभारी प्रदेश मंत्री अर्चना मिश्रा अपने कैलेंडर जारी किया है। इसमें यह जानकारी दी गई है। उन्होंने बताया कि संगठन के पदाधिकारी और संबंधित क्षेत्र के ब्लॉक प्रमुख इस मौके पर मौजूद रहेंगे। इसके साथ ही कार्यालय प्रभारी और सह कार्यालय प्रभारी की भी नियुक्ति की गई है।

उत्तर प्रदेश के उन्नाव के जिलाध्यक्ष अनुराग अवस्थी ने बताया कि सोमवार को मोहान विधायक बृजेश रावत कार्यकताओं की समस्याओं को सुनेंगे। जबकि मंगलवार को पुरवा विधायक अनिल सिंह, बुधवार को जिला पंचायत अध्यक्षा शकुन सिंह, बृहस्पतिवार को सदर विधायक पंकज गुप्ता और अरुण सिंह मौजूद रहेंगे।

आशुतोष शुक्ला रविवार को कार्यालय दिवस अधिकारी

जबकि शुक्रवार को। श्रीकांत कटियार और पुत्तीलाल गौतम, शनिवार को बंबा लाल दिवाकर, रविवार को आशुतोष शुक्ला कार्य में मौजूद रहेंगे। इनके साथ पार्टी के पदाधिकारी की भी अलग-अलग नियुक्ति की गई है। जिनमें जिला महामंत्री, जिला मंत्री, जिला उपाध्यक्ष, जिला मीडिया प्रभारी, जिला संयोजक श्रम प्रकोष्ठ, जिला संयोजक आईटी, जिला व्यवस्था प्रमुख, जिला कार्यालय मंत्री आदि शामिल है।

जिले के ब्लॉक प्रमुख भी होंगे शामिल

क्षेत्र के विधायक के साथ संबंधित विकासखंड के ब्लॉक प्रमुख को भी उपस्थित रहना होगा। जिसमें सरोसी विकासखंड की सुशीला देवी, बिछिया से नीरज गुप्ता, सफीपुर से निर्मला रावत, असोहा से आनंद गुप्ता, पुरवा से सतीश चौधरी, सुमेरपुर से ज्ञानेंद्र सिंह, मियागंज से धर्मेंद्र सिंह, सिकंदरपुर करण से प्रेम सिंह चंदेल, बीघापुर से पुष्पा देवी, गंज मुरादाबाद से संध्या पटेल, फतेहपुर 84 से मनोज निषाद, बांगरमऊ से सुनीता दिवाकर, हिलौली से दिलीप दीक्षित शामिल है।?

कार्यालय की जिम्मेदारी बांटी गई

जारी किया गया कैलेंडर

जिलाध्यक्ष अनुराग अवस्थी ने जिला कोषाध्यक्ष मनीष जायसवाल को कार्यालय प्रभारी, जिला संयोजक श्रमिक प्रकोष्ठ नवीन सिंह और सुशील तिवारी को कार्यालय सह प्रभारी बनाया गया है।

दो किन्नर गुटों में जमकर हुई मारपीट और लूटपाट

लोक प्रेरणा

वाराणसी के लालपुर पांडेयपुर थाने के दो अलग-अलग जगहों पर किन्नरों के बीच मारपीट और लूटपाट का मामला सामने आ रहा है। मामले में पुलिस ने 20 लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया है और दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। दो दिनों से लगातार किन्नरों के साथ ये घटना हुई है।

नईबस्ती कोहराना की संजना किन्नर ने बताया कि पिछले 09 मई 2025 यानी शुक्रवार की शाम सके घर पर मनीष उर्फ बाहुबली, दीपक सेठ, राज और आशीष अपने 10 दोस्तों के साथ उसके घर पर धावा बोल दिया। उनलोगों ने उनके साथ मारपीट और गाली-गलौच की। उनलोगों ने उसे और उसके चेलों संजू, लक्ष्मी, सोमैया और रंजन की पिटाई की और उसके बाद उसकी सोने की अंगूठी लूट ले गए।

वाराणसी के हुकुलगंज नईबस्ती के चाहत मिश्रा का कहना है कि अपने गुरु भाइयों के साथ बधाई मांगने जा रही थी। रास्ते में संजू उर्फ सोनू किन्नर, आकाश उर्फ चिरईया, सौम्या उर्फ साहिल किन्नर, संजना किन्नर, इलू उर्फ शंकर जायसवाल और चंदन बिंद ने उसका ऑटो रुकवा लिया और उसके साथ मारपीट करने लगे।

अमेरिकी छात्र का बड़ा फजीर्वाड़ा, गोरखपुर यूनिवर्सिटी के साथ ही SRMU लखनऊ से भी कर रहा है LLM

लोक प्रेरणा

गोरखपुर यूनिवर्सिटी के लॉ डिपार्टमेंट से एक चौंकाने वाली खबर है, यहां छछट में एनरोल छात्र एक ही साथ दो जगहों से यह कोर्स कर रहा है, गोरखपुर यूनिवर्सिटी के साथ ही श्री रामस्वरुप मेमोरियल यूनिवर्सिटी लखनऊ में भी इसने प्रवेश ले रखा है। सारी प्रवेश प्रक्रिया ऑनलाइन होने के बाद भी यह फजीर्वाड़ा पकड़ में नहीं आया।

दो यूनिवर्सिटी से रेगुलर कोर्स पर VC बोली होगी जांच

इस संदर्भ में जब DDU गोरखपुर यूनिवर्सिटी की कुलपति प्रो.पूनम टंडन से बात हुई तब उन्होंने बताया कि ऐसा मामला संज्ञान में नहीं है। इसकी जांच कराई जाएगी और ऐसा अगर प्रकाश में आया तो छात्र के विरुद्ध कारवाई की जाएगी। फिलहाल अभी अमेरिकी छात्र से इस बाबत संपर्क नहीं हो सका है। उसका मोबाइल उसके किसी भतीजे से इस संदर्भ में बात हुई तो उसने कहा कि ऐसा होगा तो वह एग्जाम नहीं देंगे।

आरोपी छात्र का जन्म भारत में, नागरिकता अमेरिका की

जानकारी के मुताबिक शहर के कैंट इलाके के रामनगर कॉलोनी मोहद्दीपुर के रहने वाले सुधीर गुप्ता की पैदाईश तो भारत की है लेकिन, उनके पास अमेरिका की नागरिकता है। वे यहां कई साल से ओवरसीज सिटीजन ऑफ इंडिया (OCI) के तहत रहते हैं। गोरखपुर में रामनगर कॉलोनी मोहद्दीपुर से ही अपनी सुधीर टैक्स सर्विजेज नाम से फर्म चलाते हैं। जानकारी के मुताबिक यह फर्म न्यू जर्सी सिटी, अमेरिका की है। सुधीर गुप्ता अमेरिकी नागरिकों के टैक्स कंसल्टेंट हैं और वे यहीं गोरखपुर से ही टेलीकॉलिंग के जरिए अमेरिकी नागरिकों के टैक्स फाइल करने का काम करते हैं।

वर्ष 2024 में दो यूनिवर्सिटी में लिया रेगुलर कोर्स में एडमिशन

यहां LLB की पढ़ाई पूरी करने के बाद अमेरिकी छात्र सुधीर गुप्ता ने साल 2024 में लखनऊ के श्री रामस्वरुप मेमोरियल यूनिवर्सिटी में छछट में एडमिशन लिया। यहां वे पहले समेस्टर का एग्जाम भी दे चुके हैं। जबकि, जल्द ही दूसरे समेस्टर का एग्जाम होना है। लेकिन, हैरानी वाली बात यह है कि इसी साल अमेरिकी छात्र ने गोरखपुर यूनिवर्सिटी के लॉ डिपार्टमेंट में भी छछट में एडमिशन ले लिया और दोनों जगहों से अभी उनकी पढ़ाई जारी है।

एक ही कोर्स में दो यूनिवर्सिटी में नहीं ले सकते एडमिशन

हालांकि, गोरखपुर यूनिवर्सिटी के लॉ डिपार्टमेंट के HOD ने बताया, वऋउ गाइडलाइन के तहत एक साथ दो अगल-अलग कोर्सेज में तो एडमिशन लिया जा सकता है। लेकिन, वह भी तब जब रेग्यूलर स्टूडेंट न हो। लेकिन, दो यूनिवर्सिटी में एक ही सत्र में एक ही कोर्स में कोई भी छात्र एडमिशन नहीं ले सकता है। अगर ऐसा कोई छात्र करता है तो वह पूरी तरह गलत है।

युवक को गोली मारकर उतारा मौत के घाट...प्रेम प्रसंग के चलते हत्या की चर्चा

लोक प्रेरणा

कासगंज। सिकंदरपुर वैश्य थाना क्षेत्र में खाना खाकर सोमवार की शाम को तबेले में सोने गये 18 वर्षीय युवक का शव मंगलवार की सुबह खेत में पड़ा मिला है। शव देख कर आशंका जताई जा रही है कि पहले युवक की मारपीट की गई है।

बाद में उसको दो गोलियां मारकर हत्या कर दी। सूचना मिलते ही पटियाली सीओ और एएसपी राजेश भराती ने घटना स्थल पर पहुंच कर निरीक्षण किया। शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा है। प्रेम संबंध के पीछे युवक की हत्या बताई जा रही है। नरदोली निवासी 18 वर्षीय अंकुर पुत्र रामसेवक माली अपने घर से खाना खाकर सोमवार की शाम को

तबेले में सोने की बात कहकर घर से गया था। सुबह उसका शव पड़ोस के खेत में खून से लथपथ अवस्था में पड़ा हुआ ग्रामीणों ने देखा , तो गांव में सनसनी फैल गई। तमाम ग्रामीण एकत्रित हो गए। घटना की सूचना पुलिस को दी गई। एएसपी राजेश भारती, सीओ आरके पांडेय के साथ सिकंदरपुर वैश्य थाना इंस्पेक्टर बृज पाल सिंह मौके पर पहुंचे। उन्होंने ग्रामीणों से घटना के बारे में पूछताछ की। फोरेंसिक टीम ने साक्ष्यों को एकत्रित किया। शव का पंचायत नामा भरकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। साथ ही पुलिस ने शक के चलते एक युवक को पूछताछ के लिए भी हिरासत में लिया है।

वहीं घटना को लेकर ग्रामीणों में चचाएं हैं कि युवक की पहले मारपीट की गई बाद में उसकी दो गोलियां मार कर हत्या कर दी। हत्या के पीछे ग्रामीण प्रेम संबंध को लेकर चर्चा कर रहे हैं। सीओ पटियाली आरके पांडेय ने बताया कि सिकंदरपुर वैश्य थाना क्षेत्र के गांव नरदोली युवक की हत्या की सूचना प्राप्त हुई थी।

पुलिस मौके पर पहुंच कर घटना स्थल का निरीक्षण किया। शव का पंचायतनामा भर कर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। परिजनों की तहरीर पर मुकदमा दर्ज कर कार्रवाई की जा रही है। एक युवक से घटना के बारे में जानकारी की जा रही है।

हल्दी से पहले दुल्हन की गोली मारकर हत्या, सनसनीखेज वारदात से इलाके में दहशत

लोक प्रेरणा

हरदोई/मल्लावां। हल्दी की रस्म से पहले ही दुल्हन की गोली मारकर हत्या की सनसनीखेज वारदात से इलाके में दहशत है। मामला मल्लावां कोतवाली के जरेरा मजरा बाबटमऊ का है, जहां रात के तीसरे पहर में घर के अंदर सो रही दुल्हन को गोली मार दी गई। गोली की आवाज सुनते ही लोग चीखने-चिल्लाने लगे, उसी बीच दो युवकों को मौके से भागते हुए देखा गया। दुल्हन की हत्या होने से शादी की सारी खुशियां मातम में बदल गईं।

फलों से करें अपनी पाचनक्रिया दुरुस्त!

फलों में प्राकृतिक मिठास के साथ-साथ ऐसे-ऐसे मिनरल होते हैं जो आपके शरीर को बीमारियों से बचाते हैं साथ ही ये ऊर्जा भी प्रदान करते हैं। यदि शरीर में विटामिनों और पाचनक्रिया में कोई कमी आ जाए तो आपको अपने रोजाना के आहार में फलों को शामिल करना चाहिए जिनमें कि सभी पोषक तत्व और प्रोटीन हों। एक्सपर्ट्स के अनुसार सभी को रोजाना दो से तीन तरह के फल खाने चाहिए ताकि आवश्यक ऊर्जा मिल सके। फल आपके शरीर को शुद्ध भी करते हैं केला और पपीता जैसे फल सुबह खाली पेट खाने चाहिए। इन दोनों में फाइबर और सोडियम की प्रचुर मात्रा होती है जो कि आपको दिनभर एक्टिव बनाए रखते हैं। साथ ही कुछ ऐसे फल हैं जो कि खाना खाने के बाद खाने चाहिए। ऐसे फल पाचन को सही बनाए रखते हैं, नाशपती और अनानास ऐसे ही फल हैं जिनमें एंजाइम्स और फाइबर की अधिकता होती है जिससे गैस्ट्रोइंटेस्टीनल सिस्टम सही तरह काम करता है। यह पचने में मुश्किल होने वाले खाद्य पदार्थों को भी विभाजित कर उनसे प्रोटीन निकालने में मददगार है। अच्छी पाचन क्रिया के लिए ऐसे ही कुछ फल हैं जो आपको खाने के बाद खाने चाहिए।

बेहतर पाचन क्रिया के लिए ये फल खाएं

1. नाशपती : ये पेट के लिए अच्छा फल है जिसे आप सप्ताह में एक बार खा सकते हैं। हाल ही में हुए अध्ययन के अनुसार नाशपती में फाइबर होता है जिससे दस्त साफ लगता है। नाशपती सोडियम फ्री, कोलेस्ट्रॉल फ्री, और फैट फ्री होता है और इसमें 190 मिलीग्राम पोटेशियम होता है जो कि पाचन को मजबूत करता है।

2. सेब: इसमें भी फाइबर की अधिकता होती है यदि आपको पाचन से संबंधित समस्या है तो यह आपके लिए एक अच्छा फल है। खाने को सही तरह पचाने के लिए खाना खाने के 15 मिनट बाद एक सेब खा सकते हैं।

3. रसभरी : यदि आपको मधुमेह और पाचन की समस्या भी है तो रसभरी आपके लिए एक अच्छा विकल्प है। इनमें फाइबर अधिक मात्रा में है और शुगर कम होता है। इनमें कैलोरीज भी कम होती हैं, यह पाचन क्रिया के लिए एक अच्छा फल है।

4. पपीता : यदि आप 24 घंटे के अंदर ही अपने पाचन को सुधारना चाहते हैं तो कच्चा पपीता आपके लिए अच्छा है। यदि आंत की कमजोरी के कारण आप में विटामिन्स का संचय नहीं होता है तो आप इससे विटामिन "सी' प्राप्त कर सकते हैं। इसमें पपाइन होता है जो कि प्रोटीन को विभाजित करता है और खाने को पाचन योग्य बनाता है।

5. केला : यह आपके आंतों के कार्य को सही बनाए रखता है, आप इसे खाना खाने के बाद या पहले कभी भी खा सकते हैं। दोनों ही तरीकों से यह आपके पेट के लिए फायदेमंद है।

6. अनानास : पाइन एप्पल जीभ पर अजीब स्वाद छोड़ने के कारण कई लोग अनानास का सेवन नहीं करते हैं। लेकिन यह पाचन के लिए अच्छा फल है, इसमें ब्रोमेलिन इंजाइम होता है जो कि खाने को पचाने में मददगार है।

7. अंजीर : एक कप सूखे अंजीर में 15 ग्राम फाइबर होता है जो कि खाने को विभाजित कर उसे पचाने के लिए पर्याप्त है। खाने के बाद एक कप अंजीर का सेवन पाचन क्रिया के लिए सही है।

8. एवोकैडो : इस फल में पोषक तत्वों, विटामिन्स और एनर्जी की भरपूर मात्रा होती है। भारी खाने को पचाने के लिए खाने के बाद आधे एवोकैडो का सेवन फायदेमंद होता है।

दिमागी सेहत पर गंभीर असर डाल रही हैं सोशल साइट्स

टोरंटो। जो किशोर फेसबुक, ट्विटर और इंस्टाग्राम जैसी सोशल नेटवर्किंग साइट्स पर प्रतिदिन दो घंटे से ज्यादा समय बिताते हैं, उनके लिए यह नया अध्ययन कुछ जानकारियों का खुलासा करता है। इसके हिसाब से सोशल नेटवर्किंग साइट्स के ज्यादा लंबे समय तक प्रयोग से किशोरों में आत्महत्या की भावना बढ़ाने वाले विचारों, मनोवैज्ञानिक परेशानियों और मानसिक विकारों के बढ़ने का खतरा रहता है और यह उनके मानसिक स्वास्थ्य को भी खराब करता है शोधार्थियों का कहना है कि जो किशोर लंबे समय तक सोशल नेटवर्किंग साइट्स का प्रयोग करते हैं, उन्हें मानसिक स्वास्थ्य सहायता की जरूरत है। उन्होंने कहा कि यह अध्ययन अभिभावकों को तो महत्वपूर्ण संदेश देता ही है, साथ ही मानसिक स्वास्थ्य सहायता सेवा प्रदाताओं के लिए अवसर भी है कि वे इन साइटों पर अपनी पहुंच बढ़ाएं। कनाडा में ओटावा पब्लिक हेल्थ के ह्यूग्यूस सांपसा-कयिंगा और रोजमंड लुईस ने सातवीं से 12वीं कक्षा तक के छात्रों के ओंटेरियो छात्र दवा उपभोग एवं स्वास्थ्य सव्रेक्षण आंकड़ों का विश्लेषण किया। इनमें से लगभग 25 प्रतिशत छात्रों को दो घंटे से ज्यादा सोशल नेटवर्किंग साइट्स प्रयोग करने का आदी पाया गया। शोधार्थियों ने सोशल नेटवर्किंग साइट्स पर बिताए वक्त की तुलना किशोरों के मनौवैज्ञानिक परीक्षणों और आवश्यक मानसिक स्वास्थ्य सहायता जरूरतों से की। कैलिफोर्निया के सैन डिएगो के इंटरेक्टिव मीडिया इंस्टीट्यूट की ब्रेंडा के. वीडरहोल्ड ने कहा "यह वह है जहां हम सोशल नेटवर्किंग साइट्स को पाते हैं, जो किसी के लिए परेशानी का सबब हैं और किसी के लिए समाधान।' उन्होंने कहा कि जैसा कि किशोर इन साइटों का प्रयोग करते हैं तो यह जन स्वास्थ्य और स्वास्थ्य सेवा प्रदाताओं के लिए अवसर की तरह है कि वे इस विस्तृत जनसंख्या तक पहुंचकर स्वास्थ्य सेवाओं और सहायता का यहां पर प्रचार करें। यह अध्ययन साइबर साइकलोजी, बिहेवियर एंड सोशल नेटवर्किंग जर्नल में प्रकाशित हुआ है।

झूठको बढ़ावा दे रहा मोबाइल

आम आदमी की जरूरत बन चुका मोबाइल फोन झूठ बोलने की संस्कृति को हवा दे रहा है। व्यस्त जीवनशैली के बीच काम के बोझ तले पेशेवर लोग जाने-अनजाने झूठ बोलने की आदत का शिकार हो रहे हैं और यह उन्हें सिखा रहा है मोबाइल फोन। इससे मनोचिकित्सक भी इत्तेफाक रखते हैं कि मोबाइल क्रांति ने आम आदमी की जीवनशैली को पूरी तरह बदल दिया है।

मोबाइल फोन के लाभ अनेक हैं मगर हानियां भी कम नहीं हैं। समय की पाबंदी के बीच एक समय कई ग्राहकों को एक साथ निपटाने की जद्दोजहद में पेशेवर लोग कई बार ग्राहक को संतुष्ट करने के लिहाज से अपनी स्थिति और काम के बारे में झूठी जानकारी देते हैं और धीरे-धीरे उनकी यह आदत कब उनकी कार्यपणाली में समा जाती है, इसका उन्हें भी पता नहीं चलता है। किंग जार्ज चिकित्सा विविद्यालय (केजीएमयू) में मनोरोग विभाग के प्रभारी डा पीके दलाल ने शनिवार को यहां कहा "बचपन से हमें नसीहत दी जाती रही है कि झूठ बोलना गंदी बात है मगर यह गंदी आदत दशकों पुरानी है और बात-बात में झूठ बोलने वाले लोगों की पहले भी कोई कमी नहीं थी। हालांकि इस बात से कतई इनकार नहीं किया जा सकता कि मोबाइल फोन के बढ़ते प्रचलन ने झूठ बोलने की आदत को बढ़ावा दिया है।'

डा. दलाल ने कहा कि काम के बोझ तले झूठ बोलने वाले लोग इस बात से अनजान रहते हैं कि उनकी बातों को उनका बच्चा भी सुन रहा है। बच्चे जिज्ञासु होते हैं और वे घर और आसपास के बुजुगरे से ही संस्कार लेते हैं। ऐसे में वे बड़ों की देखा-देखी झूठ बोलने की आदत भी सीख सकते हैं। उन्होंने कहा कि बात-बात पर झूठ बोलने की आदत के शिकार लोग 'पैथॉलॉजिकल लाइंग डिसआर्डर' का शिकार हो सकते हैं। इसे 'एंटी सोशल पर्सनॉलिटी' की एक शाखा के रूप में जाना जाता है।

मनोचिकित्सक ने कहा कि अमेरिका से प्रकाशित पत्रिका 'कम्प्रेहेंसिव टेक्सट बुक ऑफ साइकोथेरैपी' के अनुसार भारत समेत दुनिया के ज्यादातर देशों में आमतौर पर 30 प्रतिशत लोग झूठ बोलने में तनिक भी नहीं हिचकिचाते हैं। चिकित्सा विज्ञान में झूठ बोलने की आदत से निजात पाने का उपाय है, लेकिन यह 25 वर्ष से कम उम्र के लोगों पर ही अधिक प्रभावी रहता है जबकि इससे अधिक उम्र के लोगों की मानसिक क्षमता के स्थायित्व के कारण यह इलाज अधिकतर निष्प्रभावी ही साबित होता है। ऐसे लोग यदि स्वयं चाहें तो ही उन्हें इस रोग से मुक्ति मिल सकती है।

इस बारे में कानपुर के जानेमाने मनोचिकित्सक कलीम अहमद ने कहा 'पैथॉलॉजिकल लाइंग डिसआर्डर' का एक पहलू यह भी है कि बच्चों में पनपती ऐसी आदतों में यदि अभिभावक जल्द ध्यान नहीं देते हैं तो यह किशोरावस्था से ही अपराध के दलदल में फंस सकते हैं। अमेरिका समेत कई विकसित देशों में ऐसे मरीजों के लिए 'करेक्शन होम' होते हैं, जहां "बिहेवियर थैरैपी' के जरिए उन्हें इस समस्या से छुटकारा दिलाया जाता है जबकि अपने देश में इस नाम को 'बाल सुधारगृह' के नाम से जाना जाता है। झूठ बोलने से ग्रसित बच्चों के अभिभावक से कहा जाता है कि वे बच्चे के सच बोलने पर उसे प्रोत्साहन के तौर पर उपहार दें जबकि झूठ बोलने पर दंड की हिदायत दें। बच्चों से यह भी कहें कि यदि उसने झूठ बोला तो उसकी कोई भी मांग नहीं मानी जाएगी। अभिभावक को यह भी चाहिए कि वे बच्चों के सामने आपस में कभी न झगड़ें और न ही झूठ का सहारा लें। घर में अनुशासन का माहौल बनाएं। झूठ बोलने पर बच्चों को मारने-पीटने की जगह कुछ समय के लिए उससे बात करना बंद कर दें।

टाईम पास

आज का राशिफल

मेष (चू चे चो ला ली लू ले लो आ)

मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश सफल होगी। कामकाज में आ रहा अवरोध दूर होकर प्रगति का रास्ता मिल जाएगा। अपने काम में सुविधा मिल जाने से प्रगति होगी। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा, नवीन जिम्मेदारी बढ़ने के आसार रहेंगे। अपने काम को प्राथमिकता से करें। शुभांक-6-8-9

वृष (इ उ ए ओ वा वी वू वे वो)

आत्मविश्वास बढ़ेगा। कारोबारी काम में बाधा उभरने से मानसिक अशांति बनी रहेगी। यात्रा का दूरगामी परिणाम मिल जाएगा। सुविधा और समन्वय बना रहने से कामकाज में प्रगति बन जाएगी। आर्थिक हित के काम को साधने में मदद मिल जाएगी। मांगलिक कार्यक्रमों का आयोजन होगा। शुभांक-2-5-8

मिथुन (का की कू घ ङ छ के को हा)

विरोधी नुकसान पहुंचाने की कोशिश करेगा। स्वास्थ्य लाभ में समय और धन व्यय होगा। मध्याह्न पूर्व समय आपके पक्ष का बना रहेगा। कारोबारी काम में प्रगति बनती रहेगी। लेन-देन में आ रही बाधा दूर करने का प्रयास होंगे। परिश्रम प्रयास से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। शुभांक-5-7-8

कर्क (ही हू हे हो डा डी डू डे डो)

पर-प्रपंच में ना पड़कर अपने काम पर ध्यान दीजिए। कल का परिश्रम आज लाभ देगा। आलस्य का त्याग करें। कारोबारी काम में नवीन तालमेल और समन्वय बन जाएगा। यार-दोस्तों के साथ साझे में किए जा रहे काम में लाभ मिल जाएगा। पूर्व नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंगे। शुभांक-4-5-7

सिंह (मा मी मू मे मो टा टी टू टे)

कार्यक्षेत्र में संतोषजनक सफलता मिलेगी। अपनों का सहयोग प्राप्त होगा। पत्नी व संतान पक्ष से थोड़ी चिंता रहेगी। शिक्षा में आशानुकूल कार्य होने में संदेह है। व्यापार व व्यवसाय में स्थिति उत्तम रहेगी। नौकरी में पदोन्नति की संभावना है। मित्रों से सावधान रहें तो ज्यादा उत्तम है। शुभांक-1-3-6

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो)

पठन-पाठन में स्थिति कमजोर रहेगी। खान-पान में सावधानी रखें। कामकाज में आ रहा अवरोध दूर होकर प्रगति का रास्ता मिल जाएगा। मान-सम्मान में वृद्धि होगी। अच्छे कार्य के लिए रास्ते बना लेंगें। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। निष्ठ से किया गया कार्य पराक्रम व आत्मविश्वास बढ़ाने वाला होगा। शुभांक-2-4-6

तुला (रा री रु रे रो ता ती तू ते)

शारीरिक सुख के लिए व्यसनों का त्याग करें। संतान पक्ष की समस्या समाप्त होगी। खान-पान में सावधानी रखें। व्यापार में प्रगति होगी। अपने अधीनस्त लोगों से कम सहयोग मिलेगा। भ्रातृपक्ष में विरोध होने की संभावना है। शिक्षा में आशानुकूल कार्य होने में संदेह है। स्वास्थ्य मध्यम रहेगा। शुभांक-5-7-8

वृश्चिक (तो ना नी नू ने नो य यी यू)

जीवनसाथी का परामर्श लाभदायक रहेगा। व्यापार व नौकरी में स्थिति अच्छी रहेगी। पुरुषार्थ का सहारा लें। कार्यसिद्धि होने में देर नहीं लगेगी। आर्थिक लाभ उत्तम रहेगा। शैक्षणिक कार्यों में रुचि बढ़ेगी। परिवार में किसी मांगलिक कार्य पर वार्ता होगी। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। लेन-देन में अस्पष्टता ठीक नही। शुभांक-3-5-7

धनु (ये यो भा भी भू धा फा ढा भे)

धार्मिक कार्य में समय और धन व्यय होगा। अपना काम दूसरों के सहयोग से पूरा होगा। मध्याह्न पूर्व समय आपके पक्ष का बना रहेगा। कारोबारी काम में प्रगति बनती रहेगी। लेन-देन में आ रही बाधा दूर करने का प्रयास होंगे। पुराने मित्र से मिलन होगा। स्वविवेक से कार्य करें। शुभांक-4-6-8

मकर (भे जा जी खी खू खे खो गा गी)

समय नकारात्मक परिणाम देने वाला बन रहा है। अपने हितैषी समझे जाने वाले ही पीठ पीछे नुकसान पहुंचाने की कोशिश करेंगे। परिवारजन का सहयोग व समन्वय काम को बनाना आसान करेगा। कारोबारी काम में नवीन तालमेल और समन्वय बन जाएगा। स्वविवेक से कार्य कर। शुभांक-3-6-9

कुंभ (गू गे गो सा सी सू से सो दा)

हित के काम में आ रही बाधा मध्याह्न पश्चात् दूर हो जाएगी। अपने काम आसानी से बनते चले जाएंगे। साथ ही आगे के लिए रास्ता भी बन जाएगा। यात्रा का योग। जीवन साथी अथवा यार-दोस्तों के साथ साझे में किए जा रहे काम में लाभ मिल जाएगा। पूंजी निवेश सोच-समझकर करें। शुभांक-2-4-6

मीन (दी दू थ झ ञ दे दो चा ची)

कहीं रुका हुआ पैसा वसूलने में मदद मिल जाएगी। व्यर्थ प्रपंच में समय नहीं गंवाकर अपने काम पर ध्यान दीजिए। कार्यक्षेत्र में आगे बढ़ने में रुकावट का एहसास होगा। विरोधियों के सक्रिय होने की संभावना है। शत्रुहानि की आशंका रहेगी। आय के योग बनेंगे। किसी की सफलता से प्रेरित होंगे। शुभांक-1-3-5

हंसी के फव्वारें

'यार, एक बात समझ में नहीं आई,तुमने अपनी फर्म के लिए विकलाँग खजांची का चुनाव क्यों किया?' पहले मित्र ने जानना चाहा.

'ताकि फरार होने पर वह जल्द से जल्द पकड़ा जा सके.'दूसरे मित्र ने कारण बताया.

□ □ □

द्वार पर बहुत देर तक दस्तक पड़ने के कारण पति महोदय की नींद खुली,तो पत्नी को जगाते हुए बोली,'सुनती हो, बहुत देर से कोई हमारे द्वार पर दस्तक दे रहा है.'

'ओह! तो तुम घर पर ही हो.' पत्नी उनींदे स्वर में बोली,'मैं तो यह सोचकर निश्चित थी कि द्वार पर तुम खड़े चिल्ला रहे हो.'

□ □ □

'मेरी घरवाली मेरे सिवा किसी और मर्द की ओर देखना तक पसंद नहीं करती.' पहले दोस्त ने बताया.

'पर यह बात आपको कैसे मालूम हुई ?'दूसरे दोस्त ने जानना चाहा.

'ऐसे कि कल जब मेरी घरवाली का एक परिचित घर आया, तो वह उसे देखती ही बोली, दफा हो जाओ मेरी नजरों से हमेशा के लिए. अब मैं तुम्हारा चेहरा तक देखना पसंद नहीं करती.' पहला मित्र बोला.

काकुरो पहेली - 4054

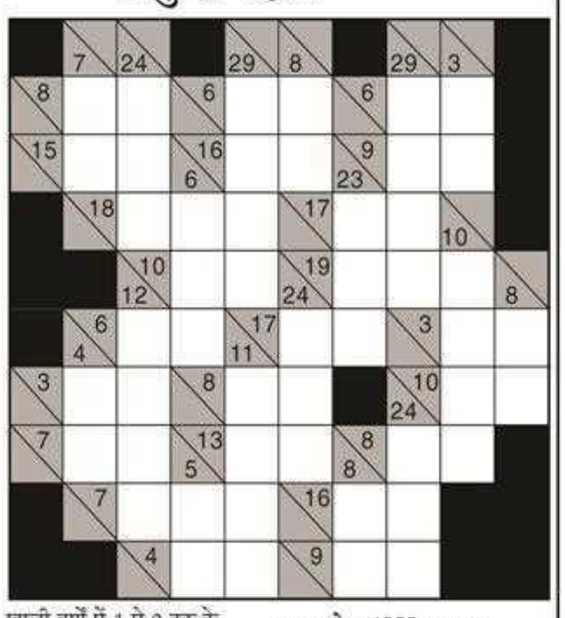

खाली वर्गों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर नीचे से ऊपर व दाएं से बाएं की जोड़ हल्के रंग के आधे वर्ग की संख्या से मेल खानी चाहिए.किसी भी अंक का उस जोड़ में पुनः उपयोग नहीं किया जा सकता.

उदाहरणतः

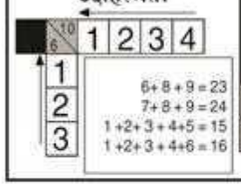

6+8+9=23
7+8+9=24
1+2+3+4+5=15
1+2+3+4+6=16

काकुरो - 4053 का हल

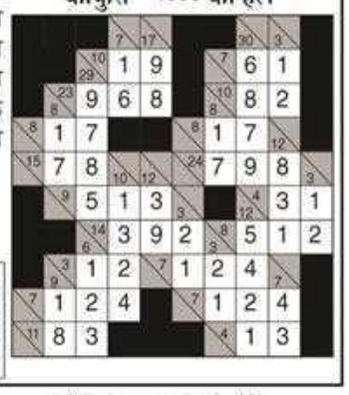

फिल्म वर्ग पहेली- 4054

ऊपर से नीचेः-

१. 'दुनिया हसीनों का' गीत वाली बॉबी देओल, मनीषा, काजोल की फिल्म-२
२. अनिल धवन, नीतूसिंह को 'अपने दिल में जगह' गीत वाली फिल्म-३
३. 'मैं निकला' गीत वाली सनी देओल, अमीषा पटेल की फिल्म-३
४. करण दीवान, वैजयंती की 'दुनिया का मजा लेलो' गीत वाली फिल्म-३
५. 'किताबें बहुत सी' गीत वाली शाहरूख, काजोल, शिल्पा शेट्टी की फिल्म-४
६. राजेंद्रकुमार, माला सिन्हा की 'बांसुरी बजाय के' गीत वाली फिल्म-२
९. 'मिलने से पहले' गीत वाली शरद कपूर, मुकुल आनंद, सुष्मिता की फिल्म-३
१२. विवेक ओबेराय, दीया मिर्जा की 'दिल ही दिल में' गीत वाली फिल्म-२
१४. 'एक तो ये बैरी' गीत वाली दिलीपकुमार, शर्मिला की फिल्म-३
१६. रितिक, करीना की 'ए री रे एरी क्या है' गीत वाली फिल्म-२
१७. 'आपका चेहरा' गीत वाली धर्मेन्द्र, नसीर, सोनू, पल्लवी की फिल्म-४
१८. गोविंदा, ऋषिकपूर, नीलम, मीनाक्षी की 'तेरे डैडी ने दिया' गीत वाली फिल्म-३
१९. शाहरूख, सैफ, प्रीती जिंटा की 'कुछ तो हुआ है' गीत वाली फिल्म-२,१,१,१
२३. अमिताभ, सलमान, हेमा की 'चली चली फिर चली' गीत वाली फिल्म-४
२४. 'रूखो सूखो रोटी' गीत वाली फिल्म-३
२६. 'इंतहा हो गई' गीत वाली फिल्म-३

बायें से दायें:-

१. डिनो मारिया, बिपाशा बसु की 'जब दिल चुराए' गीत वाली फिल्म-३
३. 'ऐ हवा ये बता' गीत वाली धर्मेन्द्र, रेखा की फिल्म-३
५. सलमान, नगमा की 'चांदनी रात है' गीत वाली फिल्म-२
७. 'टूट गई तड़क करके' गीत वाली नाना पाटेकर, माधुरी की फिल्म-३
८. अनिल धवन, रेहाना सुल्तान की 'दिल बेचैन रहा' गीत वाली फिल्म-२,२
९. 'चाँदनी रूप की' गीत वाली संजयदत्त, सलमान खान, रवीना की फिल्म-२
१०. डैनी, विनोद मेहरा, मौसमी की 'संसार है एक' गीत वाली फिल्म-३
११. 'गाड़ी बुला रही है' गीत वाली धर्मेन्द्र हेमा की फिल्म-२
१३. जीतेन्द्र, रामेश्वरी की 'काहे बिंदिया लगाई' गीत वाली फिल्म-३
१५. 'यो लड़की बहुत' गीत वाली अजय देवगन, नेहा धूपिया की फिल्म-४
२०. बॉबी, अक्षय खन्ना, अमीषा की 'दिल ने कर लिया' गीत वाली फिल्म-४
२१. 'मुझे साजन के' गीत वाली अनिल, जैकी, मनीषा, माधुरी की फिल्म-२
२२. सनी, सुनील, सैलिना की 'प्यार होने लगा' गीत वाली फिल्म-२
२५. 'क्या है तुम्हारा नाम' गीत वाली जैकी श्रॉफ, डिम्पल की फिल्म-२
२७. फरदीन खान, उर्मिला की 'दो प्यार करने वाले' गीत वाली फिल्म-३
२८. 'लाल लाल होठों पे' गीत वाली अजय देवगन, जूही की फिल्म-४
२९. फिल्म 'एलओसी' में अजय देवगन के साथ किस की जोड़ी है-२
३०. 'सोल्जर' में प्रीति का नायक ?-२
३१. 'मेरे दिल का पता' गीत वाली राहुल राय, दीपक, पूजा की फिल्म-३

फिल्म वर्ग पहेली- 4053

सूडोकु 4054

5		9		8	3	2		
	2		4					8
3	8		5	2	6	1		
	7						9	5
9		3	6		8	7		4
2	6						1	
		5	2	7	1		8	6
6					4		7	
		8	9	6		4		2

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु4053 का हल

8	2	5	3	6	7	9	1	4
4	6	1	8	9	2	3	7	5
3	7	9	1	5	4	6	8	2
1	3	7	4	2	9	5	6	8
6	5	2	7	1	8	4	9	3
9	8	4	6	3	5	1	2	7
2	4	6	9	8	3	7	5	1
5	1	3	2	7	6	8	4	9
7	9	8	5	4	1	2	3	6

शब्द पहेली - 4054

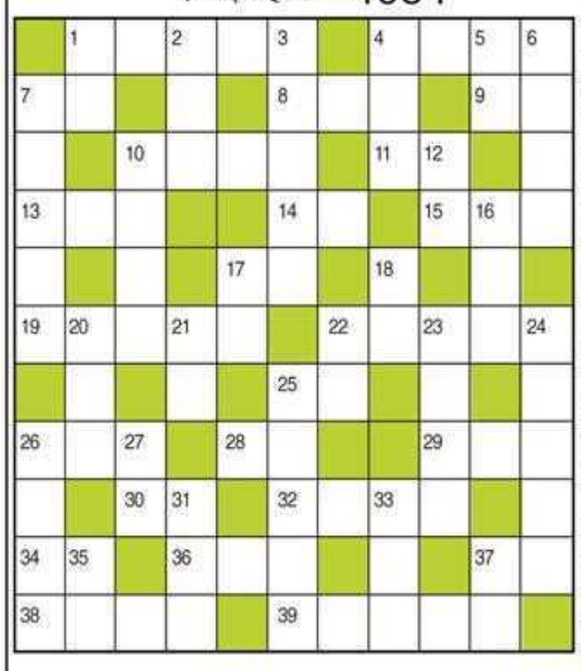

बाएँ से दाएँ
1.सहयोग की भावना-5
4.अकस्मात,एकाएक-4
7.पराजय-2
8.नाव चलाने वाला-3
9.भीगा हुआ-2
10.अनुवाद-4
11.बेल-2
13.योग्य,सही-3
14.घोड़ा गाड़ी-2
15.काव्य,गजल-3
17.अद्वैतभाव,कुर्बान-2
19.नामकरण-2,3
22.राजा का महल-5
25.प्रेम,ममता-2
26.कपड़े की दीवार-3
28.रास्ता,मार्ग-2
29.सिर,खोपड़ी-3
30.माप-2
32.गुस्सा करना-4
34.व्यंग,चुटीली बात-2
36.नायक,नेता-3
37.एक आंख वाला-2
38.रचनाकार-4
39.कृष्ण का एक नाम-3,2

ऊपर से नीचे
1.महोदय (अंग्रेजी-2)
2.डरपोक,भीरू-3
3.व्यंग कसना -5
4.बुद्धि-3
5.झुका हुआ-2
6.कर देने वाला-4
7.चोरी करना,छीनना (मु.-2,3)
10.तहखाना-4
12.एकटक देखना-2
16.वियोग,जुदाई-3
17.आमिर,काजोल की नई फिल्म-2
18.खुजली-2
20.घोटना,मंथन करना-3
21.पत्र,चिट्ठी-2
22.रास्ता-2
23.सुगंधित होना-4
24.बिजली का कौंधना-5
25.कुलीन स्त्री,देवी (उर्दू-5)
26.भगवान,ईश्वर-4
27.पेड़ का मध्य भाग-2
31.पटाखे की बाती,-3
33.अभिव्यक्ति-3
35.नृत्य,डांस-2
37.छोटी सवारी गाड़ी-2

शब्द पहेली 4053 का हल

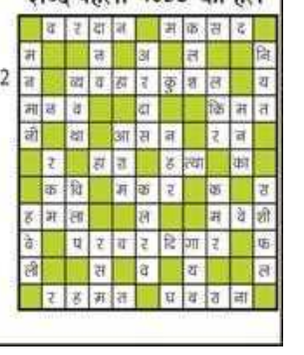

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक एवं संपादक रितु वालिया के लिये वालिया प्रिंटर्स, मकान नंबर 1265, वार्ड नंबर 10, लोहारू जिला/शहर-भिवानी हरियाणा 127201 से मुद्रित व मकान नंबर 1265, वार्ड नंबर 10, लोहारू जिला/शहर भिवानी हरियाणा 127201 से प्रकाशित किया।
ई मेलः lokparerna@gmail.com, फोनः 01252-259260, संपादकः श्रीमती रितु वालिया, सभी विवादों का न्याय क्षेत्र लोहारू (भिवानी) होगा।